THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष–29 अंक : 134 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु. 1 2081 सोमवार, 5 अगस्त–2024

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

अमित शाह का पीए बताकर दिया नौकरी लगवाने का झांसा, ठगे लाखों रुपए

राजकोट, 4 अगस्त (एजेंसियां)। एक महिला के साथ फर्जी स्पोर्ट्स डिप्लोमा के आधार पर रेलवे में नौकरी लगवाने का झांसा देकर 19 लाख 91 हजार 500 रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है।

आरोपियों में दिल्ली की रेलवे कॉलोनी के निवासी राहुल शर्मा, उसके पिता अशोक शर्मा और उसकी दो बहनें स्वाती व यशी शामिल हैं। राहुल शर्मा ने खुद को इंदौर रेलवे में टीसी, बहन स्वाति को राजकोट में आईएएस अधिकारी और गृहमंत्री अमित शाह की पीए, पिता अशोक शर्मा को रेलवे मंत्रालय में बड़ा अधिकारी और बहन यशी व मां को सरकारी नौकरी पर कार्यरत बताया।

सीएम सिद्धारमैया पर विपक्ष ने साधा निशाना

मुडा घोटाले के खिलाफ पदयात्रा के बीच भाजपा ने बोला हमला

मैसूर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक में हुए कथित मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण साइट आवंटन (मुदा) घोटाले के खिलाफ भाजपा और जद एस की पदयात्रा रविवार को दूसरे दिन भी जारी रही। इस दौरान यात्रा में शामिल भाजपा नेताओं ने कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर हमला बोला। रविवार को पदयात्रा बिदादी से शुरू हुई।

इसमें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी वाई विजयेंद्र, जद (एस) के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलावधी नारायणस्वामी, जद (एस) नेता निखिल कुमारस्वामी समेत दोनों दलों के कई विधायकों, नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं और नेताओं ने कांग्रेस सरकार और सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ नारे लगाए। शनिवार को मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती सहित भूमि खोने वालों को साइटों के कथित फर्जी आवंटन के खिलाफ और उनके इस्तीफे की मांग को लेकर भाजपा ने मैसूर चलो पदयात्रा शुरू की थी। पहले दिन यात्रा केंगेरी से शुरू होकर 16 किमी की दूरी तय करके बिदादी तक पहुंची थी। रविवार को यात्रा का समापन बिदादी से 22 किमी दूर केंगल में होगा।

कांग्रेस ने गठित किया जांच आयोग

विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे मुदा घोटाले की जांच के लिए कांग्रेस सरकार ने उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी.एन.देसाई के नेतृत्व में एक सदस्यीय जांच आयोग का गठन किया है। वहीं अधिवक्ता-कार्यकर्ता टी जे अब्राहम द्वारा दायर एक याचिका के आधार पर कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सीएम सिद्धारमैया को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इसमें उनसे सात दिन में जवाब मांगा गया और कहा गया कि उनके खिलाफ मुकदमा क्यों न चलाया जाए। कांग्रेस ने राज्यपाल से कारण बताओ नोटिस को वापस लेने के लिए कहा और इसे संवैधानिक पद का दुरुपयोग बताया।

क्या है मामला

सीएम सिद्धारमैया की पत्नी को मैसूर के एक महंगे इलाके में मुआवजा देने के लिए जगह आवंटित की गई थी, जिसकी संपत्ति का मूल्य उनकी उस जमीन की तुलना में अधिक था जिसे मुदा ने अधिग्रहित किया था।

बता दें कि मुदा ने सीएम सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ जमीन के बदले 50:50 अनुपात योजना के तहत प्लॉट आवंटित किए थे, जहां मुदा ने आवासीय खाका बनाया था। विवादास्पद योजना में खाका बनाने के लिए अधिग्रहित अविकसित भूमि के बदले में भूमि खोने वाले को 50 प्रतिशत विकसित भूमि आवंटित करने की परिकल्पना की गई है।

कश्मीर के गांदरबल में बादल फटने से दो दर्जन घर तबाह

भूस्खलन से श्रीनगर-लेह हाईवे भी हुआ बाधित

गांदरबल, 4 अगस्त (एजेंसियां)। इन दिनों भारत के बहुत से राज्य प्राकृतिक आपदा का सामना कर रहे हैं, जिससे कि आम जनजीवन को भारी नुकसान पहुंचा है। ऐसा ही कुछ जम्मू कश्मीर में हुआ है। जम्मू कश्मीर में बादल फटने की घटना हुई है। जिसके चलते श्रीनगर लेह हाईवे बंद कर दिया गया है। जम्मू कश्मीर के गांदरबल में बादल फटा और भूस्खलन हुआ। जिसके बाद श्रीनगर लेह राजमार्ग बंद करना पड़ा। हालांकि अच्छी बात यह है कि इस घटना में किसी जान माल का नुकसान नहीं हुआ। अधिकारियों ने बताया कि रविवार तड़के गांदरबल में बादल फटा। फिर इसके बाद भूस्खलन से राष्ट्रीय राजमार्ग बाधित हो गया। आपको बता दें कि श्रीनगर लेह राजमार्ग रणनीति और सुरक्षा की दृष्टि अत्यंत महत्वपूर्ण है। हाईवे के बंद होने से श्रीअमरनाथ यात्रा भी प्रभावित होगी क्योंकि श्रद्धालु यात्रा के लिए इसी रास्ते का इस्तेमाल करते हैं। बताया जा रहा है कि गांदरबल के जिस गांव में बादल फटा वहां इस घटना से करीब दो दर्जन मकान तबाह हो गए। फिलहाल प्रयास किया जा रहा है कि नेशनल हाईवे को जल्द से जल्द साफ कराया जा सके जिससे कि यातायात पहले की तरह हो।

एमसीडी में एल्डरमैन नियुक्ति का अधिकार किसको

सुप्रीम कोर्ट का फैसला आज

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली में एमसीडी में एल्डरमैन की नियुक्ति के अधिकार को लेकर पिछले साल से ही दिल्ली सरकार और एलजी के बीच घमासान छिड़ा हुआ है। दिल्ली सरकार का कहना था कि एल्डरमैन की नियुक्ति का अधिकार दिल्ली सरकार को है, आम आदमी पार्टी इस मामले को सुप्रीम कोर्ट ले गई थी, जिसके बाद अब सोमवार यानी 5 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर अपना फैसला सुनाएगी।

आम आदमी पार्टी और उपराज्यपाल वीके सक्सेना के बीच रिश्ते हमेशा तीखे नजर आते हैं, पिछले साल 17 मई को एलजी और दिल्ली सरकार के बीच एल्डरमैन को लेकर बहस छिड़ गई थी। दिल्ली सरकार का कहना था कि एलजी ने एमसीडी में 10 एल्डरमैन (मनोनीत पार्षद) बिना कैबिनेट के साथ बातचीत किए नियुक्त कर दिए, जिसके बाद पिछले साल दिल्ली सरकार इस मुद्दे को सुप्रीम कोर्ट लेकर गई थी।

15 महीने से फैसला सुरक्षित

दिल्ली की केजरीवाल सरकार का कहना था कि पहले भी दिल्ली में एल्डरमैन की नियुक्ति चुनी हुई सरकार करती रही है, अभी भी ये सरकार का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने मई 2023 में इस मामले की सुनवाई करके फैसला सुरक्षित रख लिया था, यानी लगभग 15 महीने से अधिक फैसला रिजर्व करने के बाद सुप्रीम कोर्ट अब 5 अगस्त को इस मामले पर अपना फैसला सुनाएगी।

दिल्ली सरकार ने याचिका में क्या कहा

इस मामले पर जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच फैसला सुनाएगी। दिल्ली सरकार ने पिछले साल सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में दावा किया कि 1991 में संविधान के अनुच्छेद 239एए के लागू होने के बाद यह पहली बार है कि निर्वाचित सरकार को पूरी तरह से दरकिनार करके एलजी ने एल्डरमैन का नामांकन किया। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल मार्च में इस मामले में दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना से जवाब मांगा था।

सीजेआई ने की थी टिप्पणी

पिछले साल सुनवाई के दौरान ही सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने टिप्पणी की थी कि एलजी के एल्डरमैन को नियुक्त किए जाने से एमसीडी के लोकतांत्रिक तरीके से काम करने में अस्थिर हो सकती है। हालांकि, मई 2023 में कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी, अधिवक्ता शादान फरासत और नताशा माहेश्वरी दिल्ली सरकार की ओर से पेश हुए थे और एडिशनल सॉलिसिटर जनरल संजय जैन एलजी की ओर से पेश हुए थे।

मानव तस्करी के शक में बांग्लादेशी महिला गिरफ्तार

बीएसएफ ने जीआरपी की मदद से पकड़ा

अगरतला, 4 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिमी त्रिपुरा के चरीपारा इलाके से एक बांग्लादेशी महिला को गिरफ्तार किया गया है। शक है कि महिला मानव तस्करी में संलिप्त है। गिरफ्तार महिला की पहचान खदीजा बेगम (36 वर्षीय) के रूप में हुई है, जो बांग्लादेश के ब्राहमनबरिया जिले की मूल निवासी है। पुलिस ने बताया कि 'शनिवार दोपहर को बांग्लादेशी मूल की महिला खदीजा बेगम को जीआरपी ने बीएसएफ के साथ संयुक्त ऑपरेशन चलाकर त्रिपुरा के चरीपारा इलाके से गिरफ्तार किया है।' जीआरपी और बीएसएफ को महिला के बारे में गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी, जिसके बाद महिला को गिरफ्तार किया गया। आरोपी महिला को अगरतला रेलवे स्टेशन कोर्ट में पेश किया जाएगा। बीएसएफ ने गुरुवार को स्थानीय कानूनी एजेंसियों के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान चलाया और 10 लोगों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार किए गए लोगों में से आठ बांग्लादेशी थे। मानव तस्करी के मामले में यह अभियान चलाया गया था। गिरफ्तार किए गए लोग ट्रेन पर सवार होने की तैयारी कर रहे थे।

'अमित शाह उन सभी के दुश्मन हैं जो देश के दुश्मन हैं'

नित्यानंद राय का उद्धव ठाकरे पर पलटवार

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर उद्धव ठाकरे की टिप्पणी पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अमित शाह उन सभी के दुश्मन हैं जो देश के दुश्मन हैं। उद्धव ठाकरे कांग्रेस की स्क्रिप्ट पढ़ रहे हैं और लगातार हिंदुओं को पीड़ा पहुंचाकर बाला साहेब ठाकरे की आत्मा को चोट पहुंचा रहे हैं।

अहमद शाह अब्दाली का 'राजनीतिक वंशज'

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला किया था और उन्हें पानीपत की लड़ाई में मराठों को हराने वाले अफगान शासक अहमद शाह अब्दाली का 'राजनीतिक वंशज' करार दिया। पुणे में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने भाजपा पर सरकार पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए राजनीतिक दलों में फूट डालकर पावर जिहाद में लिप्त होने का भी आरोप लगाया। ठाकरे ने कहा, अहमद शाह अब्दाली भी शाह थे और अमित शाह भी। नवाज शरीफ के साथ केक खाने वाले हमें हिंदुत्व के बारे में सिखाएंगे। उद्धव ठाकरे ने भाजपा की आलोचना की और उन पर पार्टियों के भीतर विभाजन पैदा करने का आरोप लगाया, उन्होंने शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में विभाजन का हवाला दिया।

ठाकरे ने अमित शाह पर साधा था निशाना

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, अगर मुसलमान हमारे साथ हैं और हमने उन्हें अपना हिंदुत्व समझाया है, तो हम (भाजपा के अनुसार) औरंगजेब फैन क्लब हैं, फिर आप जो कर रहे हैं वह सत्ता जिहाद है। इसके अलावा, ठाकरे ने एकनाथ शिंदे सरकार पर निशाना साधते हुए 'मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन' योजना की निंदा की और उस पर मतदाताओं को 'रेवड़ी' (मुफ्त उपहार) देकर रिश्वत देने का आरोप लगाया।

'औरंगजेब फैन क्लब' का नेता

बता दें कि 21 जुलाई को एक भाषण के दौरान, अमित शाह ने उद्धव ठाकरे पर तीखा हमला किया था, उन्हें 'औरंगजेब फैन क्लब' का नेता करार दिया था। पुणे में भाजपा के राज्य सम्मेलन कार्यक्रम में बोलते हुए, अमित शाह ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पर 26/11 आतंकी हमले के दोषी अजमल कसाब को 'बिरयानी' परोसने वालों के साथ गठबंधन करने के लिए कड़ी आलोचना की। शाह ने यह भी कहा था कि ठाकरे उन लोगों के साथ हैं, जो 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट के दोषी याकूब मेमन के लिए क्षमादान की मांग कर रहे थे।

नेपाल बॉर्डर से 2 लेपर्ड की खाल के साथ तस्कर गिरफ्तार

देहरादून, 4 अगस्त (एजेंसियां)। एसटीएफ उत्तराखंड व चंपावत फॉरेस्ट डिविजन ने ज्वाइंट ऑपरेशन में नेपाल बार्डर से दो लेपर्ड की खाल के साथ एक तस्कर को दबोचा है। तस्कर इन खालों को बेचने की फिराख में था। जिसके खिलाफ देवीधुरा फॉरेस्ट रेंज में वाइल्ड लाइफ एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। खास बात ये है कि आरोपी से पूछताछ में कुछ अन्य तस्करों के नाम सामने आए हैं। माना जा रहा है कि एसटीएफ जल्द ही बाकी वन्य जीव तस्करों को भी अरेस्ट कर सकती है। दून स्थित एसटीएफ हेड क्वार्टर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि एसटीएफ को चंपावत क्षेत्र से वन्यजीव अंगों की तस्करी की सूचना मिली थी।

इसके आधार पर टीम का गठन किया गया। टीम ने तस्कर का पीछा किया और आरोपी को नेपाल बार्डर से दबोच लिया। तस्कर के पास से लेपर्ड की दो खालें बरामद हुई हैं। आरोपी की पहचान आनंद गिरी निवासी सूनकोट सेलाखेत मुक्तेश्वर नैनीताल के रूप में हुई है। एसएसपी के मुताबिक गिरफ्तार किए गए तस्कर से पूछताछ चल रही है।

कुरुक्षेत्र में आप की रैली

सुनीता केजरीवाल बोलीं- आम आदमी पार्टी की तरफ देख रही हरियाणा की जनता

कुरुक्षेत्र, 4 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा में पहली बार आम आदमी पार्टी सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इस कड़ी में कुरुक्षेत्र के पिहोवा अनाज मंडी में आप की बदलाव रैली हो रही है। वहीं, इसके लिए पार्टी पूरे राज्य में 12 अगस्त तक 45 रैलियां करेगी।

जिसमें जेल में बंद दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल, राज्यसभा सांसद संजय सिंह और सीएम भगवंत मान शामिल होंगे। कुरुक्षेत्र रैली में पहुंचे पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा कि हमने 43 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी दी है। इसमें किसी से एक रुपया तो दूर, चाय का कप तक नहीं पिया। इसके उलट हरियाणा की बीजेपी सरकार युवाओं को जंग के बीच रूस-यूक्रेन भेज रही है।

हर मानसून में डूब जाती है दिल्ली

बच्चे के सीवर में गिरने की घटना पर बांसुरी स्वराज ने आप पर बोला हमला

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली की डिफेंस कॉलोनी इलाके में बच्चे के सीवर में गिरने की घटना को लेकर सियासत गरमा रही है। ताजा मामले में भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला है। समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में बांसुरी स्वराज ने कहा, आम आदमी पार्टी की पुरानी आदत है, वे कोई काम नहीं करते और जब कोई संकट आता है, तो वे अधिकारियों को दोषी ठहराते हैं। मैनहोल खुलने का यह संकट इसलिए आया है क्योंकि उन्होंने समय पर नालों की सफाई नहीं की। आप सरकार पिछले 10 सालों से सत्ता में है और हर मानसून में दिल्ली डूब जाती है। अब जल्दबाजी में वे नाले की सफाई के लिए मैनहोल खोल रहे हैं, लेकिन वे इतने लापरवाह हैं कि वे इसे बंद करना भूल गए। इस लापरवाही से डिफेंस कॉलोनी में एक 7 वर्षीय बच्चा स्कूल जाते समय नाले में गिर गया, सौभाग्य से उसके पिता ने उसे संभाल लिया। आशा किरण में जो हुआ वह आत्मा को कुचलने वाला है। उनकी उपेक्षा क्यों की गई? उल्लेखनीय है कि दिल्ली की डिफेंस कॉलोनी इलाके में बीते दिन एक बच्चा सीवर में गिर गया था। हालांकि गनीमत रही कि घटना के दौरान आसपास लोग मौजूद थे। जिससे उसे सुरक्षित बचा लिया गया। यहां सीवर का ढक्कन प्लाईबोर्ड से ढका हुआ था, जिस वजह से यह हादसा होते-होते बचा। भाजपा की ओर से आज रविवार को दिल्ली में 'झुग्गी स्वच्छता अभियान' के तहत स्वच्छता अभियान में चलाया जा रहा है। इसमें भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज सहित अन्य सांसदों ने भी भाग लिया है।

मेरठ से दबोचा शातिर चोर दिल्ली में रिटायर्ड आईएएस अधिकारी के घर लूट

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के वसंत कुंज में लूटपाट की वारदात सामने आई है। जहां एक रिटायर्ड आईएएस अधिकारी के घर पर एक बदमाश ने लूटपाट की। इतना ही नहीं विरोध करने पर अधिकारी को चाकू से घायल भी कर दिया। मिली जानकारी के मुताबित, बीती रात एक बजे के आस पास पुलिस को चोरी की कॉल आई। पुलिस ने बताया कि श्अभय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त आईआरएस) उम्र 61 वर्ष अपने घर के बेडरूम में पत्नी के साथ सो रहे थे। उनका बेटा और नौकर घर के दूसरे कमरे में थे। लगभग रात एक बजे, उनके कमरे की बालकनी से तेज आवाज आई। जिसे सुनकर अभय कुमार सिंह की नींद खुल गई।

साइबर जालसाजों से 100 करोड़ बरामद करीब 36 हजार शिकायतों का किया समाधान

मुंबई, 4 अगस्त (एजेंसियां)। पुलिस ने साइबर जालसाजों से धोखाधड़ी के लगभग 100 करोड़ रुपये बरामद करने का दावा किया है, जो पिछले सात महीनों में ठगे गए लोगों के थे। अधिकारियों के अनुसार, जालसाजों द्वारा धोखा दिए जाने के बाद लगभग 35,918 पीड़ितों ने साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के माध्यम से मुंबई साइबर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस उपायुक्त (अपराध शाखा) दत्ता नलवाडे ने कहा कि इन शिकायतों के आधार पर ऑनलाइन धोखाधड़ी के 35,918 मामलों पर कार्रवाई की गई। ये मामले शेयर ट्रेडिंग, निवेश योजनाओं, कूरियर कॉल, डिजिटल गिरफ्तारी की धमकियों, ऑनलाइन लेनदेन और बहुत कुछ से संबंधित थे। उन्होंने लोगों से वित्तीय धोखाधड़ी से संबंधित किसी भी शिकायत की रिपोर्ट करने के लिए 1930 हेल्पलाइन नंबर का उपयोग करने का आग्रह किया। डीसीपी नलवाडे ने कहा, अगर किसी भी तरह की वित्तीय धोखाधड़ी होती है, तो तुरंत 1930 पर कॉल करें। हेल्पलाइन पर शिकायत मिलने के बाद तीन शिफ्ट में काम करने वाले तीन अधिकारी और 50 कांस्टेबल लेनदेन रोकने के लिए बैंकों और उनके नोडल कर्मियों से संपर्क करते हैं। डीसीपी ने कहा, आगे स्थानांतरण को रोकने के लिए आरोपियों के खाते भी फ्रीज कर दिए गए हैं। हेल्पलाइन नंबर 1930 लोगों के लिए जीवन रेखा बन गया है।

'सबको पता है किसका मानसिक संतुलन खराब है

संजय राऊत ने देवेंद्र फडणवीस पर यूं कसा तंज

मुंबई, 4 अगस्त (एजेंसियां)। लखनऊ विधानसभा चुनाव से ठीक पहले महाराष्ट्र में राजनीति गरमा गई है। नेता एक-दूसरे पर वार और पलटवार कर रहे है। इस बीच शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राऊत ने डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के एक बयान पर उन्हें आड़े हाथों लिया। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राऊत ने कहा, 'सबको पता है किसका मानसिक संतुलन खराब है? उद्धव ठाकरे ने क्या आरोप लगाया? ये लोग महाराष्ट्र में भ्रष्टाचार कर रहे हैं, ये लोग लोकसभा चुनाव हार चुके हैं, क्या यह आरोप है? उन्होंने कहा कि मानसिक संतुलन की बात विधानसभा चुनाव में पता चल जाएगी।

दरअसल, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे के लिए कहा था कि वो अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। ठाकरे की हताशा उनके इन बयानों में साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने पूछा क्या ऐसी हताश और मानसिक असंतुलन से ग्रस्त व्यक्ति को जवाब देने की जरूर है? इतना ही नहीं, फडणवीस ने तंज कसते हुए कहा जब कोई अपना संयम खो बैठता है और बकवास करता है तो उसके जवाब देना उचित नही हैं। दरअसल, इस विवाद की शुरूआत उस वक्त हुई, जब उद्धव ठाकरे ने पुणे में शिवसेना की रैली को संबोधित करते हुए कहा, फडणवीस की वो हैसियत नहीं कि मैं उन्हें चुनौती दूं, वो चुनौती मैंने भाजपा को दी थी।'इसके साथ ही ठाकरे ने कहा, मैं खटमलों को चुनौती नहीं देता उन्हें चुनौती नहीं मसल दिया जाता है।

सागर में दीवार गिरने से नौ बच्चों की मौत

सागर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सागर जिले के शाहपुर में रविवार को भीषण हादसा हो गया। भागवत कथा के दौरान शिवलिंग का निर्माण कर रहे लोगों पर दीवार गिर गई, हादसे में नौ बच्चों की मौत हो गई, जबकि कई घायल हैं। जानकारी के अनुसार शाहपुर के हरदौल मंदिर में सावन महीने में शिवलिंग निर्माण और भागवत कथा का आयोजन चल रहा हैं। इसके शामिल होने के लिए सैकड़ों लोग पहुंच रहे हैं। रविवार को छुट्टी होने के कारण शिवलिंग बनाने के लिए बड़ी संख्या में बच्चे भी आए हुए थे। बच्चे एक जगह बैठकर शिवलिंग बना रहे थे, इस दौरान मंदिर परिसर के पास स्थित एक मकान की करीब पचास साल पुरानी कच्ची दीवार भराभरा कर गिर गई। यह दीवार बच्चों के ऊपर गिरी, जिससे नौ बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। लोगों ने तुरंत दीवार का मलबे हटाने का कार्य शुरू किया और फिर एक-एक कर उसके नीचे दबे बच्चों को बाहर निकाला गया। नगर परिषद, पुलिस और नगर वासी राहत कार्य में लगे हुए हैं। सूचना मिलने पर रहली विधायक और पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव मौके पर पहुंचे।

अस्पताल में उमड़ी भीड़, व्यवस्था न मिलने से लोग नाराज

हादसे के बाद लोग घायलों को लेकर शाहपुर अस्पताल पहुंचे, लेकिन वहां एक भी डॉक्टर नहीं मिला। ऐसे में लोगों ने नाराजगी जाहिर की। लोगों बताया कि यहां जो डाक्टर हैं, वे कभी-कभार ही अस्पताल आते हैं और दस्तखत करके चले जाते हैं। उन्होंने बताया कि जब बच्चों को अस्पताल में लाया गया तो मलहम पट्टी करने वाला भी मौजूद नहीं था।

इन बच्चों की हुई मौत

दर्दनाक हादसे में दिव्यांश साहू पुत्र नितेश साहू, वंश लोधी पुत्र यशवंत लोधी, नीतेश पटेल पुत्र कमलेश पटेल, ध्रुव यादव पुत्र जगदीश यादव, पर्व विश्वकर्मा पुत्र कृष्ण विश्वकर्मा, दिव्यराज साहू पुत्र गोविंद साहू, सुमित प्रजापति पुत्र महेश प्रजापति और खुशी पटवा पुत्री अमित पटवा समेत एक अन्य बच्चे की मौत हो हुई है।

चार-चार लाख रुपये की आर्थिक मदद का एलान

हादसे को लेकर सीएम मोहन यादव ने दुख जताया। उन्होंने एक्स कर लिखा- सागर जिले के शाहपुर में हुई अतिवृष्टि के कारण जर्जर मकान की दीवार गिरने से 9 मासूम बच्चों के काल कवलित होने की खबर सुनकर मन व्यथित है। घायल बच्चों के उचित इलाज के लिए जिला प्रशासन को निर्देशित किया है। भगवान से करबद्ध प्रार्थना है कि दिवंगत बच्चों की आत्मा को शांति प्रदान करें। हादसे में घायल अन्य बच्चों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। जिन परिवारों ने मासूम बच्चों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मृतक बच्चों के परिजनों को शासन की तरफ से 4 -4 लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी।

सिविल लाइंस के खैबर में चला बुलडोजर, कई घर जमींदोज; पहले ही दिया था नोटिस

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लैंड एंड डवलपमेंट ऑफिस ने करीब 32 एकड़ जमीन से अतिक्रमण हटाने के लिए बड़ा एक्शन शुरू किया है। दिल्ली के सिविल लाइंस से लगते खैबर में आज सुबह से ही बुलडोजर की मदद से यहां बने घरों को तोड़ा जा रहा है। लैंड एंड डवलपमेंट ऑफिस ने पिछले महीने ही इस इलाके का सर्वे करने के बाद सभी मकान मालिकों को नोटिस दिया था। इसमें सभी को तत्काल घर खाली करने और अतिक्रमण हटाने को कहा गया था। इस नोटिस के बाद यहां रह रहे लोगों ने सिविल लाइंस पुलिस स्टेशन पर काफी विरोध प्रदर्शन भी किया था। इस दौरान लोगों ने रिंग रोड जाम किया था। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि वह करीब 70-80 साल से यहां मकान बनाकर रह रहे हैं। आजादी के समय जब अंग्रेज अफसर यहां से जाने लगे तो उन्होंने यह पूरी जमीन अपने नौकरों को दे दी थी। उसके बाद 70 साल तक कोई भी अधिकारी यहां नहीं आया। जबकि इस अवधि में उनकी दो पुश्तें निकल चुकी हैं। अब अचानक से लैंड एंड डवलपमेंट ऑफिस ने उनके मकान को अवैध करार देते हुए उन्हें नोटिस थमा दिया है। इतने दिनों बाद सरकार उन्हें बेघर करने पर तुली है। मकान मालिकों ने सवाल किया कि अचानक से वह अपनी बसी बसाई गृहस्थी छोड़ कर कहां जाएं। स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने अपने जीवन भर की जमा पूंजी जमाकर छोटे छोटे आशियाने बनाए हैं। इसके लिए कई लोगों ने लोन भी लिया हुआ है। अब सरकार ने उनका घर ही तोड़ दिया है तो वह लोन कैसे चुकाएंगे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 134 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.1 2081 सोमवार, 5 अगस्त-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पीएम मोदी फिर से दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता

मॉर्निंग कंसल्ट के सर्वे में 69 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग मिली, अमेरिकी राष्ट्रपति टॉप-10 में भी नहीं

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता बने हैं। मॉर्निंग कंसल्ट नाम की ग्लोबल डिसीजन इंटेलिजेंस फर्म ने दुनिया 25 देशों के प्रमुखों की अप्रूवल रेटिंग जारी की है। इस लिस्ट में 69 प्रतिशत रेटिंग के साथ पीएम मोदी पहले स्थान पर हैं।

लिस्ट में दूसरा स्थान मेक्सिकी राष्ट्रपति आंद्रे मैनुअल लोपेज ओब्राडोर को मिला है। उनकी अप्रूवल रेटिंग 60 प्रतिशत रही। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन टॉप-10 नेताओं में भी शामिल नहीं हैं। 39 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग के साथ वे 12वें नंबर पर रहे। वहीं, 25वां यानी आखिरी स्थान जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा को मिला। उनकी रेटिंग 16 प्रतिशत रही।

इससे पहले फरवरी में 78 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग के साथ पीएम मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता रहे थे। मॉर्निंग कंसल्ट का यह सर्वे 30 जनवरी से 5 फरवरी के बीच जुटाए गए डेटा पर आधारित था। तब भी मेक्सिकी राष्ट्रपति आंद्रे मैनुअल लोपेज ओब्राडोर दूसरे स्थान पर थे। उनकी रेटिंग 64 प्रतिशत थी।

7 दिन के सर्वे से तय हुई अप्रूवल रेटिंग :

ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग ट्रेकर वेबसाइट मॉर्निंग कंसल्ट के मुताबिक ये लिस्ट 8 से 14 जुलाई के बीच कलेक्ट किए डेटा पर आधारित है। हर देश के 18 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को सर्वे करने के बाद सात दिन के औसत से अप्रूवल रेटिंग तय होती है।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति और कनाडा के पीएम की लोकप्रियता कम हुई :

नई रेटिंग के मुताबिक जो बाइडेन 39 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग के साथ 12वें नंबर पर रहे। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो 29 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग के साथ 20वें स्थान पर और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉ को 20 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग के साथ लिस्ट में 22वें स्थान पर रहे हैं। इससे कहा जा सकता है कि इन तीन नेताओं की लोकप्रियता में गिरावट आ रही है।

नीट पेपर लीक

पटना में राजस्थान का एमबीबीएस स्टूडेंट अरेस्ट

हजारीबाग में सॉल्व किया पेपर, बिहार में रटवाया, अबतक 9 मेडिकल छात्र गिरफ्तार

पटना, 4 अगस्त (एजेंसियां)। नीट यूजी प्रश्नपत्र लीक मामले में सीबीआई ने एक और मेडिकल के छात्र को गिरफ्तार किया है। राजस्थान के भीलवाड़ा स्थित एक मेडिकल कॉलेज के छात्र संदीप कुमार को सीबीआई ने पटना से गिरफ्तार किया। फिर पटना सिविल कोर्ट की एक विशेष अदालत में विशेष न्यायिक दंडाधिकारी कुमारी रिंकू के समक्ष पेश किया। सीबीआई ने यहां सात दिनों की रिमांड मांगी। कोर्ट ने 5 दिनों की रिमांड दी। मामले में सीबीआई अब तक 9 एमबीबीएस छात्रों को गिरफ्तार कर चुकी है।

सीबीआई ने संदीप को नोटिस देकर पूछताछ के लिए पटना बुलाया था। पूछताछ में संदीप ने अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। संदीप ने भी अन्य मेडिकल छात्रों के साथ हजारीबाग में 5 मई की परीक्षा से पहले नीट यूजी का प्रश्नपत्र सॉल्व किया था। इसी सॉल्व पेपर को संजीव मुखिया और रॉकी ने बिहार-झारखंड में अपने साथियों को भेजकर नीट यूजी के अभ्यर्थियों को रटाया था।

नीट यूजी क प्रश्नपत्र सॉल्व करने के लिए संजीव मुखिया और रॉकी ने पटना एम्स, रिम्स, मुंबई, भरतपुर और भीलवाड़ा के मेडिकल कॉलेज के छात्रों को हजारीबाग बुलाया था। कुछ और मेडिकल छात्र हैं जो सीबीआई के रडार पर हैं। सीबीआई इससे पहले अमित और अमन को गिरफ्तार कर चुकी है। दोनों रॉकी के करीबी हैं। झारखंड का पूरा मैनेजमेंट अमित और अमन ही संभाल रहा था।

वहीं पटना का मैनेजमेंट चिंटू, नीतीश और अमित आनंद संभाल रहा था। मालूम हो कि राजस्थान के परीक्षा माफिया बलराम गुर्जर का संजीव मुखिया और रॉकी के साथ पुराना संबंध है।

>14

शाह बोले- 2029 में एनडीए भी आएगा, मोदी भी आएंगे

विपक्षी गठबंधन इंडिया खुद को विपक्ष में बैठने के लिए तैयार रखे

चंडीगढ़, 4 अगस्त (एजेंसियां)। गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को चंडीगढ़ में कहा कि विपक्षी इंडिया ब्लॉक चाहे कुछ भी कर ले, 2029 लोकसभा चुनाव में एनडीए की ही सरकार बनेगी। नरेंद्र मोदी चौथी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। इंडिया ब्लॉक एक बार फिर से खुद को विपक्ष में बैठने के लिए तैयार रखे।

शाह ने कहा कि विपक्ष अस्थिरता पैदा करना चाहता है। उन्हें विपक्ष में रहकर काम करने का तरीका सीखना चाहिए। उन्होंने कहा, विपक्ष के लोग बार-बार कहते हैं कि हमारी सरकार चलने वाली नहीं है। मैं उन्हें आश्वस्त करना चाहता हूं कि सरकार कार्यकाल भी पूरा करेगी और 2029 में भी आएगी।

थोड़ी सफलता से वे चुनाव नहीं जीत गए :

चंडीगढ़ में वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट न्याय सेतु के उद्घाटन और स्मार्ट सिटी मिशन का शुभारंभ करते हुए गृह मंत्री ने कहा, विपक्ष को लगता है कि थोड़ी सफलता

से वे चुनाव जीत गए हैं। उन्हें नहीं पता कि तीन चुनावों में कांग्रेस को जितनी सीटें मिलीं, भाजपा को इस चुनाव में उससे ज्यादा सीटें मिली हैं।

देश के 74 प्रतिशत घरों में स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का मिशन पूरा :

शाह ने कहा, मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से स्मार्ट सिटी पर फोकस रहा है और चंडीगढ़ इस सूची में पहले स्थान पर है। अब तक एक लाख करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। देश के 74 प्रतिशत घरों में स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का मिशन पूरा हो चुका है। पानी से होने वाली बीमारियों में काफी कमी आई है।

मोदी जी के तीसरे कार्यकाल के खत्म होने से पहले देश के हर घर में स्वच्छ जल पहुंचाने का काम पूरा हो जाएगा। न्याय सेतु परियोजना के महत्व पर कहा, इस क्षेत्र के लोगों के लिए 24/7 फिल्टर-साफ पानी की आपूर्ति की जाएगी। यह परियोजना करीब 125 एकड़ में फैली हुई है।

केंद्र की एनडीए सरकार पर इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने क्या बोला :

9 जून- पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा था कि एनडीए और इंडिया गठबंधन में काफी अंतर है। जो लोग एनडीए में हैं, उनकी मांगें बहुत ज्यादा हैं, लेकिन हम इंडिया गठबंधन वालों को कुछ नहीं चाहिए। हम सिर्फ लोगों का भला चाहते हैं, देश का भला चाहते हैं।

21 जुलाई- समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा था केंद्र में यह सरकार ज्यादा दिन नहीं टिकेगी और जल्द ही गिर जाएगी।

रेलवे स्टेशन में लगी भीषण आग

प्लेटफार्म में खड़ी कोरबा एक्सप्रेस आई चपेट में, एसी की कई बोगियां जलीं

विशाखापट्टनम, 4 अगस्त (एजेंसियां)। विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन पर भीषण आग लग गई। कोरबा से विशाखापट्टनम और यहां से तिरुमाला जा रही ट्रेन इसकी चपेट में आ गई। कोरबा एक्सप्रेस ट्रेन रविवार दोपहर प्लेटफार्म नंबर 4 पर खड़ी थी। तभी उसकी कई बोगियों में आग पकड़ ली। इस हादसे में कोरबा एक्सप्रेस की एसी बोगी के एम1, बी7, बी6 बोगी में आग लग गई। मौके पर पहुंचे रेलवे के दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया।

यात्रियों में मचा हड़कंप :

रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि किसी प्रकार की जान का नुकसान नहीं हुआ है। कई घंटों की मसक्कत के बाद आग पर काबू पाल लिया गया। ट्रेन की जलने वाली सभी बोगियां एसी की थी। ट्रेन में आग लगने से स्टेशन में हड़कंप मच गया। यात्रियों में भगदड़ सी मच गई थी।

आग की घटना से कोई नहीं हुआ प्रभावित :

कोरबा एक्सप्रेस के बी 6, बी 7 के खाली रेक से धुआं उठता हुआ दिखाई दिया। ये ट्रेन सुबह 6:30 बजे यहां पहुंची थी। 9:45 बजे कोचिंग डिपो के लिए चलने वाली थी। तभी देखा गया कि देखा गया कि बी 7 कोच से धुआं निकल रहा है। ट्रेन में आग लगने की जानकारी मिलते ही फायर बिगेड की टीम को बुलाया गया। तभी बी7, बी7 और एम1 कोच तक आग फैल गई। हालांकि, इस घटना में कोई प्रभावित नहीं हुआ।

वक्फ बोर्ड किसी जमीन को अपनी संपत्ति नहीं बता सकेगा

केंद्र सरकार वक्फ एक्ट में संशोधन के लिए बिल लाएगी, कैबिनेट की मंजूरी मिली

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। केन्द्र सरकार जल्द ही मौजूदा वक्फ एक्ट में करीब 40 संशोधन करने की तैयारी में है। इसे लेकर सरकार इसी सत्र में एक नया बिल लेकर आ सकती है। अभी वक्फ के पास किसी भी जमीन को अपनी संपत्ति घोषित करने की शक्ति है। नए बिल में इस पर रोक लगाई जा सकती है।

सूत्रों को मुताबिक कैबिनेट बैठक में इस बिल को मंजूरी भी मिल गई है। प्रस्तावित बिल में मौजूदा एक्ट की कुछ धाराओं को हटाया भी जा सकता है। संसद का मानसून सत्र अभी 12 अगस्त तक चलना है।

ओवैसी बोले, भाजपा हमेशा से वक्फ बोर्ड के खिलाफ रही

वक्फ एक्ट में संशोधन की अटकलों को लेकर असदुद्दीन ओवैसी ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सबसे पहले तो जब संसद सत्र चल रहा है, तो केंद्र सरकार संसद की सर्वोच्चता और विशेषाधिकारों के खिलाफ काम कर रही है और इसकी जानकारी

संसद को देने की बजाय मीडिया को दे रही है। ओवैसी ने कहा कि वक्फ एक्ट में संशोधन को लेकर मीडिया में जो भी कहा जा रहा है, उससे यह पता चलता है कि मोदी सरकार वक्फ बोर्ड की ऑटोनॉमी छीनना चाहती है और उसमें दखल देना चाहती है। यह धर्म की स्वतंत्रता के खिलाफ है।

आगे उन्होंने कहा कि दूसरी बात यह कि भाजपा हमेशा से इस बोर्ड और वक्फ की संपत्तियों के खिलाफ रही है। उनका हिंदुत्व का एजेंडा है। अब अगर आप वक्फ बोर्ड की स्थापना और संरचना में बदलाव करना चाहते हैं, तो इससे प्रशासनिक स्तर पर अव्यवस्था होगी, वक्फ बोर्ड की ऑटोनॉमी खत्म होगी और अगर सरकार वक्फ बोर्ड पर अपना कंट्रोल बढ़ाती है तो वक्फ की स्वतंत्रता पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि अगर कोई विवादित संपत्ति है, तो ये लोग कहेंगे कि वह विवादित है और हम उसका सर्वे कराएंगे। यह सर्वे भाजपा के मुख्यमंत्री करेंगे और आप जानते ही हैं कि इसके नतीजे क्या होंगे। इस देश में ऐसी कई दरगाह हैं जिन्हें लेकर भाजपा-आरएसएस दावा करते हैं कि यह दरगार और मजार नहीं हैं। इस फैसले से न्यायपालिका की शक्ति छीनने की कोशिश की जा रही है।

नए बिल से वक्फ बोर्ड पर क्या प्रभाव पड़ेगा :

देश में रेलवे और सशस्त्र बल के बाद सबसे ज्यादा जमीन पर मालिकाना हक रखने वाली संस्था वक्फ बोर्ड है। संशोधनों के बाद किसी भी जमीन पर दावे से पहले उसका वेरिफिकेशन करना होगा। इससे बोर्ड की जवाबदेही बढ़ेगी और मनमानी पर रोक लगेगी। बोर्ड के पुनर्गठन से बोर्ड में सभी वर्गों समेत महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ेगी। मुस्लिम बुद्धिजीवी, महिलाएं और शिया और बोहरा जैसे समूह लंबे समय से मौजूदा कानूनों में बदलाव की मांग कर रहे हैं।

विवादों में रहे थे वक्फ बोर्ड के कुछ फैसले :

वक्फ बोर्ड से जुड़े नए बिल के पीछे सितंबर 2022 के एक मामले का तर्क दिया जा रहा है। इसमें तमिलनाडु वक्फ बोर्ड ने थिरुचेंदुर गांव को अपनी संपत्ति बताया था, जबकि इस गांव की ज्यादातर आबादी हिंदू है। वहीं पिछले साल मई में दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में उन 123 संपत्तियों के निरीक्षण की अनुमति दी थी।

>14

भारतीय नागरिकता छोड़ने वालों की संख्या बढ़ी

अमेरिका पहली पसंद, ऑस्ट्रेलिया-कनाडा सेकेंड चॉइस, सांसद राघव चड्ढा के सवाल पर विदेश मंत्रालय का जवाब

अमृतसर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। देश की नागरिकता छोड़ने वाले भारतीयों की संख्या बढ़ती जा रही है। इसकी जानकारी विदेश मंत्रालय ने खुद दी है। जिसमें उन्होंने नागरिकता छोड़ने के पीछे निजी कारण बताए हैं। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी पंजाब के सांसद राघव चड्ढा द्वारा राज्यसभा में सवाल पूछे जाने के बाद दी है।

विदेश मंत्रालय का कहना है कि 2019 में 1,44,017 भारतीयों ने नागरिकता छोड़ी। जबकि 2020 में 85256, 2021 में 1,63,370 और 2022 में 2,25,620 लोगों ने नागरिकता छोड़ने का फैसला किया। पिछले साल 2023 में 2 लाख 16 हजार लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ी थी।

विदेश मंत्रालय का कहना है कि सरकार ज्ञान अर्थव्यवस्था के युग में वैश्विक कार्यस्थल की क्षमता को पहचानती है। प्रवासी भारतीयों के साथ इसके जुड़ाव में भी एक परिवर्तनकारी बदलाव आया है। एक सफल, समृद्ध और प्रभावशाली प्रवासी भारत के लिए एक संपत्ति है। भारत को अपने प्रवासी नेटवर्क का दोहन करने और ऐसे समृद्ध प्रवासी लोगों से मिलने वाली सॉफ्ट पावर के उत्पादक उपयोग से बहुत कुछ हासिल करना है। सरकार के प्रयासों का उद्देश्य ज्ञान और विशेषज्ञता को साझा करने सहित प्रवासी लोगों की क्षमता का पूरा उपयोग करना भी है।

अधिकांश भारतीय नागरिकता छोड़कर अमेरिका जा रहे हैं। 2018 से 2023 के मध्य तक, भारत से 3,28,619 भारतीयों ने अमेरिकी नागरिकता ली।

बंगाल को मनरेगा कोष के लिए 'शून्य' पैसा दिया गया

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमएसी) सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने रविवार को दावा किया कि केंद्र सरकार ने आखिरकार इस बात को माना है कि उसने पश्चिम बंगाल को 100 दिन की ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत शून्य धन दिया है। ब्रायन ने इसके लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) पर सरकार द्वारा राज्यसभा में दिए गए एक सवाल के जवाब का हवाला दिया।

राज्यसभा सदस्य ओ ब्रायन ने 'एक्स' पर कहा, टीएमसी के लोकसभा सदस्य अभिषेक बनर्जी इस योजना पर श्वेत पत्र की मांग कर रहे हैं, ताकि यह साबित हो सके कि केंद्र ने 2021 के राज्य विधानसभा चुनावों में भाजपा की हार के बाद पश्चिम बंगाल को क्या भुगतान किया है।

ओ ब्रायन ने सरकार के 26 जुलाई के उस जवाब को एक्स पर

साझा किया, जिसमें मनरेगा के तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 100 दिनों का रोजगार पूरा करने वाले परिवारों की संख्या पर पिछले पांच वित्तीय वर्षों के आंकड़े दिए गए थे। उन्होंने लिखा, आखिरकार! मोदी सरकार ने संसद में माना है कि बंगाल को मनरेगा कोष के लिए शून्य धन दिया गया है।

संसद के ऊपरी सदन में केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान की ओर से दिए गए लिखित जवाब के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में 2023-24 में 100 दिनों का रोजगार पूरा करने वाले परिवारों की संख्या शून्य थी। 2022-23 में योजना के तहत राज्य में 1,618 परिवारों को 100 दिनों का काम मिला। जबकि 2021-22 में यह 4,71,136 था। मंत्रालय ने कहा कि 2020-21 में कोरोना की पहली लहर के दौरान यह आंकड़ा 6,78,633 और 2019-20 में यह 3,65,683 था।

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधिकारियों ने पहले कहा था कि मनरेगा के तहत पश्चिम बंगाल को 9 मार्च, 2022 को केंद्र सरकार के निर्देशों का पालन न करने के कारण धनराशि को जारी करने से रोक दिया गया था। उन्होंने कहा था कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), 2005 की धारा 27 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की गई। कुल मिलाकर देश में 2023-24 में करीब 44,99,343 परिवारों को मनरेगा के तहत 100 दिनों का रोजगार मिला।

बांग्लादेश में फिर भड़की हिंसा, 72 की मौत

पूरे देश में कर्फ्यू, इंटरनेट बंद, प्रदर्शनकारियों ने पीएम हसीना का इस्तीफा मांगा

ढाका, 4 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश में एक बार फिर से हिंसा का दौर शुरू हो गया है। इस बार हजारों प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग को लेकर सड़क पर उतर आए हैं। रविवार (4 अगस्त) को प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच कई जगहों पर हिंसक झड़प हुई। बांग्लादेशी अखबार के मुताबिक अब तक 72 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में 14 पुलिस वाले भी शामिल हैं। वहीं अब तक गोली लगने से घायल हुए 40 से अधिक लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सरकार ने हिंसा पर काबू करने के लिए देशभर में कर्फ्यू लगा दिया है। साथ ही अगले 3 दिनों के लिए छुट्टी की घोषणा कर दी गई है। इसके अलावा राजधानी

ढाका में दुकानों और बैंकों को बंद करने के आदेश भी दिए गए हैं।

पुलिस की तरफ से भीड़ को हटाने के लिए आंसू गैस और स्मोक ग्रेनेड का इस्तेमाल किया गया। हिंसा को काबू करने के लिए सरकार ने इंटरनेट बंद कर दिया है। साथ ही फेसबुक, वॉट्सऐप, इंस्टाग्राम और एक्स जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी रोक लगा दी है। शेख हसीना इसी साल जनवरी में लगातार चौथी बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनी हैं। हालांकि इस चुनाव का प्रमुख दल विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने बहिष्कार किया था। बीएनपी निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे की मांग कर रही थी। चुनाव नतीजे आने के बाद देशभर में हिंसा और प्रदर्शन शुरू हो गए थे।

काम पर जा रहे 2 मजदूरों की गोली लगने से मौत :

बांग्लादेश के मुंसीगंज में पुलिस, सत्ताधारी और विपक्षी पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच हुई तीन तरफा झड़प में 2 मजदूरों की मौत हो गई। मुंसीगंज जिला अस्पताल के मुताबिक, मजदूरों की मौत गोली लगने से हुई। घटना पर पुलिस ने सफाई देते हुए कहा कि हमारी तरफ से कोई गोली नहीं चलाई गई। इस झड़प में 30 लोग घायल भी हुए है।

सत्ताधारी अवामी लीग के कार्यकर्ताओं और प्रदर्शनकारियों के बीच पूर्वोत्तर जिले पाबना में झड़प हुई। इस झड़प में भी 3 लोगों की मौत हुई है वहीं, 50 से अधिक लोग घायल हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने राजधानी ढाका में बंगबंधु शेख मुजीब मेडिकल कॉलेज पर हमला कर दिया। हमले के दौरान प्रदर्शनकारियों ने अस्पताल के अंदर तोड़फोड़ की।

भारतीय उच्चायोग ने चेतावनी जारी की :

बांग्लादेश में रह रहे भारतीयों और छात्रों के लिए भारतीय उच्चायोग ने एडवाइजरी जारी की है। उच्चायोग की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए भारतीयों से सावधानी बरतने के लिए कहा गया है। साथ ही उच्चायोग ने किसी भी प्रकार की सहायता या आपातकालीन स्थिति में मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर +88-01313076402 जारी किया है।

अयोध्या रेप केस

आरोपी सपा नेता पर भोजपुरी सिंगर नेहा सिंह राठौर बोलीं- 'नपुंसक बना दिया जाना चाहिए'

अयोध्या 4 अगस्त (एजेंसियां)। अयोध्या के भदरसा में हुए दुष्कर्म के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का एक्शन जारी है। शनिवार दोपहर मामले में मुख्य आरोपी मोइन खान के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चला, तो शाम होते ही मुख्यमंत्री की तरफ से पीड़िता को पांच लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। वहीं अब भोजपुरी सिंगर नेहा सिंह राठौर की प्रतिक्रिया आई है। भोजपुरी सिंगर ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा, 'बलात्कार के अपराधियों को नपुंसक बना दिया जाना चाहिए। फिर वो चाहे मोइन खान हो या प्रज्ज्वल रेवन्ना।

इस समस्या का यही समाधान है।' वहीं शनिवार को स्थानीय विधायक अमित सिंह चौहान ने पीड़िता के घर पहुंच कर परिजनों को पांच लाख रुपये का चेक सौंपा। इस दौरान जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह और एसएसपी राजकरन नैय्यर भी मौजूद रहे।

क्या बिहार सीएम नीतीश कुमार की जान को खतरा है?

मुख्यमंत्री कार्यालय को बम से उड़ाने की मिली धमकी

पटना, 4 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यालय (सीएमओ) को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पटना में स्थित सीएमओ दफ्तर को बम से उड़ाने की धमकी एक ईमेल जरिए आई है। जिसके बाद बिहार पुलिस ने इसको लेकर केस दर्ज किया है। अधिकारियों ने रविवार को इस बात की जानकारी दी है। 16 जुलाई 2024 को सीएमओ को एक अज्ञात अकाउंट से एक ईमेल मिला था, जिसमें दावा किया गया कि वह अल-कायदा से जुड़ा हुआ है। ईमेल भेजने वाले ने धमकी दी कि सीएमओ परिसर को बम से उड़ा दिया जाएगा और कहा कि बिहार की विशेष पुलिस भी इसे रोक नहीं सकती। इसे हल्के में लेने की कोशिश न करें। ये मेल

लकायदा ग्रुप के नाम से भेजा गया था।

पटना पुलिस ने पूरे मामले पर क्या कहा?

धमकी भरे ईमेल के बाद पुलिस और आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने जांच शुरू कर दी है। इसके बाद 2 अगस्त को स्टेशन हाउस ऑफिसर संजीव कुमार के बयान के आधार पर सचिवालय पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 351 (4) और (3) के साथ-साथ आईटी एक्ट की धारा 66 (एफ) के तहत अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि हम इस मामले की आगे जांच कर रहे हैं। पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा ने पीटीआई-भाषा को बताया, यह एक पुराना मामला है। हमने जांच के बाद दो अगस्त 2024 को प्राथमिकी दर्ज की है।

किसने और क्यों भेजा धमकी भरा ईमेल?

बिहार एटीएस और पुलिस की टीमें अब ये पता लगा रही है कि आखिर ये धमकी भरा ईमेल किसने भेजा था। ये भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आखिर ईमेल भेजने का मकसद क्या था। क्या वाकई अलकायदा ग्रुप की ओर से ये ईमेल भेजा गया है या फिर किसी बदमाशों की ये हरकत है। बता दें कि फिलहाल बिहार के सीएम नीतीश कुमार की सुरक्षा में कोई कमी नहीं है। नाहि उनकी जान को कोई खतरा है। हालांकि ऐसे सीएम नीतीश और सीएम योगी जैसे नेताओं के लिए इस तरह के धमकी भरे ईमेल आते हैं।

कोर्ट में केंद्र सरकार ने कहा

प्रयागराज में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की मंजूरी नहीं

प्रयागराज, 4 अगस्त (एजेंसियां)। संगमनगरी में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का सपना संजोये लोगों के लिए यह खबर निराश करने वाली है। केंद्र सरकार ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में जानकारी दी है कि प्रयागराज में एम्स की मंजूरी नहीं है। हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार की इस जानकारी को असंतोषजनक माना है और उपलब्ध सुविधाओं की पूरी जानकारी देने के लिए कहा है।

प्रकरण में अगली सुनवाई अब 18 सितंबर को होगी। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली तथा न्यायमूर्ति विकास बुधवार की खंडपीठ ने सहज सारथी फाउंडेशन व अन्य की जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। याचिका पर अधिवक्ता सत्येन्द्र चंद्र त्रिपाठी ने बहस की। इनका कहना है कि प्रयागराज में मेडिकल सुविधाओं की किल्लत है। केंद्र सरकार को एम्स की स्थापना करने का निर्देश दिया जाए। इस पर कोर्ट ने केंद्र सरकार से जानकारी मांगी थी।

प्रयागराज में एम्स जैसे चिकित्सा संस्थान की मांग समय समय पर जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ अधिवक्ता भी करते रहे हैं।

अयोध्या रेप केसः बुरे फंसे अखिलेश यादव

अब पुराने सहयोगी बोले- 'कार्रवाई पर भरोसा नहीं तो उन्हें खुद इस विषय पर जांच कर लेनी चाहिए।

लखनऊ, 4 अगस्त (एजेंसियां)। अयोध्या में 12 साल की बच्ची से रेप केस में समाजवादी पार्टी नेता का नाम सामने आने के बाद अब विपक्षी दल जुबानी हमले बोल रहे हैं। इस मामले में बीजेपी और बीएसपी के साथ सुभासपा और निषाद पार्टी भी अखिलेश यादव को सीधे तौर पर निशाना बना रही है। हर नेता अखिलेश यादव पर जुबानी हमले कर रहा है। अब मंत्री ओम प्रकाश राजभर का बयान आया है। ओमप्रकाश राजभर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के ट्वीट पर कहा, लोग समाजवादी पार्टी की सरकार को गुंडों की सरकार कहते थे, आज लोग एनडीए सरकार को बुलडोजर सरकार कहते हैं, इस सरकार से अपराधी डरते हैं। समाजवादी पार्टी की सरकार में अपराधी खुले बैल की तरह घूमते थे, अपराधियों को संरक्षण मिलता था। अगर (अखिलेश यादव) उन्हें सरकार की कार्रवाई पर भरोसा नहीं है, तो उन्हें खुद इस विषय पर जांच कर लेनी चाहिए।

आरोपी मुसलमान तो ये चुप क्यों- गिरिराज सिंह

अयोध्या बलात्कार मामले पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, राहुल गांधी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव और 'टुकड़े टुकड़े' गैंग के अन्य सभी नेता इस मामले पर चुप हैं क्योंकि आरोपी एक मुसलमान है। जब सनातन के खिलाफ बोलने का अवसर आता है, तो वे सभी एकजुट होकर इसके खिलाफ बोलते हैं। वहीं बीएसपी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने सपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि ये पार्टी मुजरिमों को बचाने की साजिश कर रही है। आगे उन्होंने एनडीए जांच पर पूछा कि सपा सरकार ने अपने काल में कितने एनडीए टेस्ट करवाए थे? जबकि दूसरी ओर बीजेपी पहले से जुबानी हमले बोल रही है। बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज ने सपा को नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि घिनौना काम करने वाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। अयोध्या में महज 12 साल की बच्ची के साथ जो हैवानियत हुई है वह शर्मसार कर देने वाली है। ऊपर से सपा जिस तरह से बयानबाजी कर रही है वह बेहद ही शर्मसार है।

आरटीओ अफसर से ट्रक छीन ले गया रेत माफिया ड्राइवर ने कुचलकर मारने की कोशिश की

जालौन, 4 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जालौन में खनन माफियाओं की दबंगई अब आरटीओ अधिकारियों पर भी भारी पड़ रही है। यहां खनन माफिया वाहन चेकिंग अभियान के दौरान पकड़े गए ट्रक को जबरन छुड़ा ले गए। इस दौरान एआरटीओ और हमराहियों पर ट्रक चढ़ाकर कुचलने का प्रयास किया गया। एआरटीओ राजेश कुमार वर्मा ने पुलिस को लिखित तहरीर दी है। पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

घटना जालौन जिले के बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे की है। कुठौंद थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर शनिवार शाम को एआरटीओ प्रवर्तन राजेश वर्मा अपने हमराहियों के साथ बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे पर चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें मोरंग से लदा ओवरलोड ट्रक आता हुआ दिखाई दिया। प्रवर्तन दल ने ट्रक को रुकवाया तो ड्राइवर और कंडक्टर मौके से भाग गए।

इसके बाद एआरटीओ के सिपाही खुद ही ट्रक को चलाकर कुठौंद थाने ले जाने लगे तो थोड़ी देर बाद ट्रक मालिक रोहित यादव ने जीपीएस से गाड़ी को लॉक कर दिया। ट्रक लॉक करने के बाद मालिक अपने चालक के साथ मौके पर पहुंचा हुआ और एआरटीओ के सामने ही जबरन गाड़ी को अपने साथ ले जाने लगा। सिपाही ने रोकने की कोशिश की तो ट्रक चालक ने सिपाही जितेंद्र कुमार के ऊपर ट्रक चढ़ाने का प्रयास किया और इसके बाद वह ट्रक को लेकर औरैया की तरफ भाग गया।

विधानसभा उपचुनाव की तैयारी में बसपा, 11 अगस्त को मायावती करेंगी रणनीति का खुलासा

लखनऊ, 4 अगस्त (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती इन दिनों जोनवार पदाधिकारियों से फीडबैक ले रही हैं। इसके बाद वह 11 अगस्त को प्रदेश पदाधिकारी, मुख्य जोन इंचार्ज और जिलाध्यक्षों के साथ बैठक करेंगी। इसमें विधानसभा उप चुनाव की तैयारियों पर मंथन करने के साथ ही रणनीति का खुलासा करेंगी। इसके साथ ही उप चुनाव वाली सीटों के लिए प्रभारी बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। बसपा सुप्रीमो ने जोनल इंचार्जों से विधानसभा सीटों पर होने वाले उप चुनाव के लिए उम्मीदवारों का पैनल मांगा था।

सीटवार उम्मीदवारों का पैनल बसपा मुख्यालय में जमा कर दिया गया है। आपको बता दें कि फूलपुर विधानसभा सीट का प्रभारी शिवबरन पासी को बनाया गया है। उत्तर प्रदेश के मिल्कीपुर, करहल, सीसामऊ, कुंदरकी, गाजियाबाद, फूलपुर, मझवां, कटेहरी, खैर और मीरापुर सीट पर विधानसभा उपचुनाव होना है। मायावती ने विधानसभा उप चुनाव से पहले बूथ वार कमेटियों का गठन करने का निर्देश भी दिया है। 11 अगस्त को मायावती बैठक में उपचुनाव के लिए दिशा-निर्देश देंगी। इस बैठक में उनके साथ भतीजे आकाश आनंद के साथ भाई आनंद कुमार मौजूद रहेंगे।

जसरा में 60 बीघे जमीन पर बनेगा एसएसएफ का बेस, जमीन देने पर लगी मुहर

प्रयागराज, 4 अगस्त (एजेंसियां)। जसरा ब्लाक के देवरिया गांव में यमुना तीरे उप्र विशेष सुरक्षा बल (एसएसएफ) की बटालियन का बेस स्थापित किया जाएगा। इसके लिए ग्राम पंचायत ने लगभग 40 तथा जिला प्रशासन ने 20 बीघे पठारी जमीन दे दी है। लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत से यहां यूपीएसएसएफ की लाइन बनेगी। साथ ही भर्ती और प्रशिक्षण केंद्र भी स्थापित होगा। बड़ा मैदान बनाए जाने के अतिरिक्त आवासीय कालोनी भी विकसित की जाएगी। देवरिया ग्राम पंचायत की खुली बैठक में 40 बीघे जमीन इस बल के लिए देने का प्रस्ताव पारित कर दिया गया है। इस जमीन के पास ही लगभग 20 बीघा पठारी जमीन भी जिला प्रशासन ने एसएसएफ बटालियन को दी है। बटालियन के बेस कैंप के लिए एयरपोर्ट के पास लगभग पांच बीघा जमीन दी जा रही है। यहां शहर में फोर्स की ड्यूटी आदि के लिए भवन व कार्यालय बनेगा। बटालियन की स्थापना की दिशा में कमांडेंट प्रताप भूपेंद्र और डिप्टी कमांडेंट सुरेश चंद्र रावत प्रयासरत रहे हैं। एसएसएफ इंस्पेक्टर केसी राय ने बताया कि यहां कमांडेंट, डिप्टी कमांडेंट के साथ ही कई असिस्टेंट कमांडेंट, क्वार्टर मास्टर, आरआइ समेत कई अधिकारी तैनात होंगे। प्रशासनिक भवन, मैदान, शस्त्रागार भी बनेगा। प्रधान महंत राजीव गिरि की अध्यक्षता में हुई बैठक में ग्राम सभा की जमीन देने का प्रस्ताव को हरी झंडी मिल गई। मुख्य राजस्व अधिकारी कुंवर पंकज ने कहा कि यूपीएसएसएफ की बटालियन की स्थापना के लिए घूरपुर के पास देवरिया गांव में तथा बेस कैंप के लिए बमरौली एयरपोर्ट के पास जमीन मिल गई है।

बिहार के कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी, येलो अलर्ट

पटना, 4 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में इन दिनों मौसम पूरी तरह सक्रिय है, राज्य के तमाम जिलों में हल्की और मध्यम बारिश हो रही है। बीते 48 घंटों में तेज हवा और बारिश के बाद गर्मी से काफी राहत मिली है। हालांकि तेज बारिश के बाद कई नदियों का जलस्तर भी बढ़ गया है। मौसम विभाग ने भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों के बिहार के अररिया किशनगंज, पूर्णिया, कैमूर, बक्सर और रोहतास में समेत कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। इसे लेकर मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट भी जारी कर दिया है। बारिश के साथ वज्रपात की भी संभावना है। इसके अलावा अरवल, भोजपुर, औरंगाबाद, सुपौल, मधेपुरा कटिहार और सहरसा में एक-दो जगहों पर तेज बारिश की संभानवा को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही मौसम विभाग के अनुसार कोसी, महानंदा, पुनपुन और सोन नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी होने की संभावना है और बाढ़ का खतरा मंडरा सकता है।

विभाग ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर

विभाग ने अगले पांच दिनों तक बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी किया है। विभाग ने अलर्ट जारी करते हुए लोगों से अपील की है कि बेवजह बाहर ना निकलें। वर्षा के समय घर के अंदर ही रहें। बाहर हों तो किसी पक्के मकान की शरण लें। मवेशियों और फसल को भी सुरक्षित स्थानों पर रखने की सलाह दी गई है। बिहार आपदा प्रबंधन विभाग ने लोगों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर 0612/2294204/205 और टोल फ्री नंबर 1070 जारी किया है। इस नंबर पर कॉल करके मौसम विभाग से बाढ़ और बारिश से जुड़ी जानकारी ली जा सकती हैं।

तापमान में भारी आई गिरावट

तेज हवा और बारिश के कारण राज्य के तमाम जिलों के तापमान में भी गिरावट देखने को मिली है। बीते 24 घंटे में सबसे अधिक तापमान बाल्मीकिनगर में 33.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान मोतिहारी का 22.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अगले पांच दिनों तक राज्य के तमाम जिलों में अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 से 30 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

स्कूल में दौड़ा करंट, दो दर्जन बच्चे और शिक्षक चपेट में आए; 6 विद्यार्थी अस्पताल में भर्ती

खगड़िया, 4 अगस्त (एजेंसियां)। खगड़िया के गोगरी प्रखंड अंतर्गत इटहरी पंचायत स्थित मध्य विद्यालय कटघरा में एकाएक करंट दौड़ पड़ा। इसकी चपेट में लगभग दो दर्जन बच्चे और दो शिक्षिका मंजरी मिश्रा व सिंकू कुमारी आ गए। विद्यालय में अफरातफरी मच गई। तत्काल शिक्षक अब्दुल्ला ने विद्यालय के मेन स्विच से लाइन काटी। इसके बाद स्थिति सामान्य हुई। सूचना पर इटहरी पंचायत के पंसस सह गोगरी उपप्रमुख अशोक पंत और बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। आनन-फानन में छह बच्चों को गोगरी अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया। जहां मौजूद चिकित्सक डा। आयुष कुमार ने सभी का इलाज किया। बच्चे अभी इलाजरत हैं। डा। आयुष कुमार ने कहा कि करंट लगने से प्रभावित छह बच्चों का इलाज किया गया है। सभी खतरे से बाहर हैं। वेट एंड वॉच में रखा गया है। अनुमंडलीय अस्पताल में वर्ग छह के पियुष पटेल, जानसन कुमार, सोनाक्षी कुमारी, वर्ग सात के आयुष कुमार, वर्ग पांच की स्वीटी कुमारी और वर्ग तीन की रिया कुमारी को भर्ती कराया गया है। गोगरी उपप्रमुख अशोक पंत ने कहा कि अन्य बच्चों का गांव में ही ग्रामीण चिकित्सकों ने इलाज किया है। सभी सुरक्षित हैं।

नीतीश अब बूढ़े हो गए हैं

माफिया और अधिकारी चला रहे सरकार', बोले पप्पू यादव

बेगूसराय, 4 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्णिया से निर्दलीय लोकसभा चुनाव जीतनेवाले पप्पू यादव ने बिहार की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए नीतीश कुमार को बूढ़ा करार दिया और कहा कि राज्य में अपराध पर लगाम कसने की जरूरत है। उन्होंने बेगूसराय में कहा कि नीतीश कुमार अब बूढ़े हो गए हैं। बिहार में माफिया और अधिकारी सरकार चला रहें हैं, इसलिए बिहार की यह स्थिति है।

खाकी का खौफ खत्म

शाम पटना से कटिहार जाने के दौरान बेगूसराय के पावर हाउस चौक पर पप्पू यादव का कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से कहा," नीतीश कुमार बुजुर्ग हो गए हैं, उम्रदराज हो गए हैं। बिहार सरकार को माफिया और अधिकारी चला रहे हैं, तो उसमें हम क्या करें। हम तो रोज कह रहे हैं कि अपराध को खत्म करने की जरूरत है। खाकी का खौफ खत्म हो चुका है।'

पुलिस प्रशासन नाम की कोई चीज बिहार में नहीं

पप्पू यादव ने आगे कहा, 'पुलिस प्रशासन नाम की कोई चीज बिहार में नहीं बची है। पूरा बिहार अपराधी और माफिया के भरोसे है। पप्पू यादव ने भ्रष्ट अधिकारियों को वीडियो बनाने पर बनाने वाले का नाम गुप्त रखने और उस व्यक्ति को 25 हजार रुपए का इनाम देने की घोषणा की।'

ईडी को लेकर राहुल ने सही कहा

उन्होंने राहुल गांधी के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि जो सत्ता में हैं, वे ईडी का उपयोग सही के लिए नहीं, बल्कि विपक्ष को परेशान करने के लिए करता है। राहुल गांधी ने इस संबंध में पूरी गंभीरता के साथ जो कहा है, वह सही कहा है।" बेगूसराय में कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य मदन मोहन झा ने भी बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए कहा कि बिहार में हर रोज हत्या, लूट और बलात्कार की घटना हो रही है, लेकिन पुलिस प्रशासन इसे रोकने में विफल है। मदन मोहन झा बेगूसराय के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे थे और वहां लॉ कालेज के कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

नेपाल से दिल्ली भेजी जा रही 10 करोड़ की चरस बरामद, 2 अंतरराष्ट्रीय तस्कर गिरफ्तार

गोपालगंज, 4 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में गोपालगंज पुलिस के हाथ बड़ी कामयाबी लगी है। पुलिस ने जिले के कुचायकोट थाना क्षेत्र से नेपाल से दिल्ली भेजी जा रही 71 किलोग्राम चरस बरामद की है। इसके साथ ही दो अंतरराष्ट्रीय तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बताया बलथरी चेकपोस्ट पर एक स्विफ्ट डिजायर कार को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार में तहखाना बनाकर 139 पैकेट में रखी गई 71 किलोग्राम चरस बरामद की गई है। बरामद चरस की कीमत 10 करोड़ रुपए है। बरामद चरस नेपाल से दिल्ली ले जाई रही थी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मौके से दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान पूर्वी चंपारण जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पतौरा निवासी सुदीश कुमार और पताही थाना क्षेत्र के परसौनी निवासी मंदीप कुमार के रूप में की गई है। पुलिस ने गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ शुरू कर दी है

भीड़ नियंत्रण व सुरक्षा के लिए बन रहा ज्ञानवापी का नया गेट, सावन बाद होगी बैठक

वाराणसी, 4 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम परिसर में ज्ञानवापी के पास लगाया जा रहा नया गेट मंदिर में दिनों दिन बढ़ते श्रद्धालुओं की संख्या को नियंत्रित करने व संदिग्धों को रोकने की पहल है। यह निर्णय मंदिर प्रशासन की सुरक्षा समिति की बैठक में लिया गया था। सुरक्षा समिति के निर्णय को प्रभावी कराना पुलिस प्रशासन की जिम्मेदारी है। मंदिर प्रशासन का कहना है कि किसी को रोकने व किसी को आहत करने के लिए यह कदम नहीं उठाया गया है। इसे लेकर भ्रांतियां हैं। अफवाहें अनावश्यक फैलाई जा रही हैं। मंदिर व ज्ञानवापी की सुरक्षा सबसे अहम है और संदिग्धों की रोकथाम के लिए सुरक्षा व्यवस्था में नित नए बदलाव भी हो रहे हैं। विवाद के बाद गेट लगाया जाएगा या नहीं, यह सुरक्षा समिति को तय करना है। दूसरी तरफ गेट बनाने के लिए लगाए गए फ्रेम को नहीं हटाने से मस्जिद पक्ष आशंकित है। उनका एक ही सवाल है कि सुरक्षा का अचानक ऐसा कौन सा सवाल पैदा हो गया जो नया गेट लगाने की जरूरत आ पड़ी। इसके जवाब में प्रशासन का एक ही जवाब है कि यह सुरक्षा समिति की संस्तुति है। गेट संख्या चार वह एकमात्र रास्ता है, जिससे नमाजी ज्ञानवापी में जुमे की नमाज पढ़ने जाते हैं। शहर-ए-मुफ्ती, इमाम-ए-जुमा ज्ञानवापी मौलाना अब्दुल बातिन नोमानी कहते हैं कि अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद से बातचीत किए बिना प्रशासन आनन-फानन जिस तरह गेट लगा रहा था, उससे आशंकाएं पैदा हो रही हैं। अदालत का फैसला है कि पूरे परिसर में कोई भी नवनिर्माण या नया काम बिना अंजुमन इंतेजामिया की सहमति के नहीं किया जाएगा। मस्जिद पक्ष को गेट के डिजाइन पर भी आपत्ति है। नोमानी कहते है कि गेट का जो फ्रेम लगाया गया है, उस पर देवी-देवताओं की मूर्तियां, स्वास्तिक आदि बने हैं। इसे देखकर लगता है यह मंदिर का गेट है। गेट का डिजाइन दोनों पक्षों की संस्कृति को दर्शाने वाला होना चाहिए था। कहा कि फ्रेम जब तक हटाया नहीं जाएगा, विरोध जारी रहेगा। डीसीपी सुरक्षा सूर्यकांत त्रिपाठी कहते हैं कि गेट लगाने का यह निर्णय विश्वनाथ मंदिर की सुरक्षा समिति का है। मस्जिद पक्ष के लोगों की आशंका को दूर करने के लिए बात हो गई है। सावन के बाद इस पर सर्वसम्मति से सहमति बना ली जाएगी। कमिश्नर कौशल राज शर्मा ने बताया कि गेट को सुरक्षा की दृष्टि से लगाया जा रहा है। इसका अनुमोदन सुरक्षा समिति ने किया है। इससे मंदिर-मस्जिद की सुरक्षा में और आसानी होगी।

क्या ऐसे भी आती है मौत? उछलकर दूसरी सड़क पर पहुंची कार, मारे गए 7 लोग

इटावा, 4 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में आज लखनऊ आगरा एक्सप्रेस-वे पर भीषण सड़क हादसा हुआ। इटावा शहर के थाना ऊसराहार क्षेत्र के दायरे में पड़ने वाले एक्सप्रेस-वे पर चैनल नंबर 129 के एक कार और बस की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस हाईवे की रोड से उतरकर 20 फीट नीचे सड़क पर गिर गई और बुरी तरह पिचक गई। वहीं कार उछलकर दूर जा गिरी। टक्कर लगते ही दोनों वाहनों में सवार लोगों में चीख पुकार मच गई। राहगीरों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। हादसे में 7 लोगों की मौत हुई है और करीब 50 लोग घायल बताए जा रहे हैं। वहीं पुलिस जांच के अनुसार, हादसा कार ड्राइवर की गलती से हुआ। पुलिस जांच के अनुसार, नागालैंड नंबर से रजिस्टर्ड डबल डेकर स्लीपर बस रायबरेली से दिल्ली की ओर जा रही थी। कार आगरा से लखनऊ जा रही थी कि चैनल नंबर 129 के पास कार ड्राइवर को नींद की झपकी लगी और स्पीड भी काफी तेज दी। झपकी लगने से ड्राइवर को जोरदार झटका लगने से बैलेंस बिगड़ गया। फिर कार सड़क पर बने लोहे के डिवाइडर को तोड़कर दूसरी सड़क पर आ गई और विपरीत साइड से आ रही स्लीपर बस से भिड़ गई।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 5 अगस्त, 2024 5

युविचार

जीवन विकल्पों से भरा है, और हमें तुरंत निर्णय लेना चाहिए।

कांग्रेस रियल एस्टेट कारोबार में लिप्त

बंडी ने श्वेत पत्र की मांग की

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने आज आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार की 'चौथा शहर' स्थापना योजना के पीछे बड़े पैमाने पर जमीन हड़पने का कार्यक्रम है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि महेश्वरम विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस नेताओं ने घोटाला करने के लिए हजारों एकड़ जमीन पहले ही हासिल कर ली थी। उन्होंने आरोप लगाया, वे रियल एस्टेट घोटाले में लिप्त होकर हजारों करोड़ की संपत्ति इकट्ठा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने दावा किया कि धरणी पोर्टल के नाम पर 2 लाख करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है। धरणी को देश का सबसे बड़ा घोटाला बताते हुए बंडी संजय ने कहा कि कांग्रेस नेता भी बीआरएस पार्टी की राह पर चलने और हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति लूटने की योजना बना रहे हैं। बंडी संजय कुमार रविवार को महेश्वरम निर्वाचन क्षेत्र के गुर्रमगुडा में आयोजित बोनाला समारोह में शामिल हुए। उन्होंने चेवेल्ला के सांसद विश्वेश्वर रेड्डी, भाजपा के राज्य उपाध्यक्ष गंगिडी मनोहर रेड्डी, जिला अध्यक्ष बोक्का नरसिम्हा रेड्डी, राज्य प्रवक्ता जे संगप्पा और राज्य नेता अंडेला श्रीरामुलु यादव के साथ मीडिया से बात की। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने सभी लोगों को बोनालु उत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बोनालु उत्सव के पीछे एक लंबा इतिहास है। बोनम उत्सव का एक वैज्ञानिक कारण भी है। लेकिन सरकार इतने बड़े उत्सव को फंड नहीं देगी। धर्मनिरपेक्षता के नाम पर कांग्रेस सरकार एक धर्म पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। यह शर्मनाक है कि रमजान त्योहार मनाने के लिए 33 करोड़ रुपये और हिंदुओं को मारने वाले तब्लीगी जमात की बैठक के लिए 2.40 करोड़ रुपये जारी करने वाली कांग्रेस दावा कर रही थी कि यह एक बड़ा फैसला था। बीआरएस की तरह कांग्रेस भी एमआईएम का भोंपू है। कांग्रेस का भी वही हश्र होगा जो बीआरएस पार्टी का हुआ है। अगर एआईएमआईएम पर भरोसा किया जाए तो कांग्रेस नेताओं का डूबना तय है। यह शर्मनाक है कि कांग्रेस नेताओं ने प्रस्ताव दिया है कि वे अकबरुद्दीन ओवैसी को कोडंगल विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ाएंगे। हमें केंद्र के साथ समन्वय में काम करना होगा।

हम तेलंगाना के विकास में पूरा सहयोग करेंगे। आइए मिलकर काम करें और फंड लाएं। उन्होंने कहा कि यह भी याद रखना चाहिए कि प्रधानमंत्री को इसी तरह से डांटना नुकसानदेह है, लाभ नहीं। संजय ने दावा किया कि महेश्वरम को चौथा शहर बनाने की सरकार की घोषणा के पीछे बड़ा भूमि घोटाला चल रहा है। फसल ऋण माफी योजना पर उन्होंने दावा किया कि अब तक केवल 18 लाख किसानों को ऋण माफी का लाभ दिया गया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के कार्यकाल में एक लाख रुपये से कम ऋण लेने वाले किसानों की संख्या 36 लाख थी। यह विडंबना है कि 1.5 लाख रुपये से कम ऋण माफी योजना के लाभार्थियों की संख्या 18 लाख को पार नहीं कर पाई है। इसका मतलब है कि 100 में से 70 किसानों का ऋण अभी तक माफ नहीं हुआ है। बैंकों में ब्याज दरें बढ़ गई हैं और किसान अपने बाहरी ऋणों को चुकाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। किसान अपनी पूंजी के लिए एक पैसा पाने के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता ऋण माफी योजना सहित अपनी छह गारंटियों को लागू करने से बचने के लिए नए मुद्दे लाने और लोगों का ध्यान भटकाने के आदी हो गए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार आगामी स्थानीय निकाय चुनाव जीतने के लिए ऋण माफी योजना के नाम पर नाटक कर रही है और किसानों को कुछ नहीं हुआ है। ऋण माफी योजना सहित छह गारंटियों के कार्यान्वयन के मुद्दे पर कांग्रेस सरकार को छोड़ने का कोई सवाल ही नहीं है। किशन रेड्डी के नेतृत्व में भाजपा किसानों सहित सभी वर्गों के लोगों के साथ लड़ाई के लिए कमर कस रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा धरणी पोर्टल का नाम बदलकर भू माता किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता भू माता पोर्टल का इस्तेमाल धरती की कटाई के लिए करने की तैयारी कर रहे हैं। बीआरएस शासन के दौरान धरणी पोर्टल के नाम पर देश का सबसे बड़ा घोटाला किया गया था। 2014 में, जब तेलंगाना का गठन हुआ, तो राज्य में 24 लाख आवंटित भूमि थी, लेकिन आज वे जमीनें घटकर पांच लाख कैसे हो गई हैं? धरणी के नाम पर बीआरएस नेताओं ने आवंटित भूमि, सिखम भूमि, देवदया, जंगल और भूदान भूमि के साथ-साथ गरीबों की जमीनें हड़प ली हैं। कांग्रेस के नेता, जिन्होंने चुनाव से पहले कहा था कि केसीआर के परिवार के सदस्यों ने बड़े पैमाने पर धरणी को लूटा है, मामले की जांच क्यों नहीं कर रहे हैं? सत्ता में आने के बाद धरनी पर पांच सदस्यीय समिति की रिपोर्ट क्या थी? यह पता क्यों नहीं लगाया जा रहा है कि धरनी के नाम पर लूट करने वाले अपराधी कौन हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं के व्यवहार को देखते हुए, ऐसा नहीं लगता कि भविष्य में एक गज जमीन भी बचेगी।

केटीआर ने सीएम के प्रतिनिधिमंडल को अमेरिका में सफलता की शुभकामनाएं दीं

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने आज सीएम रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना प्रतिनिधिमंडल को निवेश आकर्षित करने के लिए अमेरिका और दक्षिण कोरिया की यात्रा पर बधाई दी। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और राज्य के उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू को निवेश आकर्षित करने में सफलता की कामना की। पिछले 10 वर्षों में, बीआरएस सरकार के तहत कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां वैश्विक दिग्गजों को हैदराबाद लाने में सक्षम रही हैं और तेलंगाना इन कंपनियों के साथ एक विशेष संबंध स्थापित करने में सक्षम रहा है। हम तेलंगाना में पहले से ही काम कर रही कई प्रमुख कंपनियों के साथ राज्य में मजबूत व्यापारिक संबंध बनाने में सक्षम रहे है। उन्होंने यह भी कहा कि तेलंगाना राज्य में उत्कृष्ट व्यावसायिक प्रथाओं और टीएस आईपास जैसी अनुमोदन प्रक्रिया के कारण तेलंगाना में पहले से ही काम कर रही कंपनियां अपनी विस्तार योजना में भी तेलंगाना राज्य को प्राथमिकता दे रही हैं। उन्होंने कहा, पिछले 10 वर्षों में पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर के नेतृत्व में हम क्रांतिकारी नीतिगत निर्णयों और बुनियादी ढांचे के निर्माण के माध्यम से निवेश आकर्षित करने में तेलंगाना को एक विशेष स्थान दिलाने में सक्षम रहे हैं। पिछले 10 वर्षों में हम तेलंगाना राज्य में 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश लाने और निजी क्षेत्र में 24 लाख रोजगार के अवसर पैदा करने में सक्षम रहे हैं। मुख्यमंत्री के प्रतिनिधिमंडल द्वारा एक बार फिर ऐसी कंपनियों के साथ बातचीत करने के साथ, केटीआर ने उम्मीद जताई कि तेलंगाना में और अधिक निवेश आएगा। यह कहते हुए कि राजनीति से परे उनकी पार्टी के लिए केवल तेलंगाना ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी, केटीआर ने वर्तमान सरकार से एक दशक में बनाए गए मजबूत निवेश आधार पर अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने की अपील की।

फ्लाईओवर से गिरकर दो युवकों की मौत

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार तड़के गच्चीबोवली रोड पर कोत्तागुडा फ्लाईओवर से नीचे गिरकर बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। दुर्घटना के समय पीड़ित के रोहित (27) और बाला प्रसन्ना (26) मसीदबंदा से हाफिजपेट की ओर बाइक से जा रहे थे। रोहित बाइक चला रहा था जबकि प्रसन्ना पीछे बैठा था। फ्लाईओवर से गुजरते समय रोहित ने अपनी बाइक को तेज़ रफ़्तार से फ्लाईओवर के बीच में घुसा दिया। गचीबावली के सब इंस्पेक्टर भानु प्रसाद ने बताया कि टक्कर लगने की वजह से दोनों युवक हवा में उछल गए और फ्लाईओवर के नीचे सड़क पर गिर गए। स्थानीय लोगों और पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। गाचीबावली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

लूट के आरोप में सात गिरफ्तार, एक ने किया हंगामा

फोन और सोने की चेन लूटने का आरोप

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हुमायूंनगर पुलिस ने शुक्रवार देर रात दर्ज डकैती के मामले में कथित रूप से शामिल सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से एक आईफोन, एक सोने की चेन और एक चाकू बरामद किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में एजाज कुरैशी, फरदीन खान, एन प्रशांत, के साई, पी राजशेखर, मोहम्मद खलील, जी अभिलाष मोहन और एक किशोर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, गिरोह शनिवार शाम हुमायूंनगर के पीएस नगर में इकट्ठा हुआ और अपनी शराब पार्टी के लिए पैसे जुटाने के लिए कुछ लोगों को लूटने की योजना बनाई।

डीसीपी (दक्षिण-पश्चिम) जी चंद्र मोहन ने कहा, देर रात एक कार में पांच लोगों के समूह को जाते हुए देखकर, सात अपराधियों ने उन्हें रोका और चाकू दिखाकर धमकाया। भागने से पहले उन्होंने उनसे दो मोबाइल फोन और एक सोने की चेन लूट ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस बीच, गिरफ्तारी की घोषणा करने के लिए आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान हंगामा शुरू हो गया, जब संदिग्धों में से एक फरदीन ने आरोप लगाया कि शिकायतकर्ता श्रीमंत कुमार द्वारा गांजा मांगे जाने पर उनके और उनके बीच झगड़ा हुआ था। हालांकि, पुलिस ने संदिग्धों को हॉल से बाहर लेकर चली गई। फरदीन खान पहले 17 मामलों में शामिल है।

जीएचएमसी का स्वच्छता-पच्चदानम कार्यक्रम आज से

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। स्वच्छता और हरियाली को बढ़ावा देने के लिए ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की शहरव्यापी पहल 'स्वच्छदानम-पच्चदानम' सोमवार से शुरू होगी, जिसमें कचरा संवेदनशील बिंदुओं (जीवीपी) पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पांच दिवसीय प्रत्येक कार्यक्रम एक विशिष्ट नागरिक मुद्दे पर केंद्रित होगा। जीएचएमसी आयुक्त अम्रपाली काटा ने अधिकारियों को अभियान को सफल बनाने के लिए विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया। उन्होंने जन प्रतिनिधियों और आवासीय कल्याण संघों की सक्रिय भागीदारी का भी आह्वान किया।

पहले दिन जीवीपी और निर्माण कचरे की सफाई की जाएगी। उन घरों और प्रतिष्ठानों की पहचान की जाएगी जो सही माध्यम से कचरे का निपटान नहीं करते हैं, उन्हें स्वच्छ ऑटो से जोड़ा जाएगा। इसके अलावा, स्ट्रीट वेंडर्स और साप्ताहिक बाजारों को भी क्षेत्रीय वाहनों के साथ जोड़ा जाएगा। अगले दिन मच्छर उन्मूलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रजनन स्थलों को खत्म करने के लिए गहन प्रयास की योजना बनाई गई है। गली के कुत्तों को टीका लगाने के लिए एक अलग अभियान भी चलाया जाएगा। आने वाले दिनों में अधिकारी वर्षा जल संरक्षण के बारे में जागरूकता फैलाएंगे और नालों से कचरा हटाएंगे। 9 अगस्त को वनमहोत्सव कार्यक्रम का आयोजन जीएचएमसी में बड़े पैमाने पर सरकारी और निजी संस्थानों, पार्कों, तालाबों के तटबंधों और अन्य स्थानों पर पौधारोपण के साथ किया जाएगा। घर-घर जाकर निःशुल्क पौधे वितरित करने की भी योजना है।

सीरवी समाज मित्र मंडल हैदराबाद गांव गुडा सुरसिंह श्रावण सैर श्रीराम लिंगेश्वर स्वामी किसरागुटा में माता जी भजन मण्डली कुकटपली व महिला मण्डली द्वारा भजन प्रस्तुत के बाद प्रसादी का लाभ लिया गया। आईलापुर बडेर सचिव मोहनलाल भायल, ताराराम चोयल, ढगलाराम भायल, जिडीमिटला बडेर एरिया मेंबर मगनाराम भायल, गमनाराम भायल, मोहनलाल बर्फा, गणेश भायल सोनाराम भायल, दुर्गाराम बर्फा, ताराराम भायल, उदाराम मुलेवा, गोविन्द सेपटा, चिमनाराम काग, दिनेश सैणचा, मोहनलाल बरपा, खरताराम मुलेवा सहित बडी संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे।

टीपीसीसी मुस्लिम आरक्षण की 30वीं वर्षगांठ समारोह आयोजित करेगी

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) ने अविभाजित आंध्र प्रदेश में मुस्लिम आरक्षण की शुरूआत की 30वीं वर्षगांठ मनाने के लिए कार्यक्रमों की एक श्रृंखला की घोषणा की है, जिसका समापन 25 अगस्त को एक भव्य कार्यक्रम के साथ होगा। मुसलमानों के लिए आरक्षण का प्रस्ताव करने वाला पहला सरकारी आदेश 25 अगस्त, 1994 को तत्कालीन मुख्यमंत्री कोटला विजय भास्कर रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार द्वारा जारी किया गया था। यह आदेश, जीओ एमएस नंबर 30, एक अग्रणी कदम था जिसने मुसलमानों के साथ-साथ 14 अन्य पिछड़े वर्गों को भी आरक्षण प्रदान किया। यह भारत में किसी भी राज्य द्वारा जारी किया गया पहला ऐसा आदेश था, जिसने एक ऐसी नीति की शुरूआत की जिसने मुस्लिम समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है। रविवार को यहां गांधी भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, हैदराबाद डीसीसी के अध्यक्ष मोहम्मद वलीउल्लाह समीर और वरिष्ठ नेता मतीन शरीफ ने आरक्षण नीति की परिवर्तनकारी प्रकृति पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने 2004-05 से नौकरियों और शिक्षा में 4 प्रतिशत कोटा प्रदान करके लगभग 20 लाख गरीब मुसलमानों के जीवन में क्रांति ला दी है। कानूनी चुनौतियों के कारण रुकावटों के बावजूद, नीति ने पिछले दो दशकों में कई गरीब परिवारों के जीवन में काफी सुधार लाया है। समीर ने मोहम्मद अली शब्बीर की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला, जो 1989 में विधायक चुने गए थे और उन्होंने देश का पहला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग स्थापित करके और अल्पसंख्यक कल्याण बजट पेश करके मुस्लिम आरक्षण के लिए अभियान शुरू किया था। उन्होंने कहा, इस उत्सव का उद्देश्य गरीब मुसलमानों के जीवन पर आरक्षण नीति के परिवर्तनकारी प्रभाव को उजागर करना और तेलंगाना सरकार के वर्तमान सलाहकार वरिष्ठ नेता मोहम्मद अली शब्बीर के योगदान का सम्मान करना है। समीर वलीउल्लाह ने बताया कि उत्सव के हिस्से के रूप में, कांग्रेस पार्टी जमीनी स्तर पर, मुख्यधारा के मीडिया और सोशल मीडिया पर अभियान चलाएगी। इन अभियानों में तेलंगाना और आंध्र प्रदेश दोनों राज्यों में आरक्षण नीति के लाभार्थियों के साथ संवाद सत्र शामिल होंगे, जिसमें सैकड़ों सफलता की कहानियों पर प्रकाश डाला जाएगा। 25 अगस्त को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के मुख्य अतिथि के रूप में एक बड़े कार्यक्रम की योजना बनाई गई है। समीर ने बताया कि इस कार्यक्रम में एक डॉक्यूमेंट्री, एक फोटो प्रदर्शनी और देश भर से कांग्रेस के शीर्ष नेता और मुस्लिम प्रतिनिधि भाग लेंगे। उन्होंने आगे कहा कि कार्यक्रमों का विवरण जल्द ही बताया जाएगा।

आरआरआर के लिए भूमि अधिग्रहण का विरोध

किसानों ने की जमीन के बदले जमीन की मांग मुआवजे की घोषणा की बाद ही सर्वे करे टीम

संगारेड्डी, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार द्वारा पूर्ववर्ती मेदक जिले से होकर गुजरने वाले क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू करने के साथ ही किसान इस कदम का कड़ा विरोध कर रहे हैं। जब सर्वे टीमें यहां के गांवों में जमीन चिन्हित करने पहुंचीं तो किसानों ने विरोध प्रदर्शन कर टीमों को वापस जाने पर मजबूर कर दिया। ग्रामीण मांग कर रहे हैं कि सरकार उन्हें दिए जाने वाले मुआवजे की घोषणा करने के बाद ही सर्वे करे। किसान अपनी जमीन के लिए बाजार मूल्य या जमीन के बदले जमीन की मांग कर रहे थे। आरआरआर के लिए प्रस्तावित 333 किलोमीटर में से 110 किलोमीटर सड़क, यानी करीब 33 फीसदी, पूर्ववर्ती मेदक जिले से होकर गुजर रही है। उत्तरी हिस्से के 158 किलोमीटर में से ज्यादातर (110 किलोमीटर) मेदक जिले के 58 गांवों से होकर गुजरती है।

यह सड़क संगारेड्डी जिले के नागुलापल्ली से शुरू होकर सिद्दीपेट जिले के जगदेवपुर मंडल के पीरलापल्ली में समाप्त होगी। अधिकारियों ने नरसापुर डिवीजन और गजवेल डिवीजन में सर्वेक्षण शुरू कर दिया है, जहां किसानों के कड़े विरोध के कारण सर्वेक्षण विभाग के अधिकारियों को अपना काम करने में मुश्किल हो रही थी।

सिद्दीपेट जिले के मरकूक मंडल के चेबर्थी गांव के किसान इतिक्याला भास्कर ने कहा कि इलाके में एक एकड़ जमीन 70 लाख से 2 करोड़ रुपये में बिक रही है, जो कि जगह के हिसाब से अलग-अलग है। हालांकि, सरकार परियोजना के तहत विस्थापित किसानों को दिए जाने वाले मुआवजे पर कोई घोषणा नहीं कर रही है। मेदक में आरआरआर के लिए आवश्यक 4,500 एकड़ में से, सर्वेक्षण विभाग ने अब तक 2,790 एकड़ जमीन निर्धारित की है। गजवेल राजस्व प्रभाग के ग्रामीणों ने इस साल अप्रैल में आरएंडबी मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी से मुलाकात की और उनके लिए न्याय की मांग की। हालांकि वेंकट रेड्डी ने उन्हें अच्छा मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया, लेकिन सरकार अब तक कोई ठोस घोषणा करने में विफल रही है, जिससे किसानों ने सर्वेक्षण को रोकने के लिए अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा है।

मेदक कलेक्टर राहुल राज ने हाल ही में किसानों को भूमि अधिग्रहण के बारे में समझाने के लिए अपने कार्यालय में आमंत्रित किया। हालांकि कलेक्टर ने उन्हें अच्छा मुआवज़ा दिलाने का आश्वासन दिया, लेकिन किसान भूमि अधिग्रहण से पहले इसकी घोषणा चाहते थे। आरआरआर एनएच-65, एनएच-161, एनएच-44, एनएच-163, राजीव राहधारी और संगारेड्डी के पास बेंगलुरू बाईपास सहित अन्य महत्वपूर्ण सड़कों को जोड़ेगा। एक अन्य किसान निरंजन गौड़ ने कहा कि अगर सरकार ने मामूली मुआवजा दिया तो वे ज़िले में कहीं भी उतनी ज़मीन नहीं खरीद पाएंगे। उन्होंने कहा कि ज़मीन अधिग्रहण किसानों को संकट में डाल देगा, क्योंकि वे खेती के अलावा कुछ नहीं जानते।

रेस्तरां के खाद्य भंडारण शेल्फ में चूहे का मल मिला

स्वच्छता और गुणवत्ता उल्लंघन का मामला दर्ज

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद के एक रेस्टोरेंट में चूहे का मल पाया गया। मल अलमारियों और फर्श पर पाया गया, जिससे खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को स्टोर रूम में चूहों के होने का संदेह हुआ। तेलंगाना के खाद्य सुरक्षा विभाग की टास्क फोर्स टीमों ने शमशाबाद के रेस्टोरेंट में कई निरीक्षण किए, जिसमें स्वच्छता और गुणवत्ता उल्लंघन दर्ज किए गए। इनमें से अधिकांश प्रतिष्ठानों ने अपने परिसर में वास्तविक लाइसेंस की प्रति प्रदर्शित नहीं की थी। निरीक्षण किए गए रेस्टोरेंट में से एक को छोड़कर, खाद्य संचालकों के लिए मेडिकल फिटनेस प्रमाणपत्र, जल विश्लेषण रिपोर्ट और परिसर के कीट नियंत्रण रिकॉर्ड भी उपलब्ध नहीं थे। अन्य उल्लंघनों के अलावा, यस बावर्ची मल्टी कुजीन रेस्टोरेंट की खिड़कियों पर कीट-रोधी स्क्रीन नहीं थी और दीवारों पर प्लास्टर उखड़ने के साथ एक अव्यवस्थित रसोई थी। इसके अलावा, यहां परोसे जाने वाले पानी में कुल घुले हुए ठोस पदार्थ केवल 24 थे, जो अनिवार्य न्यूनतम 75 से बहुत कम थे। यहीं पर चूहे का मल भी पाया गया। होटल हैदराबाद ग्रैंड में रेड चिली सॉस, स्वीट चिली सॉस, नारियल का दूध, गुलाब जल, मछली मसाला और थाइम जैसे खाद्य पदार्थ एक्सपायर हो चुके थे और उन्हें मौके पर ही फेंक दिया गया। लेबलिंग उल्लंघन के लिए डस्ट टी (20 किग्रा) और बीबीक्यू सॉस (2 किग्रा) भी जब्त कर लिया गया। इसके अलावा, सिंथेटिक खाद्य रंगों को भी फेंक दिया गया। एयरपोर्ट बावर्ची रेस्टोरेंट में भी इसी तरह के उल्लंघन पाए गए। यहां, रेफ्रिजरेटर में रखे खाद्य पदार्थ और डिस्प्ले पर रखे ब्रेड और बन पर लेबल नहीं लगा था।

राज्य वन, पर्यटन, देवदया विभाग की श्रीमती कोंडा सुरेखा रविवार को ग्रेटर वारंगल शहर की महापौर श्रीमती गुंडू सुधारानी, कलेक्टर डॉ. सत्या शारदा, जीडब्ल्यूएमसी आयुक्त डॉ. अश्विनी तानाजी वाकरडे, जिला वन अधिकारी अनुज अग्रवाल के साथ राठी कोटा उत्तरी द्वार, एकशील गईं। संबंधित अधिकारियों ने मैदान, अगरथा झील मत्ताडी, अगरथा झील, लक्ष्मी पत्री गांधी त्रिकुटालय, पुरातत्व संग्रहालय, शंभू मंदिर क्षेत्रों को एकल पर्यटन के साथ-साथ मंदिर पर्यटन के रूप में विकसित करने के लिए कई सुझाव दिए हैं।

युवक ने किया चाकू से हमला

संगारेड्डी, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार सुबह सदाशिवपेट मंडल के अथमकुर में एक युवक ने मामूली बात पर 27 वर्षीय युवक को चाकू मार दिया। पीड़ित, बसवपुरम नरेश (27) का राहुल नामक व्यक्ति के साथ वित्तीय विवाद था। इसी बात को लेकर दोनों में बहस हुई और गुस्से में आकर राहुल अपने घर से चाकू लेकर आया और नरेश पर हमला कर दिया। नरेश को गंभीर चोटें आईं हैं। उसे इलाज के लिए सदाशिवपेट के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सदाशिवपेट पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

अमावस्या के अवसर गगनपहाड़ स्थित सत्यमशिवम सुंदर गौ निवास में गो माताओं को चारा खिलाते हुए श्रद्धालु ।

नरसिंग दास आत्माराम बड़ागांव वाले परिवार द्वारा पितृ अमावस्या के दिन गोल्डन टेम्पल, बंजारा हिल्स में अन्नदान वितरित किया गया। अवसर पर मुकुंद लाल अग्रवाल, ईश्वर लाल अग्रवाल, गोपाल कृष्ण अग्रवाल, अश्विन अग्रवाल, घनश्याम अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, नयन अग्रवाल, भाविक अग्रवाल, श्रीमती संतोष अग्रवाल, शारदा अग्रवाल, ललिता अग्रवाल, अरुणा अग्रवाल, श्रद्धा अग्रवाल, प्रिया अग्रवाल, सुमिरन अग्रवाल, आरना सोन्थलिया, आदि ने सेवा प्रदान की।

शंमशेरगंज स्थित शिवमंदिर गौशाला में आज अमावस्या के अवसर उपस्थित श्रद्धालु ।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 5 अगस्त- 2024

प्रशासनिक सेवा और नैतिकता की कसौटी

रघु ठाकुर

महाराष्ट्र कैडर की चयनित आई.ए.एस. सुश्री पूजा खेड़कर इस समय मीडिया में काफी स्थान पा रही हैं। उनके पिताजी भी आई.ए.एस. रहे हैं और जो सेवानिवृत्ति के बाद संसदीय चुनाव में प्रत्याशी भी रहे हैं। उनकी माँ अभी जेल में हैं और उनके प्लॉट खाली कराने के लिये पिस्टल लहराते फोटो सारे देश ने देखे हैं। पूजा खेड़कर पहली बार चर्चा तब आयीं जब वे प्रशिक्षु के तौर पर पूना में पदस्थ थीं और वहां के कलेक्टर जो छुट्टी पर गये थे। वे उनकी अनुपस्थिति में उनके कमरे और कुर्सी पर काबिज हो गई थी साथ ही उन्होंने कलेक्टर की नाम पटि्टका हटाकर अपने नाम की पटि्टका लगा ली थी। जबकि उनका प्रशिक्षण काल पूरा नहीं हुआ। कलेक्टर के लौटकर आने के बाद उन्हें इस घटना की जानकारी मिली और उन्होंने मुख्य सचिव को जानकारी दी, क्योंकि यह सिविल सर्विस काल के हिसाब से अनुशासनहीनता है। पूजा खेड़कर यहीं नहीं रुकी बल्कि जब उन्हें कलेक्टर के द्वारा की गई शिकायत की जानकारी मिली तो उन्होंने कलेक्टर को ही नोटिस दे दिया। उन्हें उनके प्रशिक्षण को पूरा करने के लिये मंसूरी जाने को कहा गया पर उन्होंने उस पर भी अवज्ञा की और सार्वजनिक रूप से अधिकारियों की आलोचना शुरू कर दी। स्वभाविक था कि, आईएएस लॉबी जो एक प्रकार से जाति का रूप ले चुकी है, ने अपने कौशल का इस्तेमाल शुरू किया और पूजा खेड़कर के आईएएस के चयन में ही इतनी गड़बड़ियाँ हुई हैं कि इन सबका खुलासा कर दिया। उन्होंने दिव्यांगता का सर्टिफिकेट गलत बनवाया, उन्होंने क्रीमिलेयर का दावा झूठा किया, जबकि उनके पिता ने अपने चुनाव के नामांकन में जो जानकारी दी उसमें उनकी,पत्नी व पूजा खेड़कर की संपत्ति का हवाला है। जिनके अनुसार वह क्रीमिलेयर में नहीं आतीं। उन्होंने गलत जानकारियों के आधार पर योग्यता से अधिक अवसर लिये इस पर संघ लोक सेवा आयोग ने संज्ञान लेते हुए, उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी है। इसके अलावा आयोग ने भविष्य में किसी भी परीक्षा में उनके शामिल होने पर रोक लगा दी है। और संभव है कि अपनी माता जी के साथ जेल में होंगी। पूजा खेड़कर की घटना को में एक वैयक्तिक अपराध की घटना के साथ-साथ भारतीय प्रशासनिक सेवा के लोगों में जिस प्रकार की प्रशासनिक, नैतिक गिरावट आ रही है उसके प्रति चिंतित हूँ। भारतीय संविधान ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को स्वतंत्र हिस्सा माना है। संविधान के तीन खंभे हैं, न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका। कार्यपालिका के लिये कई प्रकार के वैधानिक सुरक्षायें संविधान ने दी हैं। हालांकि अकसर इन सुरक्षाओं का दुरुपयोग होता रहा है। सत्ता के चाटुकार बने कार्यपालिका अधिकारी अपराध करते हैं और इस प्रावधान के प्रयोग से वे वैधानिक दंड से बच जाते हैं। अभी 23 जून 2024 को जब मेरी दो पुस्तकें श्समस्या और समाधानृ तथा श्आमजन और राजनीतिृ का विमोचन कार्यक्रम दिल्ली में हुआ। तब उप्र के विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री हृदयनारायण दीक्षित उसमें आये थे और उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सेवाओं के दौर में जो रघुजी ने लिखा है चरित्र और नैतिकता वह तो होना ही चाहिए साथ में इन सेवाओं को संवेदनशील भी होना चाहिए। उनका कथन गलत नहीं है। क्योंकि प्रशासनिक अधिकारियों का संबंध आम जनता के साथ होता है और बहुतेरी छोटी-छोटी समस्याओं के लिए गरीब और आमजनों को सालों साल दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते हैं। ऐसी घटनाओं से लगभग हर वह व्यक्ति जो सत्ता पक्ष या विशिष्टजन की श्रेणी में नहीं है या जिसके पास ऐसी कोई सिफारिश का माध्यम नहीं है तो उन लोगों की मामूली सी समस्या भी सालों साल यथावत बनी रहती है। मैं अमूमन देखता हूँ कि जब कोई व्यक्ति सांसद या विधायक चुना जाता है, मंत्री या मुख्यमंत्री या अन्य बड़े पदों पर पहुँचता है तो उसे हजारों लोग ऐसे आवेदन करते मिलते हैं जो लगातार दशकों से आवेदन दे रहे हैं न तो उनका हल निकला है और न निकलेगा। परंतु वे अपने कर्तव्य के तौर पर उस उम्मीद में कि शायद कोई सुन ले, मंत्रियों के कार्यक्रमों में जाते हैं। किसी मुंशी को 2-5 रुपये देकर आवेदन लिखवाते हैं या टाइप कराते हैं और दे आते हैं पर किसी भी मंत्री या अधिकारी ने यह क्यों नहीं सोचा कि आखिर यह लोग इतने वर्ष से आवेदन देने को क्यों लाचार हैं? अगर उनका आवेदन गलत है तो उन्हें कहा जा सकता है और यदि सही है तो उसका हल किया जाना चाहिए। अब विधायकों, सांसदों या मंत्रियों ने जनता दरबार लगाने शुरू किये हैं जिसमें सैकड़ों समस्या से ग्रस्त लोग आते हैं और निवेदन कर चले जाते हैं। उसी क्रम में प्रशासनिक अधिकार भी जन सुनवाई करने लगे हैं। जिलों के कलेक्टर जन सुनवाई की तारीख तय करते हैं। स्वाभाविक है कि जिलेभर के पीड़ितों की भीड़ आ जाती है उनके आवेदन ले लेते हैं, अखबार में छपवाने के लिए मीडिया के लोग बुलाते हैं, एक-दो समस्या को हल करने के आदेश देते हैं और आधा एक घंटे में यह जनसुनवाई समाप्त हो जाती है। उसके बाद उनका क्या हुआ इसके लिये न कलेक्टरों के पास समय है न सत्ता के पास। सत्ताधीश तो यह चाहते भी नहीं है कि उनके बगैर इशारे के किसी की समस्या का निदान हो। बल्कि उनका पसंदीदा अधिकारी वही होता है जो केवल उनके इशारे पर सही या गलत करता है, इसके अलावा कुछ नहीं करता। आजकल हवाई जहाज या हेलीकाप्टर की सुविधा होने से मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों या केंद्रीय मंत्रियों के दौरे भी आसान हो गये और अकसर यह होता है कि जिस दिन जनसुनवाई होती है उस दिन कोई न कोई वीआईपी या वीवीआईपी या उनसे उच्च अधिकारी जिले में होता है। उन्हें तलब कर लेता है और कलेक्टर की ओर से एसडीएम और एसडीएम की ओर से तहसीलदार आवेदन ले लेते हैं। जैसे डाकिया पोस्ट आफिस की डाक लेता है। इतना संवेदनशील प्रशासन और शासन क्या कभी अतीत में रहा होगा, यह भी खोज का विषय है। रजवाड़ों के जमाने में कोई गरीब व्यक्ति आकर शिकायत कर सकता था और राजा त्वरित देता था, न जाँच अधिकारी बैठाये जाते थे न कमेटियाँ बनती थीं, न रपट मंगाई जाती थी परंतु इस त्वरित न्याय का परिणाम यह होता था कि आमजन सारे समाज में अपराध के दंड के प्रति एक भय व्यक्त हो जाता था। मुगलकाल में भी यह परंपरा चलती थी परंतु भारतीय कार्यपालिका जो अब वास्तव में नौकरशाही में बदल गई है वह आज भी अंग्रेजों की सत्यप्रति जैसी है। हालांकि इसके लिये केवल अधिकारी ही जवाबदार नहीं हैं बल्कि निर्वाचित शासक भी इसके लिए, जवाबदार है। कोई मुख्यमंत्री अपने अधिकारियों से यह नहीं कहता कि तुम्हारा काम राजनैतिक पार्टी चलाना नहीं है आप दलीय भेदभाव से उठकर लोकतांत्रिक तरीके से समस्याओं को सुनें और उनका हल करें। ट्रांसफ, तबादलों की कसौटी भी सत्ताधीशों या ताकतवर लोगों की पसंद या सुशासन असरुचियां गुस्सा के आधार पर नहीं बल्कि उनकी प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर होना चाहिए।

दूसरे अदूरदर्शिता और नासमझी ने प्रशासनिक ढांचे को इतना फैला दिया है कि कोई अच्छे से अच्छा व्यक्ति भी कुछ करना चाहे तो उसे अपार बाधाओं को पार करना होता है। इतने दफ्तर, इतने खंड, इतने अधिकारी फैला गये हैं कि बजट का बड़ा हिस्सा तो उनकी सुविधाओं और वेतन पर खर्च हो रहा है परंतु उसके परिणाम कुछ भी नहीं हैं। कर्मचारी संगठन, मजदूर, संगठन, राजनैतिक संगठन यह सब अपने हितों तक सीमित हो गये हैं और उन्हें सत्य-असत्य से कुछ लेना-देना नहीं है, उन्हें केवल स्वहित, दलहित, परिवार हित सर्वोपरि है।

पानी-पानी होते शहर

हर मानसून मुंबई की 26 जुलाई, 2005 की याद दिलाता है, जिस दिन मानवीय भूलों और प्रकृति ने मिलकर भारी तबाही मचाई थी। जिसमें एक हजार से ज्यादा मौतें हुई थीं। उस आपदा ने भारत के शहरीकरण की तमाम गलतियों को उजागर कर दिया था, योजना से लेकर कार्यान्वयन तक, अधिकार से लेकर जवाबदेही तक और खर्च से लेकर परिणाम तक। लगभग दो दशक बाद पिछले हफ्ते एक बार फिर मुंबई ने खुद को संकट में पाया। वर्ष 2005 में 900 मिलीमीटर वर्षा से मुंबई में तबाही आई थी, इस वर्ष उस बारिश की मात्रा के बमुश्किल एक तिहाई हिस्से ने ही शहर को ठप कर दिया। स्मार्ट सिटी का तमगा ले चुके पुणे आज कई स्टार्ट-अप का केंद्र है, लेकिन लोगों को बाढ़ से बचाने के लिए सेना की दो टुकड़ियां बुलानी पड़ीं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कई हिस्से पानी में डूबे हुए हैं। बरसाती पानी ने आईएएस की तैयारी कर रहे तीन युवाओं की जान ले ली, क्योंकि बेसमेंट में संचालित हो रही लाइब्रेरी में पानी भर गया। पूर्व में आए बाढ़ के कारणों का अध्ययन किया गया लेकिन उसके सुझावों पर अमल नहीं किया गया। मुंबई में वर्ष 2005 की आपदा के बाद माधव चितले के नेतृत्व में तथ्यों की जांच के लिए एक कमेटी बनाई गई थी। उसने अपने निष्कर्ष में भारी बारिश, गाद नहीं निकालने के कारण पानी के बहाव में रुकावट, आपदा प्रबंधन योजना का गैर-संचालन, संवाद एवं तालमेल की कमी, मौसम की सही चेतावनी न मिलने और ऐसे ही कई अन्य कारणों को गिनाया था। दिसंबर, 2005 में नेहरू शहरी नवीकरण मिशन की शुरुआत की, ताकि सुधारों को प्रोत्साहित किया जा सके और योजनाबद्ध विकास को गति दी जा सके। मिशन ने कई विचार सूचीबद्ध किए, लेकिन 'बाढ़' शब्द को उसमें जगह नहीं मिली। बार-बार होने वाली घटनाओं के पांच साल बाद राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने शहरी बाढ़ के संकट को पहचाना और 'क्या करें और क्या न करें' की सूची बनाई। इसके बाद कई समितियों और आयोगों का गठन हुआ, जिन्होंने कई विवेकपूर्ण सलाहें भी दीं, लेकिन चीजें नहीं बदलीं। ठीक एक साल पहले भी बाढ़ का पानी दिल्ली में घुस गया था। साल दर साल देश के दर्जनों शहर मानसून के आते ही प्रशासनिक विफलता और प्रकृति के प्रकोप के चलते सहमे दिखते हैं। बता दें कि जुलाई, 2014 में अपने पहले बजट भाषण में तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा था, 'जब तक बढ़ती आबादी के हिसाब से नए शहर विकसित नहीं किए जाते, मौजूदा शहर रहने लायक नहीं रह जाएंगे। प्रधानमंत्री का सपना है कि 100 स्मार्ट सिटी विकसित की जाएं और मौजूदा मझोले आकार के शहरों का आधुनिकीकरण किया जाए। बता दें कि स्मार्ट सिटी मिशन के तहत 100 शहरों में 1.64 लाख करोड़ रुपये की 8,000 से अधिक परियोजनाओं को वित्त पोषित किया गया है, लेकिन बाढ़ पर ध्यान केंद्रित नहीं किया है। अमृत मिशन में मात्र जल निकासी की कमी को दूर करने पर ध्यान दिया गया है, लेकिन वर्ष 2023 तक 1,622 करोड़ रुपये की लागत वाली केवल 719 परियोजनाएं ही पूरी हुई हैं। भारी बारिश के कारण बाढ़ आती है, लेकिन खराब जल निकासी, उच्च स्तर पर गाद, नदियों एवं अन्य जल निकायों के क्षेत्र में अतिक्रमण के कारण यह आपदा में तब्दील हो जाती है। बाढ़ हर साल आती है और लोगों को व्यवस्थागत सुस्ती की कीमत चुकानी पड़ती है। उम्मीदें इतनी कम हैं कि प्रशासनिक विफलता को सामान्य मान लिया गया है। हैरानी नहीं है कि हर बजट में कर प्रस्तावों पर आक्रोश पैदा होता है। लोगों से अधिक कर चुकाने की उम्मीद की जाती है, लेकिन बदले में उन्हें मिलता क्या है? सिवाय परेशानी के। शहर राजनीतिक उदासीनता और व्यवस्थागत अराजकता के बीच फंस गए हैं। आम तौर पर नीति बनाने का अधिकार और क्रियान्वयन की जिम्मेदारी अलग-अलग होती है। नीति तैयार करने का अधिकार केंद्र के पास है, जबकि क्रियान्वयन की जिम्मेदारी राज्यों पर होती है। राजनीतिक दल ग्रामीण इलाकों में ज्यादा निवेश करते हैं, क्योंकि ग्रामीण भारत ज्यादा वोट देता है। भारत में तेज शहरीकरण के चलते उम्मीद है कि 2050 तक शहरी आबादी में 40 करोड़ लोग और जुड़ेंगे। भारतीय शहर केवल तीन प्रतिशत भूमि पर दखल रखते हैं, पर जीडीपी में 60 फीसदी से ज्यादा योगदान देते हैं। वर्ष 2024 के बजट में नौ प्राथमिकताओं में से एक शहरीकरण भी है, लेकिन विवरण का अभाव है। शहरी अर्थव्यवस्था से मिलने वाले लाभ के कुछ हिस्से को शहरों में फिर से निवेश करने की आवश्यकता पर जोर दिया जाए तो हालात में सुधार की गुंजाइश बाकी है।

क्या नासा से बेहतर है अपना 'इसरो' ?

सुनील कुमार महला

भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी 'इसरो' जहां एक ओर वर्ष 2028 में चंद्रयान-4 मिशन को लांच करने की तैयारी कर रहा है, वहीं दूसरी ओर अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' ने अपने महत्वकांक्षी चंद्र मिशन को रद्द कर दिया है। इसके पीछे आखिर कारण क्या है ? भारत अपने चंद्र मिशन 'चंद्रयान-4' के तहत जहां चंद्रमा की चट्टानों और वहां की मिट्टी को इकट्ठा करके उन्हें वापस धरती पर लाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है, वहीं अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नासा' ने इस बात को लेकर संपूर्ण विश्व को चौंकाया है कि चांद के दक्षिणी ध्रुव पर बर्फ और अन्य संसाधनों की खोज के लिए प्रस्तावित वोलेटाइल्स चंद्र रोवर (वीआईपीईआर) मिशन पर नासा लगभग 450 मिलियन डॉलर (37 हजार 650 करोड़ रुपए) खर्च कर चुका है और कुल लागत 610 मिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो कि वास्तव में एक बहुत बड़ी धनराशि है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार वीआईपीईआर को पहले वर्ष 2023 में लॉन्च करने की योजना थी, लेकिन वर्ष 2022 में नासा ने इसे वर्ष 2024 के अंत तक टाल दिया, ताकि ग्रिफिन लैंडर वीकल के प्री-फ्लाइट टेस्ट के लिए ज्यादा समय मिल सके। इसके बाद लॉन्चिंग की तारीख वर्ष 2025 तक बढ़ाई गई और अब इसे रद्द करना पड़ा है। अनुमान के मुताबिक मिशन के पूर्ण होने तक इसकी लागत 609.6 मिलियन डॉलर (50, 950 करोड़ रुपए) तक पहुंच जाती। बहरहाल, यदि हम यहां बजट की बात करें तो वित्तीय वर्ष 2023 और 2024 के लिए नासा का बजट क्रमशः 25.4 बिलियन डालर तथा वित्तीय वर्ष 2024 के लिए 24.875 बिलियन डालर है। यहां यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि वित्त वर्ष 2024 का बजट पिछले वर्ष के बजट से 2% कम है। बिडेन प्रशासन ने 2024 के वित्तीय वर्ष के लिए 27.2 डालर बिलियन का बजट प्रस्तावित किया था, जो 2023 की तुलना में 7.1% अधिक है। वहीं दूसरी ओर इस साल फरवरी में घोषित अंतरिम बजट में भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अंतरिक्ष विभाग को 13,042.75 करोड़ रुपये आवंटित किए। यह पिछले वर्ष के बजट से 498.84 करोड़ रुपये की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है। हालांकि, यहां यह बात उल्लेखनीय है कि 'इसरो' के पास 'नासा' या विश्व की बाकी अन्य एजेंसियों की तरह ढेर सारे संसाधन और बहुत बड़ा बजट उपलब्ध नहीं है, लेकिन सीमित बजट में ही प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों, तकनीकी, लगातार मेहनत से हमारा इसरो अपने लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर रहा है। कम बजट में भी बेहतरीन परिणाम इसरो के वैज्ञानिक देते रहे हैं और इस वजह से इसरो पूरी दुनिया के लिए उदाहरण बन गया है। हालांकि यहां यह भी उल्लेखनीय है कि विकासशील देश की दृष्टि से इसरो के लिए सरकार के पास फंड की कोई कमी नहीं है, लेकिन विकसित देश अमेरिका की तुलना में हमारे देश का स्पेस बजट कम ही है। जिस प्रकार से अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने अपने चंद्र मिशन को रद्द किया है, उससे यह प्रतीत होता है कि अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा फंड की किल्लत का सामना कर रही है। न सिर्फ उसका बजट घटता जा रहा है। अलबत्ता, उसे अपने स्पेस प्रोग्रामों के लिए जितना पैसा चाहिए वह भी नहीं मिल पा रहा है। एक जानकारी के अनुसार नासा ने वित्त वर्ष 2024 (अक्टूबर 2023 - सितंबर 2024) में अपने सभी मिशन, स्पेस एक्सप्लोरेशन और ऑपरेशन के लिए लगभग 27 अरब डॉलर का अनुरोध किया था। लेकिन, इसके मुकाबले उसे लगभग 9% कम रकम मिली। पिछले वर्ष की तुलना में यह 2% कम थी। अब वित्त वर्ष 2025 के लिए उसने जो बजट अनुरोध रखा है, वह पिछले साल की मांग से 2 अरब डॉलर कम है। वास्तव में, यहां यह बात सोचनीय है कि आखिर नासा को अपने स्पेस कार्यक्रम के लिए जितने पैसे की जरूरत है उतना उसे क्यों नहीं मिल पा रहा है? शायद इसके पीछे कारण अमेरिकी सरकार पर कर्ज का बोझ हो सकता है। इधर यदि हम इसरो की बात करें तो हमारे देश का इसरो अंतरिक्ष कार्यक्रमों के मामले में कभी भी किसी देश के साथ होड़ नहीं करता बल्कि वह तो अपनी प्रतिभा, लग्न व जुनून में विश्वास करता है और कम लागत में भी बेहतरी को अग्रसर है। यह हम भारतीयों को गौरवान्वित महसूस कराता है। यहां पाठकों को यह जानकारी देना चाहूंगा कि विकासशील देश होते हुए भी हमारे यहां स्पेस मिशन के लिए बजट की भी कोई कमी नहीं है। उल्लेखनीय है कि नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन' की स्थापना वर्ष 1958 में जबकि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की स्थापना वर्ष 1969 में हुई थी। इसरो के संस्थापक विक्रम साराभाई थे। पाठकों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि इसरो दुनिया की सबसे कम लागत वाली अंतरिक्ष एजेंसी है। हमारा देश जुनून, मेहनत में विश्वास करता है। सच तो यह है कि भारत की स्पेस एजेंसी 'इसरो' की सफलता की वजह ही, 'प्रतिभा, लगन और जुनून' है। पाठकों को याद होगा कि चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के बाद भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। आने वाले समय में इसरो की योजना मंगलयान-2 और शुक्र मिशन जैसे प्रोग्रामों को अंजाम तक पहुंचाने की है। सूर्य मिशन पर भी काम किया जा रहा है। कहना गलत नहीं होगा कि चंद्रयान-3 की सफलता के बाद एक बार फिर अंतरिक्ष के क्षेत्र में पूरी दुनिया हमारा लोहा मान गई है। हालांकि, अंतरिक्ष और विज्ञान से जुड़ा दूसरा बड़ा नाम दिमाग में 'नासा' का ही आता है, जो अमेरिका की स्पेस एजेंसी है। इसरो के सभी सफल स्पेस मिशन्स के बाद यह चर्चा भी जोर पकड़ती है कि क्या इसरो नासा को टक्कर दे रहा है, या फिर कम बजट और संसाधनों के बावजूद अंतरिक्ष में सफलता पाने वाला इसरो नासा से बेहतर है। नासा और इसरो के अलावा भी रूस और चीन जैसे देशों की स्पेस एजेंसियां अंतरिक्ष विज्ञान में नए-नए प्रयोग कर रही हैं, लेकिन नासा का नाम सबसे ऊपर है। अब सामने आ रहा है कि एक से एक महंगे मिशन भेज चुका नासा इस बार आर्टेमिस मिशन को आगे बढ़ाने के पक्ष में नहीं है और इधर खर्च के लिहाज से इसरो ने नासा के मुकाबले काफी कम कीमत पर बड़ी सफलता हासिल की है क्योंकि जिस चंद्र मिशन पर अमरीका अब तक 37 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च कर चुका, इतने में भारत 1200 बार चंद्रमा पर अपना मिशन भेज सकता है।

बैजवाड़ा के अग्रदूत डॉ टीवीएस चलपति राव

डॉ. टीवीएस चलपथी राव

-सुरेश कश्यप

जब विजयवाड़ा शहर मद्रास के अधीन था तब तेन्नेटि वेंकट शेषाचलपति राव वहां के गरीबों और मजदूरों के आदर्श थे। पुराने लोग आज भी उन्हें बड़े आदर से याद करते हैं। उन्होंने गंदी बस्तियों के सुधार के लिए अनेक काम तो किए ही साथ ही बेहतर चिकित्सा के जरिए भी लोगों को स्वस्थ रखने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। उनकी वजह से झोपड़ियों में रोशनी, चिलचिलाती गर्मियों में ताजा पानी, शहर के लोगों के लिए पहली आरटीसी बस सुविधा, बस्तियों का सौंदर्यीकरण, सफाई कर्मचारियों के बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा, गरीब महिलाओं के लिए आजीविका आदि के लिए उन्हें आज भी याद किया जाता है। आज यानी **पांच अगस्त को उनकी 45वीं पुण्यतिथि** है। डॉ. तेन्नेटी शेषाचलपति राव आज के विजयवाड़ा शहर,जिसका पहले बेजवाड़ा नाम था, उसका इतिहास बदलने में उनका बड़ा योगदान था। डा. चलपति राव बेजवाड़ा नगर पार्षद, अध्यक्ष और दो कार्यकाल के लिए विधायक के रूप में, कई कल्याणकारी विकास कार्यक्रम किए। कई श्रमिक संघों, डॉक्टरों के संघों, बिजली और डाक संघों का नेतृत्व किया है। डॉ. चलपति राव पहले कांग्रेस नेता थे जो 1962 से 1972 तक दो बार बेजवाड़ा में विधानमंडल के सदस्य के रूप में चुने गए, जबकि उस समय वह कम्युनिस्ट पार्टी का गढ़ था। उनका जन्म 1911 में कृष्णा जिले के तेन्नेरु गांव में एक पारंपरिक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। संस्कारों के साथ-साथ देशभक्ति का आचरण करने वाले युवा डॉ. टी.वी.एस. बड़े जुनून और लगन के साथ चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के बाद, 1936 में मद्रास शासित आंध्र प्रदेश में पहली बार अपना स्वयं का नैदानिक परीक्षण केंद्र स्थापित किया। चिकित्सा पेशे में रहते हुए, उन्होंने बेजवाड़ा के लोगों की सेवा करने का प्रयास किया जो कई समस्याओं से पीड़ित थे। 1939 में, ब्रिटिश प्रशासन में बहुत मजबूत जस्टिस पार्टी के अध्यक्ष के सदस्यों के समूह को कड़ी प्रतिस्पर्धा देकर डॉ. तेन्नेटी चलपति राव को असाधारण रूप से नगरपालिका पार्षद के रूप में चुना गया था। वे 1947 में सर्वसम्मति से बेजवाड़ा के नगरपालिका अध्यक्ष चुने गए थे। डॉ. चलपति राव पहले नगरपालिका अध्यक्ष थे, जो ब्रिटिश दासता के बंधन से मुक्त होकर स्वतंत्र भारत में सर्वसम्मति से चुने गए थे। पुन्नमथोटा में ऑल इंडिया रेडियो की स्थापना और गन्नावरम हवाई अड्डे का उद्घाटन उनके कार्यकाल में हुआ था। गरीबों के लिए पक्के मकानों की व्यवस्था की गई। गांधीनगर में नगर पालिका कर्मचारियों को निशुल्क आवास भूमि आवंटित की गई है। फार्मा के क्षेत्र में फार्मास्यूटिकल्स की एक प्रसिद्ध सिरीश कंपनी विजयवाड़ा में एक फैक्ट्री स्थापित करने के लिए, आगे आए जी.एस. राजू गार्की को सभी अनुमतियाँ देकर प्रोत्साहित किया गया। 1952-53 के बीच, डॉ. तेन्नेटी ने बेजवाड़ा नगर निगम के माध्यम से शहर में भूमिगत तूफान जल निकासी सुविधा की योजना पर काम किया। मद्रास में नगर पालिकाओं के चैंबर के अध्यक्ष को सर्वसम्मति से मानद सचिव के रूप में चुना गया और जिम्मेदारी संभाली गई। उनके द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के लिए अमेरिका सरकार ने स्थानीय निकायों के स्वशासन को मान्यता देते हुए वहां के स्थानीय निकायों के स्वशासन का अध्ययन करने के लिए विशेष रूप से डेट्रॉइट में आमंत्रित किया। चिकित्सा, राजनीति, आध्यात्मिकता, धर्म, साहित्य, खेल और निबंध लिखने का जुनून के साथ, डॉ. चलपति राव ने प्रजासेवा नामक एक राजनीतिक साप्ताहिक, एक तेलुगु नगरपालिका समाचार और अंग्रेजी में मद्रास नगर पालिका नामक एक त्रैमासिक पत्रिका की स्थापना और संपादन किया। उन्होंने जिस चिकित्सा शिक्षा का गहन अध्ययन किया, उससे हजारों लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं और उपचार प्रदान किए गए। 1937 में उन्होंने पहला निजी अस्पताल, डॉ. टीवीएस क्लिनिक, एक आधुनिक निदान प्रयोगशाला केंद्र स्थापित किया और सभी प्रकार के चिकित्सा परीक्षण किए। जैसे एक्स-रे, डीप एक्स-रे, ई.सी.जी, आई. चलपति राव सीसीयू और टीएमटी जैसी सुविधाएं प्रदान करते हैं और कैंसर का इलाज भी करते हैं। 1964-67 तक श्रीशैलम ट्रस्ट बोर्ड के सदस्य के रूप में और 1967-70 तक तिरुमला तिरुपति देवस्थानम ट्रस्ट बोर्ड के सदस्य के रूप में, वे स्वामी की सेवाओं में बने रहे और टी.टी.डी. की अध्यक्षता में हिंदू धर्म प्रचार संस्थान की स्थापना के लिए विशेष प्रयास किए। कांची परमाचार्य जगद्गुरु श्री श्री श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती महास्वामी ने अपने दिव्य हाथों से संस्थान खोला, साथ ही, टीटीडी ने ऋषिकेश में छात्रावास खोले।

यूपी के माननीय क्यों नहीं चाहते हैं नजूल भूमि कानून में बदलाव

अजय कुमार

देश का कोई भी हिस्सा या राज्य हो वहां पड़ी नजूल की जमीन की स्थिति ठीक वैसी ही होती है जैसे किसी एक बच्चे के कई बाप का होना। नजूल की जमीन(सरल शब्दों में सरकारी जमीन) को सब अपनी बपौती समझते हैं।

गरीब जनता की तो इतनी हिम्मत नहीं होती है कि वह सरकारी जमीन पर कब्जा कर सके,लेकिन ताकतवर लोगों जिसमें नेताओं से लेकर बड़े-बड़े अधिकारी और बिल्डर आदि शामिल होते हैं, के लिये यह जमीन सोने का अंडा देने वाली मुर्गी साबित होती है। नजूल की जमीन पर कब्जा करने का सबसे आसान तरीका है उसे लीज पर हासिल कर लेना ,क्योंकि जमीन का कोई मालिक नहीं होता है इसलिये सरकारी कुर्सी पर बैठे अधिकारी और बाबू ही इसके 'मालिक' बन जाते हैं।वह सेटिंग के सहारे नजूल की जमीन का 'सौदा' कर देते हैं। इसी लिये जब नजूल भूमि कानून विधान सभा से पास होने के बाद मंजूरी के लिये विधान परिषद पहुंचा तो वहां करीब-करीब सभी दलों के माननीयों ने एकजुट होकर इसे 'ठंडे बस्ते' में डाल दिया। यानी माननीय नहीं चाहते हैं कि नजूल जमीन के लिए कोई ऐसा नया कानून बनें जिसके चलते नजूल की जमीन को कौड़ियों के भाव फ्री होल्ड कराने का खेल बंद हो जाये।इस कानून को लेकर सत्ता पक्ष में मनमुटाव की खबरें आने के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तो योगी सरकार को चुनौती तक दे दी वह नजूल जमीन पर नया कानून बना ही नहीं सकते हैं। वैसे विरोध समाजवादी पार्टी की तरफ से भी कम नहीं हुआ था।

दरअसल, 31 जुलाई को यूपी विधानसभा में भारी हंगामे के बीच उत्तर प्रदेश नजूल संपत्ति (लोक प्रयोजनार्थ प्रबंध और उपयोग) विधेयक, 2024 पारित किया गया था। इसके बाद जब पहली अगस्त को यह विधेयक विधान परिषद में आया तो इसे प्रवर समिति को भेज दिया गया। सबसे खास बात यह रही कि इस विधेयक का समाजवादी पार्टी के नेताओं के अलावा भाजपा के कई नेताओं ने विरोध किया है। वहीं एनडीए में भाजपा की सहयोगी निषाद पार्टी ने इससे असहमति जताई है। विधेयक के अनुसार, कानून लागू होने के बाद किसी भी नजूल भूमि को किसी निजी व्यक्ति या निजी संस्था के पक्ष में पूरा मालिकाना हक हस्तांतरित करने पर रोक लग जाती।

ये तो 'मॉडर्न आर्ट' है

सुरेश मिश्रा

दुग्गल साहब हमारे मोहल्ले के मशहूर कन्स्ट्रक्शन किंग हैं। लोग कहते हैं कि उनकी बनवाई चीजें स्थायित्व का प्रतीक होती हैं। हालांकि, उनकी स्थायित्व की परिभाषा थोड़ी अलग है; उनके द्वारा निर्मित हर चीज़ की उम्र बड़ी ही नाजुक होती है। दुग्गल साहब का फेमस डायलॉग है, भवन या सड़क बनाना तो आर्ट है, और मैं आर्टिस्ट! और यह बात किसी से छिपी नहीं है कि उनकी कला में कितनी विविधता है। एक दिन की बात है, मोहल्ले में एक नई सड़क बननी थी। दुग्गल साहब को ठेका मिला और उन्होंने बड़े गर्व से कहा, ये सड़क तो ऐसी बनेगी कि चांदनी रात में भी चमकेगी। मोहल्ले वालों को लगा कि इस बार शायद कोई नई तकनीक का इस्तेमाल होगा। लेकिन जब सड़क बनकर तैयार हुई, तो उसकी चमक सच में दिखने लगी। पर वो चमक थी सड़क पर बिखरे कंकड़ और गड्ढों की। लोगों ने सोचा, शायद ये शुरुआती प्रॉब्लम्स होंगी, थोड़े दिन में ठीक हो जाएगी। परंतु, दुग्गल साहब की कला का कमाल कुछ और ही था। बारिश के पहले ही झमाझम होते ही सड़क ने अपने वास्तविक रूप का परिचय दिया। पानी में सड़क का एक हिस्सा बह गया, और दूसरा हिस्सा ऐसे टपकने लगा जैसे बरसात में छत। लोग छाता लेकर सड़क पार करने लगे। भवनों की बात करें तो दुग्गल साहब के बनाए भवन भी कमाल होते हैं। एक बार उन्होंने एक नई सोसाइटी में अपार्टमेंट बनाए। हर अपार्टमेंट में 'लक्सरी' और 'कम्फर्ट' की गारंटी दी गई थी। लोग बड़ी उम्मीदों से वहाँ शिफ्ट हुए। कुछ ही दिनों में, लोगों ने देखा कि उनके कमरों की छतों से पानी टपक रहा है। किसी ने कहा, अरे, ये तो प्राकृतिक वाटरफॉल है, दुग्गल साहब ने इसे भी आर्ट का हिस्सा बना दिया! लोगों ने शिकायत की तो दुग्गल साहब ने बड़े आराम से कहा, देखिए, ये प्राकृतिक वेंटिलेशन है। जब पानी की बूँदें गिरेंगी, तो आपको प्राकृतिक ठंडक मिलेगी। ये तो इनोवेशन है! लोग उनकी बातें सुनकर हतप्रभ रह जाते। दुग्गल साहब की कला की तारीफें के पुल बांधने वालों में एक स्थानीय नेता भी थे। उन्होंने दुग्गल साहब की एक बिल्डिंग का उद्घाटन किया और कहा, ये बिल्डिंग हमारे इलाके की शान है। कुछ दिन बाद ही वह बिल्डिंग ऐसी टपकने लगी कि नेता जी को खुद भीगते हुए बाहर निकलना पड़ा। उन्होंने तुरंत दुग्गल साहब को बुलाया और कहा, ये क्या हो रहा है? दुग्गल साहब ने बड़ी मासूमियत से कहा, नेता जी, ये तो 'मॉडर्न आर्ट' है। इसमें कोई कमी नहीं है, ये तो बस आपकी दृष्टि का मामला है। नेता जी ने कहा, दृष्टि तो ठीक है, पर ये पानी क्यों गिर रहा है? दुग्गल साहब ने जवाब दिया, अरे नेता जी, ये तो पानी के प्रवाह की वैज्ञानिकता है। पानी अपनी जगह खुद बना लेता है। आखिरकार, लोग तंग आकर दुग्गल साहब के खिलाफ मोर्चा खोलने लगे।

काशी विश्वनाथ, जहां साक्षात बसते हैं देवाधिदेव महादेव

बारह द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख काशी विश्वनाथ मंदिर अनादिकाल से काशी में है। यह स्थान शिव और पार्वती का आदि स्थान है। इसीलिए आदिलिंग के रूप में अविमुक्तेश्वर को ही प्रथम लिंग माना गया है। इसका उल्लेख महाभारत और उपनिषद के साथ प्राचीन ग्रंथ ऋग्वेद में भी किया गया है। पुराणों के अनुसार यह आद्य वैष्णव स्थान है। पहले यह भगवान विष्णु (माधव) की पुरी थी। जहां श्रीहरि के आनंदाश्रु गिरे थे, वहां बिंदुसरोवर बन गया और प्रभु यहां बिंधुमाधव के नाम से प्रतिष्ठित हुए। काशी का इतना माहात्म्य है कि सबसे बड़े पुराण स्कन्दमहापुराण में काशीखण्ड के नाम से एक विस्तृत पृथक विभाग ही है।

कहा जाता है कि यह पुरी भगवान शंकर के त्रिशूल पर बसी है। अतः प्रलय होने पर भी इसका नाश नहीं होता है। काशी नाम का अर्थ भी यही है-जहां ब्रह्म प्रकाशित हो। भगवान शिव काशी को कभी नहीं छोडते। जहां देह त्यागने मात्र से प्राणी मुक्त हो जाय, वह अविमुक्त क्षेत्र यही है।

काशी में कहीं पर भी मृत्यु के समय भगवान विश्वेश्वर (विश्वनाथजी) प्राणियों के दाहिने कान में तारक मन्त्र का उपदेश देते हैं। तारकमन्त्र सुन कर जीव भव-बन्धन से मुक्त हो जाता है।

काशी में प्राण त्यागने वाले का पुनर्जन्म नहीं होता। पर्व उत्सवों का रसिया शहर बनारस अपने मन मिजाज और अंदाज के लिए जाना जाता है। इसे केयरलेस समझने की भूल न करिएगा, वास्तव में यह केयरफ्री है। मन में जो आया, पीया -खाया और परिधान के स्तर पर भी वही जो खुद को भाया। कहते है कि जब भगवान शंकर ने क्रुद्ध होकर ब्रह्माजी का 5वां सिर काट दिया, तो वह उनके करतल से चिपक गया। बारह वर्षों तक अनेक तीर्थों में भ्रमण करने पर भी वह सिर उनसे अलग नहीं हुआ। किंतु जैसे ही उन्होंने काशी की सीमा में प्रवेश किया, ब्रह्महत्या ने उनका पीछा छोड़ दिया और वह कपाल भी अलग हो गया। जहां यह घटना घटी, वह स्थान कपालमोचन-तीर्थ कहलाया। महादेव को काशी इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने इस पावन पुरी को विष्णुजी से अपने नित्य आवास के लिए मांग लिया। तब से काशी उनका निवास-स्थान बन गया।

देवाधिदेव महादेव है बाबा विश्वनाथ

शिव ही ब्रह्मा हैं, ब्रह्मा ही शिव हैं। ब्रह्मा जगत के जन्मादि के कारण हैं। मान्यता यह भी है कि जिस प्रकार भगवान शिव के त्रिशूल, डमरू आदि सभी वस्तुओं तथा शिव का संबंध नौ ग्रहों से जोडा गया है, उसी प्रकार भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों का संबंध बारह चन्द्र राशियों से जोडा गया है, जो इस प्रकार है-मेष राशि का संबंध श्रीसोमनाथ ज्योतिर्लिंग, वृष राशि का श्रीशैल ज्योतिर्लिंग, मिथुन राशि का श्रीमहाकाल ज्योतिर्लिंग, कर्क राशि का श्रीऊँकारेश्वर अथवा अमलेश्वर ज्योतिर्लिंग, सिंह राशि का श्रीवैद्यनाथधाम ज्योतिर्लिंग, कन्या राशि का श्रीभीमशंकर ज्योतिर्लिंग, तुला राशि का श्रीरामेश्वर ज्योतिर्लिंग, वृश्चिक राशि का श्रीनागेश्वर ज्योतिर्लिंग, धनु राशि का श्रीविश्वनाथ ज्योतिर्लिंग, मकर राशि का श्रीत्रयम्बकेश्वर ज्योतिर्लिंग, कुम्भ राशि का श्रीकेदारनाथधाम से मीन राशि का संबंध श्रीघुश्मेश्वर अथवा श्रीगिरीशनेश्वर ज्योतिर्लिंग से है। बाबा विश्वनाथ धाम में गर्भगृह व कॉरीडोर में लगी देवी-देवताओं की भव्य मूर्तियों का दर्शन कर लोग जहां अपने आप को कृतार्थ करते हैं। पुराणों के मुताबिक प्रलय आने पर भगवान भोलेनाथ इसे अपने त्रिशूल पर धारण कर लेते हैं और सृष्टि काल शुरू होने पर इसे त्रिशूल से नीचे उतार देते हैं। यहां भगवान शिव माता पार्वती के साथ ज्योतिर्लिंग के रूप में स्थापित हैं। काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग को लेकर पुराणों में कहा गया है कि भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह होने के बाद भी माता पार्वती अपने पिता के घर पर ही रहती हैं। एक बार उन्होंने अपने पति शिव जी से कहा कि वे उन्हें अपने साथ ले जाएं। इसके बाद भगवान शिव माता पार्वती को लेकर इसी पवित्र नगरी काशी में लाए थे और यहां आकर वो विश्वनाथ-ज्योतिर्लिंग के रूप में स्थापित हो गए। इस मंदिर का शिखर 51 फीट ऊंचा है और इस पर इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने 1777 में पांच पंडप बनवाए थे।

बाद में 1853 में पंजाब के राजा रणजीत सिंह ने मंदिर के शिखरों को 22 टन सोने से स्वर्णमंडित करवाया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब इसे विस्तार देने का संकल्प लिया तो देखते ही देखते मात्र दो सालों में कॉरीडोर के रुप में भव्य मंदिर बनकर तैयार हो गया। देवी-देवता, दैत्य, किन्नर, गंधर्व से लेकर एक आम आदमी तक उनकी पूजा करके उनसे मनचाहा वरदान पा सकता है। हिंदू मान्यता के अनुसार काशी विश्वनाथ मंदिर में आदि शंकराचार्य से लेकर स्वामी रामकृष्ण परमहंस, गोस्वामी तुलसीदास, संत एकनाथ, जैसे सिद्ध संतों ने दर्शन और पूजन किया था।

घाटों के बगैर गंगा अधूरी

जिस तरह गंगा के बिना काशी की कल्पना नहीं की जा सकती, उसी तरह घाटों के बगैर गंगा अधूरी हैं। यहां के घाट धर्म व ज्ञान के केंद्र रहे हैं। अपनी गौरवशाली अतीत व संस्कृति को दर्शाते हैं काशी के घाट। घाटों पर कहीं बिन्दु माधव मंदिर है तो कहीं बूंदी परकोटा महल। छः मील की परिधि में फैले प्रेक्षागृह की तरह शोभायमान सौ से अधिक गंगा घाटों की अलग-अलग महत्व है।

मुंडन से लगायत मुखाग्नि तक के संस्कारों के बीच छोटा से छोटा व बड़े से बडा उत्सव-महोत्सव भी इन घाटों पर ही मूर्तरूप लेते हैं। यहां के गंगा घाट ही काशी को मोक्षदायियनी दर्जा दिलाते है। तभी तो गंगा तट पर बसी काशी को तीनों लोकों से न्यारी कहा जाता है।

सवा तीन सालों में 16.46 करोड़ भक्तों ने किए दर्शन

काशी में ही वेद व्यास ने चारों वेदों का सर्वप्रथम उपदेश दिया था। यहां 56 विनायक हैं। इसके अलावा मणिकर्णिका तीर्थ की स्थापना, ढुंढिराज गणेश की प्रथम शिव स्तुति, अष्ट भैरव की स्थापना, भगवान शंकर का 64 योगिनियों को काशी में भेजना, भोलेनाथ के अष्ट मातृकाओं की स्थापना, महाकवि कालिदास की शिव स्तुति आदि का वर्णन भी धाम की पट्टिकाओं पर है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र ने बताया कि 13 दिसंबर 2021 के बाद से 16 जून 2024 तक 16।46 करोड़ भक्त श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में शीश नवा चुके हैं।

खास यह कि वित्तीय वर्ष 2017-18 में आय 22 से 23 करोड़ के आसपास थी, जो 2023-24 में बढ़कर 86 करोड़ हो चुकी है। बाबा का ज्योतिर्लिंग गर्भगृह में ईशान कोण में मौजूद है इस कोण का मतलब होता है की सम्पूर्ण विद्या और हर कला से परिपूर्ण दरबार। यह तंत्र की 10 विद्याओं का अविश्वसनीय दरबार है जहां पर भगवान शिव का नाम ही सब कुछ है। लोगों की ऐसा मानना है कि काशी धाम में राजा और गुरु दोनों के रूप में विराजित है। माना जाता है की बाबा विश्वनाथ दिन भर गुरु के रूप में भ्रमण करते हैं तो वहीं रात्रि में राजा के रूप में विराजमान हो जाते है। इसीलिए इनको राजराजेश्वर भी कहते है। भोलेसंग विराजमान देवी भगवती अन्नपूर्णा के रूप में रहकर काशी धाम में रहने वाले सभी लोगों का पेट भरती है तो वहीं बाबा विश्वनाथ मृत्यु के पश्चात तारक मन्त्र देकर उन्हें मुक्ति प्रदान करते है।

विद्वान हमेशा उच्च स्थान पर क्यों बैठते हैं ?

आर्य समाज के संस्थापक महाऋषि दयानंद ने अपने समय में सामाजिक, धार्मिक, क्रांति की थी। वेदों के अलावा और भी अनेक विषयों पर उन्होंने गहन अध्ययन किया था।

आर्य समाज के संस्थापक महाऋषि दयानंद ने अपने समय में सामाजिक, धार्मिक, क्रांति की थी। वेदों के अलावा और भी अनेक विषयों पर उन्होंने गहन अध्ययन किया था।

लोग उनकी प्रतिभा का लोहा मानते थे पर अनेक विद्वान मन ही मन उनसे ईर्ष्या भी करते थे। वह उन्हें नीचे दिखाने का मौका ढूंढते रहते थे, पर दयानंद इससे विचलित नहीं होते थे। वह अपनी प्रखर बौद्धिकता और विनोदप्रियता से उन्हें मात दे देते थे।

अनेक विरोधी दल बड़े उत्साह और जोश से उनके पास आते लेकिन हमेशा ही उनसे पराजित होकर लौट जाते।

एक दिन दक्षिण से जिज्ञासुओं का एक दल उनसे अपनी शंका का समाधान कराने आया। दयानंद ने उन सबका यथोचित सत्कार किया और प्रेमपूर्वक बैठने के लिए कहा।

उनमें से वेंकटगिरी नामक एक अतिथि बोला, ''जिस आसन पर आप विराजते हैं, मैं तो वहीं बैठूंगा।''

दयानंद ने उसके लिए अपना आसन छोड़ दिया। तभी पेड़ पर बैठा कौवा कांव-कांव करने लगा। दयानंद बोले, ''देख लीजिए यह कौवा कितन ऊंचे स्थान पर बैठा है, पर क्या केवल उच्च स्थान पर बैठने से कौवा भी विद्वान माना जाएगा ?''

तभी एक अन्य सज्जन ने उन्हें घेरने के लिए प्रश्न किया, ''तो बताइए कि आप एक विद्वान हैं या फिर एक सामान्य पुरुष ?''

दयानंद उसका आशय समझ गए। उन्होंने सोचा कि अगर वह खुद को विद्वान कहेंगे तो उसमें आत्मप्रशंसा झलकेगी और यदि अपने को सामान्य पुरुष बताएंगे तो प्रश्न उठेगा कि उन्हें दूसरे को उपदेश देने का अधिकार कैसे मिला ? उन्होंने कहा, ''भाइयों मैं वेद, व्याकरण, धर्म, दर्शन का विद्वान हूं, पर व्यापार, चिकित्सा शास्त्र आदि में एकदम शून्य हूं।''

दयानंद का यह उत्तर सुनकर लोगों की बोलती बंद हो गई। उन्होंने स्वामी जी से क्षमा मांग ली।

क्या भगवान शिव और विष्णु के बीच कोई युद्ध हुआ था ?

भगवान शिव और कृष्ण के बीच क्यों हुई लड़ाईः महाभारत और पौराणिक कहानियों के अनुसार श्रीकृष्ण और भगवान शिव के बीच ऐसा भंयकर युद्ध हुआ था कि पूरा ब्रह्मांड में हाहाकार मच गया था। इस रक्तरंजित युद्ध में कई देवताओं, शिवगण और नारायणी सेना ने भाग लिया था। पौराणिक कहानी के अनुसार माना जाता है कि महादेव और कृष्ण के बीच हुआ यह युद्ध कई वर्षों तक चलता रहा था। पौराणिक कहानी के अनुसार महादेव को अपने भक्त बाणासुर की रक्षा करने के लिए युद्ध करना पड़ा था। आइए, जानते हैं भगवान शिव और श्रीकृष्ण के बीच हुए युद्ध की कहानी।

भगवान शिव और श्रीकृष्ण दोनों भगवानों को एक-दूसरे का भक्त कहा जाता है। पौराणिक कहानियों के अनुसार भगवान शिव और श्रीकृष्ण एक-दूसरे के आराध्य ही नहीं माने जाते, बल्कि यह भी माना जाता है कि ये दोनों ही देवता एक-दूसरे के हृदय में वास करते हैं लेकिन महाभारत और कई पौराणिक कहानियों में भगवान शिव और श्रीकृष्ण के युद्ध का भी उल्लेख मिलता है। इस पौराणिक कहानी के अनुसार एक बार भगवान शिव और श्रीकृष्ण के बीच युद्ध छिड़ गया था। आइए, जानते हैं भगवान शिव और श्रीकृष्ण के बीच युद्ध की कहानी।

बाणासुर महादेव का परम भक्त था

बाणासुर महादेव का भक्त था। बाणासुर ने कई वर्षों तक तपस्या करके भगवान शिव को प्रसन्न किया था। बाणासुर से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने बाणासुर की रक्षा करने का वचन दिया। समय बीता और बाणासुर के घर में एक कन्या ने जन्म लिया। आगे चलकर यह कन्या भगवान श्रीकृष्ण के पोते अनिरुद्ध को चाहने लगी। अनिरुद्ध को देखकर बाणासुर की बेटी उषा उनसे विवाह करना चाहते थी। एक दिन उसने अपने मन की व्यथा अपनी सहेली चित्रलेखा को बताई। चित्रलेखा के पास कई मायावी शक्तियां थीं, इसलिए इन शक्तियों का इस्तेमाल करके चित्रलेखा ने कृष्ण जी के पोते अनिरुद्ध का हरण कर लिया। बाणासुर के महल में पहुंचकर अनिरुद्ध को चित्रलेखा से सारी बात पता चली। बाणासुर की बेटी की भावनाओं को जानकर अनिरुद्ध के मन में भी प्रेम के अंकुर फूट पड़े। इसके बाद अनिरुद्ध और उषा ने गंधर्व विवाह कर लिया। जब यह बात बाणासुर को पता चली, तो उसने बीच मार्ग से ही अनिरुद्ध का अपहरण करके उन्हें बंदी बना लिया।

श्रीकृष्ण के पास पहुंची अनिरुद्ध को बंदी बनाए जाने की सूचना

श्रीकृष्ण को जब इस बात की सूचना मिली कि बाणासुर ने अनिरुद्ध को बंदी बनाकर अपने महल में रखा हुआ है, तो श्रीकृष्ण बलराम, साम्ब, प्रद्युम्न और अपनी नारायणी सेना के साथ बाणासुर से युद्ध करने के लिए उसके राज्य में पहुंच गए। बाणासुर को जब श्रीकृष्ण और उनकी सेना के आने की सूचना मिली, तो बाणासुर को पता चल गया कि वह अकेले श्रीकृष्ण और उनकी नारायणी सेना का सामना नहीं कर सकता, इसलिए उसने अपनी रक्षा के लिए महादेव को बुलावा भेजा।

भगवान शिव बाणासुर की रक्षा करने के लिए लेकर आए अपनी सेना

भगवान शिव ने अपने भक्त बाणासुर की रक्षा करने का वचन दिया था, इसलिए युद्ध का समाचार सुनकर महादेव नंदी, कार्तिकेय और अन्य कैलाश वासी योद्धाओं के साथ बाणासुर के राज्य में आए। जब भगवान शिव ने श्रीकृष्ण को अपनी नारायणी सेना के साथ देखा, तो उन्होंने अपने भक्त बाणासुर की रक्षा करने के लिए श्रीकृष्ण से युद्ध करने का निश्चय किया। कृष्ण जी की नारायणी सेना और महादेव के कैलाश गण सभी आपस में युद्ध करने लगे।

श्रीकृष्ण और महादेव के बीच हुआ भंयकर युद्ध

चारों तरफ भीषण रक्तपात हो रहा था। इधर महादेव भी अपने भक्त की रक्षा करने के लिए श्रीकृष्ण से युद्ध कर रहे थे। दोनों देवताओं ने एक-दूसरे पर कई अस्त्र छोड़े। भगवान शिव ने श्रीकृष्ण पर पाशुपातास्त्र से आक्रमण किया, इसका उत्तर देते हुए श्रीकृष्ण ने महादेव पर नारायणस्त्र से प्रहार किया। महादेव और कृष्ण के बीच हुए इस भंयकर युद्ध से सृष्टि में हाहाकार मच गया। जब श्रीकृष्ण ने देखा कि महादेव अपने भक्त की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं और उनके रहते बाणासुर को कुछ नहीं हो सकता, तो उन्होंने महादेव का मान रखते हुए उन पर निद्रास्त्र का प्रयोग किया, जिससे महादेव गहरी निद्रा में सो गए।

महादेव की निद्रा के बाद बाणासुर पर श्रीकृष्ण ने किया प्रहार

भगवान शिव के निद्रा में जाते ही भगवान कृष्ण ने बाणासुर से युद्ध करना शुरू किया। कृष्ण ने बाणासुर को अपनी भूल सुधारने के लिए कहा लेकिन अंहकारी बाणासुर ने उनकी कोई बात नहीं मानी। तब श्रीकृष्ण ने बाणासुर की भुजाएं काट दीं, जब बाणासुर की चार भुजाएं शेष रह गई, तो महादेव निद्रा से जागे और कृष्ण जी से फिर से युद्ध करने लगे। इस भंयकर युद्ध का कोई निष्कर्ष नहीं निकल पा रहा था। इस भंयकर दृश्य को देखकर सभी देवता ब्रह्मा जी के पास पहुंचे। ब्रह्मा जी ने माता दुर्गा का आह्वान करके उन्हें भगवान शिव और कृष्ण के युद्ध पर विराम लगाने की प्रार्थना की।

देवी दुर्गा की कृपा से महादेव और श्रीकृष्ण का युद्ध समाप्त हुआ

देवी दुर्गा जब रणभूमि पर पहुंचीं, तो महादेव और श्रीकृष्ण सहित सभी योद्धाओं ने देवी दुर्गा को नमन किया। तब देवी दुर्गा ने भगवान शिव और श्रीकृष्ण से युद्ध की समाप्ति का निवेदन किया। देवी दुर्गा ने कृष्ण जी से विनम्रपूर्वक कहा हे माधव!

बाणासुर आपके भक्त प्रह्लाद का वंशज है और आपने प्रह्लाद को वरदान दिया था कि उनके वंश का कोई भी मनुष्य आपके हाथों से नहीं मारा जाएगा। देवी दुर्गा की बात सुनकर श्रीकृष्ण ने मुस्कुराकर बाणासुर को देखा। देवी दुर्गा की बात सुनकर बाणासुर को अपनी भूल का पश्चाताप हुआ और उसने महादेव और श्रीकृष्ण को इस परिस्थिति में डालने के लिए क्षमा मांगी। इसके बाद युद्ध की समाप्ति हुई।

नवग्रह शांति के लिए रुद्राभिषेक कैसे करें ?

1. यदि आपकी कुंडली में सूर्य दोष, सूर्य से संबंधित कष्ट, रोग आदि हो तो श्वेतार्क के पत्तों को पीस लें और उसे गंगाजल में डाल दें। फिर उससे रुद्राभिषेक करें। कष्ट से मुक्ति मिलेगी।
2. कुंडली के चंद्र दोष, उससे संबंधित रोग या कष्ट से मुक्ति के लिए काले तिल को पीस लें और उसे गंगाजल में मिलाकर रुद्राभिषेक करें। आपको लाभ होगा।
3. मंगल दोष को दूर करें या उससे जुड़े कष्ट या रोगों से मुक्ति के लिए अमृता के रस को गंगाजल में मिला लें। उससे रुद्राभिषेक करने से फायदा होगी।
4. कुंडली के बुध दोष और उससे जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए विधारा के रस से रुद्राभिषेक करें।
5. गुरु दोष से मुक्ति के लिए आप गाय के दूध में हल्दी मिला लें। उससे रुद्राभिषेक करें। इससे गुरु ग्रह से जुड़ी अशांति दूर होगी।
6. कुंडली में व्याप्त शुक्र दोष और उससे जुड़ी समस्याओं के निवारण के लिए आप गाय के दूध से बने छाछ से भगवान शिव का रुद्राभिषेक कराएं। आपको जल्द फायदा मिल सकता है।
7. शनि की पीड़ा, कष्ट और कुंडली के शनि दोष से मुक्ति के लिए गंगाजल में शमी के पत्ते को पीसकर मिला लें। फिर उससे रुद्राभिषेक करें। आपको लाभ मिल सकता है।
8. पाप ग्रह राहु की पीड़ा, उससे जुड़ी समस्याओं से मुक्ति के लिए गंगाजल में दूर्वा मिला लें। फिर उससे रुद्राभिषेक करें।
9. कुंडली के केतु दोष या उससे होने वाले रोगों के निवारण के लिए गंगाजल में कुश की जड़ पीसकर मिला दें। उससे रुद्राभिषेक करें, आपकी समस्याएं दूर होंगी।

मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए रुद्राभिषेक

1. धन प्राप्ति के लिए आप स्फटिक के बले शिवलिंग पर गाय के दूध या फिर गन्ने के रस से रुद्राभिषेक कराएं।
2. जीवन में सुख और समृद्धि पाने के लिए आपको गाय के दूध में चीनी और मेवे मिलाकर रुद्राभिषेक कराना चाहिए।
3. शत्रुओं पर विजय प्राप्ति और उनके समूल नाश के लिए सरसों के तेल से रुद्राभिषेक करें।
4. पुत्र की प्राप्ति के लिए गाय के घी या मक्खन से रुद्राभिषेक कराना चाहिए।
5. भूमि, भवन, वाहन या अन्य किसी प्रकार की प्रॉपर्टी की प्राप्ति के लिए शहद से रुद्राभिषेक करना चाहिए।
6. किसी विशेष मनोकामना की पूर्ति के लिए गाय के घी से रुद्राभिषेक करें।

अहाना ने सोशल मीडिया को कलाकारों के लिया बताया अभिशाप

कहा- हर दिन रील बन रही तो अभिनय कौन करेगा

अभिनेत्री अहाना एस कुमरा ने हिंदी सिनेमा ने अपने 10 साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन के साथ टीवी शो 'युद्ध' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। वह 'लिपस्टिक अंडर माय बुर्का', 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' और 'सलाम वेंकी' जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। इसके बावजूद भी उन्हें लगता है कि आज उनके लिए काम पाना पहले की तुलना में कहीं ज्यादा मुश्किल है। उन्होंने कहा कि प्रभाव और नेटवर्किंग ही एकमात्र ऐसी चीज हैं, जिनके जरिए आपको काम मिल रहा है।

अहाना ने कहा, 'बहुत से सितारे उलझन में हैं कि इससे कैसे निपटा जाए, क्योंकि हमें सोशल मीडिया पर आक्रामक रूप से सक्रिय रहने और पीआर एजेंसियों की मदद लेने के लिए कहा जा रहा है।' अभिनेत्री ने कहा सोशल मीडिया अभिनेताओं के लिए वरदान से ज्यादा अभिशाप बन गया है। उन्होंने कहा, 'जब मैंने शुरुआत की थी, तो सोशल मीडिया पर खास तरह का दिखने और रील और डांस वीडियो करते रहने का इस तरह का दबाव नहीं था। आज बहुत सारी कास्टिंग सोशल मीडिया फॉलोअर्स के आधार पर हो रही है।'

उन्होंने कहा, 'आज के समय में काम पाना बहुत मुश्किल और बेहद दर्दनाक है। यहां तक कि जिन फिल्म निर्माताओं के साथ आप काम करना चाहते हैं, वे भी सोशल मीडिया के प्रभाव वाले लोगों की ओर बढ़ रहे हैं। इसलिए कलाकार सोच में पड़ जाते हैं कि क्या मुझे एक प्रभावशाली व्यक्ति बन जाना चाहिए और नौकरी पाने के लिए सोशल मीडिया पर नाचना शुरू कर देना चाहिए?'

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'क्या मुझे बड़बड़ाना शुरू कर देना चाहिए। नकल करनी चाहिए या दिल्ली की आंटी की तरह बनना चाहिए? क्या आपको इस तरह से नौकरी मिलेगी? क्योंकि मुझे नहीं लगता कि वे लोग इससे ज्यादा कुछ कर पाएंगे।' अहाना ने कहा कि सोशल मीडिया के दबाव के साथ बाहरी व्यक्ति होना भी इंडस्ट्री में नुकसानदेह है। उन्होंने कहा, 'भारत में एक समय के बाद हमारी इंडस्ट्री में अभिनेताओं की कमी हो जाएगी। अगर आपको हर दिन सोशल मीडिया रील बनाने और कास्ट होने के लिए डांस करने के लिए कहा जाए, तो कौन अभिनय करने जा रहा है?'

अहाना कुमरा ने नेपोटिज्म को लेकर कहा, 'यह एक बहुत ही क्रूर और कठिन इंडस्ट्री है। बाहरी व्यक्ति के तौर पर यह आपको दूसरा मौका नहीं देती, जबकि अंदरूनी व्यक्ति के तौर पर आपको 20-30 फिल्में बर्बाद करनी पड़ती हैं। ताकि इससे पहले आप यह समझ पाएं कि कैसे परफॉर्म करना है। फिल्मी परिवारों के युवा बच्चों को इंडस्ट्री में आने के लिए पांच साल की उम्र से ही तैयार किया जाता है। आज के समय में यह थोड़ा सा गुटबाजी वाला है।'

प्रशंसकों के प्यार से अभिभूत हैं सना मकबूल

जीत के बाद साझा किया पहला पोस्ट

'बिग बॉस ओटीटी 3' की ट्रॉफी जीतने के बाद अभिनेत्री सना मकबूल ने अपना पहला इंस्टाग्राम पोस्ट साझा किया है। इस पोस्ट में उन्होंने अपने प्रशंसकों का धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने अपनी जीत का श्रेय प्रशंसकों को देते हुए कहा कि यह एक सामूहिक जीत है। वह उनके द्वारा मिले प्यार से अभिभूत हैं। उन्होंने प्रशंसकों से कहा कि वह इसी तरह अपना प्यार और स्नेह उन पर बनाए रखें।

वीडियो पोस्ट साझा कर जताया आभार

सना ने अपने वीडियो पोस्ट में प्रशंसकों का आभार जताते हुए कहा, 'मैं आप सभी का धन्यवाद करना चाहती हूं। यह हम सबकी जीत है। मुझे आप सब ने ढेर सारा प्यार दिया और मैं चाहती हूं आप इसी तरह ढेर सारा प्यार मुझे देते रहें। ऐसे ही प्यार करें और ऐसे ही सपोर्ट करें। धन्यवाद!'

कैप्शन में लिखा भावनात्मक नोट

सना ने वीडियो संदेश के कैप्शन में लिखा, 'बिग बॉस ओटीटी 3' के सफर के दौरान मुझे प्यार मिला, उसके लिए मैं आभारी हूं। यह आपका अटूट समर्थन है जिसने ट्रॉफी को घर तक लाया है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैंने कि त नी नकारात्मकता का सामना किया, आपके प्यार ने सब कुछ खत्म कर दिया। यह वही है जो मैंने वास्तव में पाया है। मेरे दिल की गहराई से आपका बहुत-बहुत धन्यवाद

बिग बॉस में सना मकबूल का सफर

सना मकबूल ने नैजी को पछाड़ते हुए 'बिग बॉस ओटीटी 3' की ट्रॉफी अपने नाम कर ली। बिग बॉस के घर में उनका सफर काफी चुनौतीपूर्ण रहा। सना की जीत से बाकी घर वाले खुश नहीं है। उन्हें लगता है कि सना मकबूल ट्रॉफी के लिए डिजर्विंग नहीं हैं। रणवीर शौरी, अरमान मलिक और साई केतन ने सना की जीत से बिल्कुल भी खुश नजर नहीं आएं। हालांकि, सना दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रहीं और उन्होंने 'बिग बॉस ओटीटी 3' को जीत लिया।

अमिताभ की नातिन नव्या का सिद्धांत चतुर्वेदी से हुआ ब्रेकअप! अलग होने के बाद भी हैं दोस्त

अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा का नाम काफी वक्त से 'गली बॉय' फेम एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ जोड़ा जा रहा है। इसी बीच सुनने में आया है कि दोनों का ब्रेक अप हो गया है। दोनों बीते काफी वक्त से साथ नजर नहीं आए हैं। साथ ही दोनों ने सोशल मीडिया पर भी एक दूसरे से दूरी बना ली है।

लाइक नहीं कर रहे एक दूसरे के पोस्ट

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट एक रिपोर्ट के मुताबिक नव्या और सिद्धांत ऑफिशियली अलग हो गए हैं। हालांकि, दोनों ब्रेक अप के बाद भी अच्छे दोस्त बने हुए हैं। सोशल मीडिया पर भी फैंस ने दोनों के बीच दूरी नोटिस की है। पहले दोनों इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे के पोस्ट्स लाइक करते थे, मगर अब ऐसा नहीं है।

दोनों साथ में ऋषिकेश ट्रिप पर गए थे दोनों की डेटिंग की चर्चा तब शुरू हुई थी जब दोनों कई इवेंट्स पर साथ नजर आए थे। दोनों छुट्टियां मनाने के लिए ऋषिकेश भी गए थे और वहां से फोटोज भी शेयर किए थे। दोनों एक-दूसरे के घर पर होने वाली पार्टीज में भी साथ नजर आते थे।

'धड़क 2' में नजर आएंगे सिद्धांत

वर्कफ्रंट पर सिद्धांत आखिरी बार नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई 'खो गए हम कहां' में नजर आए थे। आने वाले वक्त में वो 'धड़क 2' में नजर आएंगे। इसमें उनके अपोजिट 'एनिमल' फेम तृप्ति डिमरी होंगी।

अनुराग कश्यप ने की साउथ सिनेमा की तारीफ

बोले- बॉलीवुड रियल कहानियों की बजाय स्टार पावर पर निर्भर रहता है

फिल्ममेकर-एक्टर अनुराग कश्यप ने बॉलीवुड पर एक बड़ा बयान दिया है। कश्यप ने कहा कि बॉलीवुड अक्सर असली कहानी की बजाय स्टार पावर पर निर्भर रहता है। यही वजह है कि साउथ की फिल्में बॉलीवुड से बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं।

एक इंटरव्यू में कश्यप ने कहा, 'बॉलीवुड में स्टार पावर पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है, जबकि साउथ की फिल्म इंडस्ट्री असली कहानियों पर ध्यान देती है।'

उन्होंने द हिंदू से बातचीत में फहाद फासिल की फिल्म 'आवेशम' की सराहना की और कहा, 'इस फिल्म के मेकर्स ने मुख्य भूमिकाओं में तीन इन्फ्लुएंसर्स को कास्ट करने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाई। बॉलीवुड में ऐसी भूमिकाओं के लिए बड़े सितारे ही होते हैं, जो केवल स्टार पावर पर ध्यान देते हैं।'

अनुराग ने बॉलीवुड के बार-बार एक ही फार्मूला अपनाने की आलोचना भी की। हालांकि, उन्होंने कहा कि जब बॉलीवुड नया और ओरिजिनल कंटेंट पेश करता है, तो शानदार फिल्में बनती हैं। उन्होंने '12th फेल' और 'लापता लेडीज' जैसी फिल्मों की तारीफ की और कहा, 'ये फिल्में तभी सफल होती हैं जब कुछ नया पेश किया जाता है।'एक और इंटरव्यू में, कश्यप ने बॉलीवुड पर पैसे की बर्बादी का आरोप लगाया। इस बारे में उन्होंने कहा, 'बहुत सारा पैसा फिल्म बनाने में नहीं जाता, बल्कि फिल्म की प्रमोशन और टीम के खर्चों पर चला जाता है।'बता दें कि अनुराग कश्यप हाल ही में विजय सेतुपति की फिल्म 'महाराजा' और गुलशन देवैया के साथ 'बैड कॉप' में नजर आए थे।

शाहरुख खान का बेटे अबराम संग न्यूयॉर्क से वीडियो वायरल, किंग खान के अंदाज पर टिक जाएंगी निगाहें

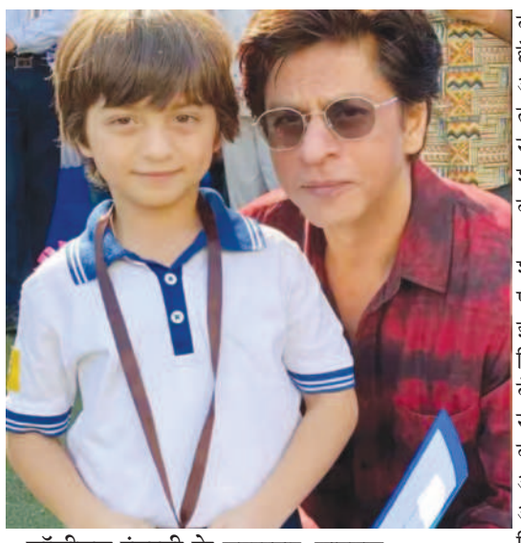

बॉलीवुड इंडस्ट्री के सुपरस्टार शाहरुख खान अपने फैंस के दिल पर राज करते हैं। फैंस भी अपने पसंदीदा स्टार्स पर प्यार बरसाने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। इसके साथ ही शाहरुख खान की एक झलक देखने के लिए फैंस उतावले रहते हैं। शाहरुख खान एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और उनके साथ छोटा बेटा अबराम भी नजर आ रहा है। शाहरुख खान और अबराम का ये वीडियो न्यूयॉर्क का बताया जा रहा है। फिलहाल, शाहरुख खान के अंदाज ने एक बार फिर उनके तमाम चाहने वाले फैंस का ध्यान खींचा है। आइए देखते हैं कि शाहरुख खान के इस वीडियो में क्या खास है।

इंडस्ट्री के पॉपुलर एक्टर शाहरुख खान का सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि शाहरुख खान एक रेस्टोरेंट में बैठे नजर आ रहे हैं। शाहरुख खान अपने बालों को हाथों से सही करते हैं। वहीं, उनका छोटा बेटा अबराम चहलकदमी करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को एक ट्विटर यूजर ने शेयर करते हुए लिखा है, 'जब आप थाई विला में हों और शाहरुख आपके सामने टेबल पर बैठे हों।' इस वीडियो के वायरल होने के बाद फैंस को शाहरुख खान का अंदाज पसंद आ रहा है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले शाहरुख खान अपनी बेटी सुहाना खान के साथ न्यूयॉर्क के एक कैफे में नजर आए थे और उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी।

आमिर खान एक्टिंग से ले रहे संन्यास, बेटे जुनैद को सारी जिम्मेदारी सौंपकर कहा- 'मैं रिटायर हो रहा हूं'

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान इन दिनों एक्टिंग और लाइमलाइट से दूर रहकर शांति में अपना लाइफ बिता रहे हैं। इसी बीच आमिर के लाडले जुनैद खान ने बॉलीवुड में डेब्यू कर लिया है। जुनैद ने जयदीप अहलावत के साथ फिल्म 'महाराज' के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया है। अब इसी बीच आमिर खान को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल आमिर के बेटे जुनैद खान ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि वह रिटायरमेंट के दौर से गुजर रहे हैं और उन्होंने आमिर खान प्रोडक्शंस की जिम्मेदारी भी मुझे दे दी है। बता दें कि फिलहाल जुनैद खान फिल्म 'प्रीतम प्यारे' को प्रोड्यूस कर रहे हैं।

जुनैद खान ने एक इंटरव्यू में बताया कि मैं कई फिल्मों में कैमरे के पीछे काम कर चुका हूं। जुनैद खान ने कहा, 'मैंने पीके के सेटि पर कैमरे के पीछे काम किया है, इसके अलावा मैं विज्ञापन शूट भी कर चुका हैं।' जुनैद खान ने बताया कि 'महाराज' की शूटिंग पूरी करने के बाद हम आमिर खान प्रोडक्शंस में एक फिल्म पर काम कर रहे थे। जुनैद ने बताया कि जब मां किरण राव फिल्म 'लापता लेडीज' बना रही थीं और पिताजी का कहना था, 'मैं रिटायर हो रहा हूं, तुम क्यों नहीं संभाल लेते इसे। और इसी दौरान मैंने आमिर खान प्रोडक्शंस की कमान संभाली।'

केवल इतना ही नहीं एक्टर जुनैद खान ने इंटरव्यू के दौरान बताया कि मेरे पिता मेरे डेब्यू को लेकर काफी खुश थे, उन्हें बिल्कुल भी टेंशन नहीं थी। मेरे पिता और मां दोनों को यह फिल्म बहुत पसंद आई। केवल इतना ही नहीं जुनैद खान ने इंटरव्यू में यह भी बताया कि पिता आमिर खान उनके फिल्म के सेट पर एक दिन भी नहीं आए और ना ही उन्होंने इस फिल्म में कोई दखल दिया। हालांकि जब आखिर में उन्होंने ये फिल्म देखी तो उन्हें ये बहुत अच्छी लगी थी। बता दें कि आमिर खान के तीन बच्चे हैं, जिनमें सबसे बड़े जुनैद खान, फिर आईरा खान और फिर छोटे आजाद हैं।

तब तक काम करूंगा, जब तक लोग शूट ना कर दें : अक्षय कुमार

ट्रोलर्स बोले- यही एटीट्यूड ले डूबेगा

अक्षय कुमारी की पिछली फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म नहीं किया है। इस वजह से उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है। अब हाल ही में अक्षय ने कहा है कि उन्हें इन चीजों से फर्क नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा कि वे तब तक काम करेंगे, जब तक ट्रोलर्स उन्हें शूट नहीं कर देंगे।

पढ़िए अक्षय ने ट्रोलर्स के लिए क्या कहा?

अक्षय ने यह बातें अपकमिंग फिल्म 'खेल खेल में हैं' के ट्रेलर लॉन्च के दौरान कही हैं। उन्होंने कहा- एक जर्नलिस्ट ने खबर लिखी थी कि भाई परेशान ना हो, आपका कमबैक जरूर होगा। मैंने उसे फोन करके कहा- भाई तुम यह क्यों लिख रहे हो। मैं गया ही कहा था कि मेरा कमबैक होगा। इधर ही हूं, काम करते रहूंगा, हमेशा करते रहूंगा। लोग चाहे कुछ भी बोलें।

अक्षय ने आगे कहा- सुबह उठना है, कसरत करना है, काम पर जाना है और वापस आना है। जो भी कमाता हूं, अपने दम पर कमाता हूं। मैंने कभी किसी से कुछ मांगा नहीं है। मैं तब तक काम करता रहूंगा, जब तक ये लोग मुझे शूट नहीं कर देंगे।

अक्षय के मुताबिक, जो होता है, अच्छे के लिए होता है और आगे भी अच्छे के लिए होगा। उन्होंने कहा- मेरी 4-5 फिल्में फ्लॉप रही हैं। लेकिन लोग ऐसे मैसेज करते हैं कि भाई परेशान ना हो, सब ठीक हो जाएगा। मैं उनसे कहता हूं कि भाई मरा नहीं हूं।

अक्षय के बयान पर भड़के ट्रोलर्स

अक्षय के इस बयान को कुछ लोग सपोर्ट कर रहे हैं, तो वहीं कुछ अभी भी एक्टर पर भड़के हुए हैं। सोशल मीडिया पर एक ट्रोलर ने कमेंट कर लिखा- जब एक्टर की फिल्म फ्लॉप हो जाती है, तो बचाव में ऐसे ही बयान देते हैं...फ्लॉप अक्षय।

वहीं दूसरे ट्रोलर ने लिखा- अक्षय का यह एटीट्यूड उनको ले डूबेगा। यह फिल्म भी पिटेगी। कुछ समय पहले भी अक्षय ने फ्लॉप फिल्मों पर बात की थी। एक इंटरव्यू में अक्षय कुमार ने कहा था- कई लोगों को प्रॉब्लम है कि मैं साल में 4 फिल्में क्यों कर रहा हूं। मुझे समझ में नहीं आता कि लोगों को इस बात से तकलीफ क्यों होती है। अगर दो साल में एक फिल्म करूं तो इसकी क्या गारंटी है कि वो सफल होगी। एक साल में हिंदी में लगभग 200 फिल्में बनती हैं। साउथ में भी काफी फिल्में बनती हैं। इन तमाम फिल्मों में लगभग 8-12 ही एक्टर होते हैं फिर भी यह सवाल किया जाता है कि नंबर वन एक्टर कौन है और कौन नहीं है। हर किसी के पास काम है।

अथिया- राहुल ने चैरिटी की शुरुआत की : जरुरतमंद बच्चों के लिए उठाया कदम

एक्ट्रेस अथिया शेट्टी और क्रिकेटर केएल राहुल ने एक चैरिटी वेंचर की अनाउंसमेंट की है। इस चैरिटी वेंचर का नाम 'क्रिकेट फॉर ए कॉज' रखा गया है। दोनों ने इस वेंचर की शुरुआत विपला फाउंडेशन के लिए धन जुटाने के लिए किया है।

अथिया और राहुल के साथ क्रिकेट जगत के कई मशहूर लोग इस वेंचर में शामिल हुए हैं। इस लिस्ट में विराट कोहली, एमएस धोनी, राहुल द्रविड़, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, श्रेयस अय्यर, युजवेंद्र चहल, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, रवींद्र जडेजा जैसे खिलाड़ियों का नाम शामिल है।

इनके अलावा जोस बटलर, क्विंटन डी कॉक, मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन जैसे इंटरनेशनल खिलाड़ियों का नाम भी शामिल है।

इस वेंचर के तहत राहुल और अथिया ने एक खास क्रिकेट नीलामी का आयोजन किया है। इसमें ये खिलाड़ी अपनी फेवरेट चीजें डोनेट करेंगे और फाउंडेशन के लिए धन जुटाने का काम करेंगे। अथिया ने इस वेंचर के बारे में कहा- विपला फाउंडेशन मेरे बचपन का अहम हिस्सा रहा है। मैंने स्कूल के बाद कई दिन बच्चों को पढ़ाने और उनके साथ समय बिताने में बिताए हैं। इस निलामी के जरिए मैं अपनी नानी की विरासत को आगे बढ़ाने की उम्मीद करती हूं। नानी ने विपला फाउंडेशन की शुरुआत जरुरतमंद बच्चों के लिए की थी।

इस वेंचर का हिस्सा बनने पर राहुल ने खुशी जाहिर की

वहीं केएल राहुल ने कहा- स्कूल में मेरा पहला टूर बहुत भावुक कर देने वाला था। बच्चों ने ही मुझे इस वेंचर की शुरुआत करने के लिए मोटिवेट किया, जिसका हिस्सा अथिया का परिवार रहा है। जब मैंने इसके लिए क्रिकेट जगत के लोगों से संपर्क किया, तो उन्होंने इस महान काम में अपना योगदान देने के लिए आगे आए।

लंबे समय से सिल्वर स्क्रीन से दूर हैं अथिया

अथिया के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार 2019 में फिल्म मोतीचूर चकनाचूर में देखा गया था। इस फिल्म में उन्होंने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम किया था। अथिया ने 2015 की फिल्म हीरो से डेब्यू किया था। वे अर्जुन कपूर स्टारर फिल्म मुबारकां का भी हिस्सा रही थीं।

रैगिंग को लेकर शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु का बड़ा बयान

बताया उच्च शिक्षण संस्थानों में एक 'बीमारी'

कोलकाता, 4 अगस्त (एजेंसियां)। उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग को लेकर वेस्ट बंगाल के शिक्षा मंत्री का एक बड़ा बयान सामने आया है। राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग को एक 'बीमारी' करार दिया, जिसे सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी से खत्म किया जाना चाहिए।उन्होंने स्कॉटिश चर्च कॉलेज में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि सीनियर और जूनियर छात्रों को रैगिंग के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। 'सीनियर और जूनियर छात्रों को एक दूसरे के प्रति प्रेम भाव और सम्मान दिखाने आग्रह करता हूं' ब्रत्य बसु ने कहा, कॉलेज और विश्वविद्यालय प्रबंधन की जहां रैगिंग के प्रति कई बर्दाश्त नहीं करने वाले नीति है, वहीं छात्रों को भी इस बुराई के खिलाफ जागरूक किया जाना चाहिए। मैं सीनियर छात्रों से जूनियर छात्रों के

प्रति प्रेम भाव दिखाने का अनुरोध करता हूं। साथ ही, मैं जूनियर छात्रों से भी सीनियर छात्रों का सम्मान करने और उनके प्रति प्रेम भाव दिखाने का आग्रह करता हूं। राज्य के शिक्षा मंत्री ने सात अगस्त को राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रथम वर्ष की कक्षाएं शुरू होने से पहले यह टिप्पणी की। पिछले वर्ष 10 अगस्त को जादवपुर विश्वविद्यालय में प्रथम वर्ष के स्नातक छात्र की कथित तौर पर रैगिंग के बाद हुई मौत की घटना पर बसु ने कहा कि संस्थान के अधिकारियों ने कई कदम उठाए हैं और उन्हें अद्यतन जानकारी दी जा रही है।

'दिल्ली विश्वविद्यालय रैगिंग के समाधान के लिए नए सत्र से पहले दो संयुक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित करेगा'

बीते कुछ दिन पहले दिल्ली विश्वविद्यालय ने जानकारी दी थी कि नए शैक्षणिक वर्ष की शुरूआत से पहले रैगिंग की शिकायतों के समाधान के लिए दो संयुक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित करेगा। दिल्ली पुलिस के समन्वय से छात्रों का विश्वविद्यालय में परिचय कार्यक्रम सुचारू रूप से संचालित किया जाना सुनिश्चित करने के लिए उत्तरी और दक्षिणी परिसरों के लिए एक-एक नियंत्रण कक्ष एक से 10 अगस्त के बीच चालू रहेंगे। विश्वविद्यालय ने एक बयान में कहा था कि अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए विश्वविद्यालय और प्रत्येक कॉलेज परिसर के बाहर सामान्य कपड़ों में महिला पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा।

वायनाड में भूस्खलन से तबाही, राष्ट्रीय आपदा की मांग को लेकर क्या बोले केरल से इकलौते बीजेपी सांसद?

वायनाड, 4 अगस्त (एजेंसियां)। केरल के पर्वतीय जिले में भारी बारिश के बीच भूस्खलन से 300 से अधिक मौते हो गईं। काफी संख्या में लोग अब भी लापता हैं। जिले में राहत और बचाव कार्य अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार से केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन की घटना को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की विभिन्न हलकों से उठ रही मांग की वैधता की जांच करेगी। इस घटना में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई है। केंद्रीय पर्यटन, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री गोपी ने कहा कि केंद्र सरकार भूस्खलन का मूल्यांकन करने के बाद इसके कानूनी पहलुओं की जांच करेगी। वायनाड जिले के मुंडक्कई और चूरलमाला में भूस्खलन से सैकड़ों घर तबाह हो गए हैं

और बड़ी संख्या में लोग मारे गए हैं। सुरेश गोपी ने कहा कि प्रभाव का आकलन किया जाना चाहिए। केंद्रीय राज्य मंत्री भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के लिए वायनाड पहुंचे थे। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने पर उन्होंने जो कुछ भी देखा और समझा है उसे वह केंद्र सरकार के सामने रखेंगे। केरल को केंद्र द्वारा दी जाने वाली सहायता के संबंध में पूछे जाने पर गोपी ने कहा कि राज्य को भूस्खलन के प्रभाव का आकलन करना होगा। इसको लेकर केंद्र से अनुरोध किया जाएगा। राष्ट्रीय आपदा घोषित किए जाने को लेकर राज्य को केंद्र को सूचित करना होगा। इसके बाद ही केंद्र सरकार से सहायता प्रदान करने के बारे में कुछ कहा जा सकता है।

बीजेपी वाले हिंदू-मुस्लिम के नाम पर जनता को लड़ाने का काम किया

उचाना कलां में संजय सिंह का नायब सिंह सैनी सरकार पर हमला

चंडीगढ, 4 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के उचाना कलां में रविवार को एक रैली को संबोधित करते हुए आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं के पास कोई काम नहीं है। उन्होंने हिंदू-मुस्लिम के नाम पर जनता को लड़ाने का काम किया है और कर रहे हैं। भाजपा का नाम अब भारतीय जनता पार्टी नहीं बल्कि भारतीय झगड़ा पार्टी है। संजय सिंह ने कहा कि बीजेपी को गालीबाज पार्टी करार देते हुए कहा कि दिल्ली में सीएम अरविंद केजरीवाल ने जनता को जनता के लिए बड़े पैमाने पर काम किया। उन्होंने इतना काम किया कि उसकी आवाज पंजाब तक पहुंची। पंजाब के लोगों ने विगत विधानसभा चुनाव में 117 सीटों में 92 सीटों पर आम आदमी पार्टी को चुना। जबकि साल 2017 के विधानसभा चुनाव में आप के सिर्फ 17 विधायक थे।

'पूर्व सीएम चन्नी को बना दिया चवन्नी'

पंजाब विधानसभा चुनाव 2022 में तत्कालीन सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह, प्रदेश के पांच बार सीएम रहे प्रकाश सिंह बादल साहब, पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल, कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू, विक्रम मजीठिया, पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी चुनाव हार गए। पंजाब के सीएम चन्नी को चवन्नी बनाने काम वहां की जनता ने किया। वह दो सीटों पर चुनाव लड़े और दोनों जगह से हार गए।

'बीजेपी ने ठगने का काम किया '

देश की राजधानी दिल्ली में वहां के लोगों ने बीजेपी को हरा दिया। आज मैं आपसे से पूछने के लिए आया हूं कि आप के वोट में ताकत है। हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में आप बीजेपी की जमानतें जब्त करा देना। बीजेपी से सावधान रहना। इन्होंने आपको ठगने का काम किया है। हरियाणा विधानसभा की कुल 90 सीटों के लिए आगामी अक्टूबर-नवंबर 2024 में चुनाव होंगे। तीन नवंबर को वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होगा। प्रदेश की विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 46 है।

वायनाड में तबाही देख पसीजा 'पुष्पा' का दिल

अल्लू अर्जुन ने मदद के लिए बढ़ाया हाथ

वायनाड, 4 अगस्त (एजेंसियां)। केरल के वायनाड में जो तबाही मची है उसे देख हर कोई सहम गया है। लैंडस्लाइड और बाढ़ के बाद वायनाड में जो हाल है उसके बाद पूरा देश उन लोगों के बारे में सोचकर दुखी है जिनकी जान चली गईं या फिर जिन्होंने अपनों को खो दिया है। बता दें, अभी तक करीब 365 लाशें मिली हैं। चार गांवों में मचे इस आतंक के बाद करीब 300 लोग अभी तक लापता हैं। 200 से ज्यादा लाशों की पहचान की जा चुकी है।

वायनाड में मची तबाही

इतना ही नहीं 150 बॉडीज तो टुकड़ों में मिली हैं। अभी तक जो लोग नहीं मिल पाए हैं उनके बचने की उम्मीदें भी काफी कम हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन की बदौलत 10 हजार लोगों को बचाया गया है। अब इनकी मदद के लिए कई लोगों ने हाथ आगे बढ़ाया है। बॉलीवुड और साउथ के भी तमाम सितारे इन लोगों की मदद के लिए आगे आए हैं। अब 'पुष्पा' एक्टर ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर एक बड़ा ऐलान किया है। एक्टर अल्लू अर्जुन का पोस्ट काफी वायरल हो रहा है।

मदद के लिए अल्लू अर्जुन ने बढ़ाए कदम

चलिए जानते हैं कि अल्लू अर्जुन ने अपने इस लेटेस्ट पोस्ट में क्या कहा है? और एक्टर कैसे लोगों की हेल्प के लिए आगे आए हैं। बता दें, अल्लू अर्जुन ने अब एक बड़ा डोनेशन किया है। एक्टर ने लाखों रुपए देकर वायनाड में फंसे लोगों की मदद का ऐलान किया है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, 'हाल ही में वायनाड में हुई लैंड स्लाइड देखकर बेहद दुखी हूं। केरल ने हमेशा मुझे ढेर सारा प्यार दिया है और मैं रिहैबिलिटेशन के काम में सपोर्ट के लिए केरल सीएम रिलीफ फंड में 25 लाख रुपए दान करके अपना योगदान देना चाहता हूं। आपकी सुरक्षा और शक्ति के लिए प्रार्थना कर रहा हूं।'

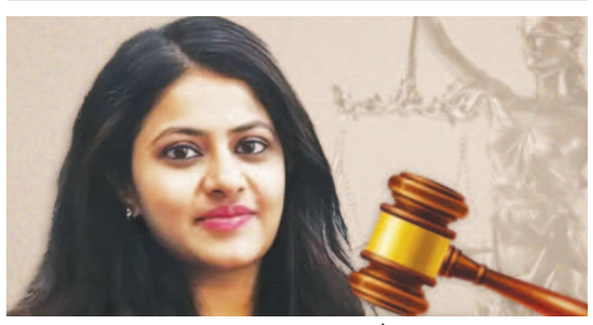

पूजा खेडकर पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार

आरोप साबित हुए तो कितने साल की हो सकती है जेल?

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। पुणे बर्खास्त आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर की मुश्किलें दिन पर दिन बढ़ती ही जा रही हैं. दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट से अग्रिम जमानत की याचिका खारिज होने के बाद उन पर गिरफ्तारी की तलवार भी लटक रही है. पूजा के खिलाफ यूपीएससी पहले ही एक्शन ले चुका है. उनकी आईएएस उम्मीदवारी रद्द हो चुकी है. यूपीएससी की ओर से पूजा के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला भी दर्ज करवाया है. ऐसे में अगर पूजा पर आरोप साबित होते हैं तो फिर उन्हें सलाखों के पीछे भी जाना पड़ सकता है.

पूजा खेडकर के खिलाफ यूपीएससी ने जो एफआईआर दर्ज कराई है उसमें जेल का भी प्रावधान है. पूजा के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 464, 471 और विकलांग व्यक्ति अधिकार अधिनियम की धारा 89 और 91 तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66डी के तहत एफआईआर दर्ज की गई है. ऐसे में अगर पूजा पर लगे धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोप सच साबित होते हैं तो उन्हें अधिकतम 7 साल की कैद हो सकती है. इसमें अदालत जुर्माना भी लगा सकती है.

किस धारा में कितनी सजा का प्रावधान?

भारतीय दंड संहिता की धारा 420 की बात करें तो इसका इस्तेमाल छल करने या फिर धोखाधड़ी के मामले में किया जाता है. इसमें आरोपी के खिलाफ अगर दोष सिद्ध होता है तो उसे अधिकतम 7 साल की सजा का प्रावधान है. इसके साथ-साथ अदालत चाहे तो जुर्माना भी लगा सकती है.

वहीं, धारा 464 का इस्तेमाल तब किया जाता है किसी व्यक्ति की ओर से किसी काल्पनिक व्यक्ति के नाम पर यह विश्वास दिलाने के इरादे से कि वह दस्तावेज किसी वास्तविक व्यक्ति द्वारा बनाया गया था. या फिर जाली दस्तावेज का इस्तेमाल किया गया हो. दोष सिद्ध होने पर अदालत दोषी को किसी एक अवधि के लिए कारावास की सजा सुना सकती है, जिसे 7 साल तक बढ़ाया जा सकता है. इसके साथ-साथ जुर्माने का भी प्रावधान है.

भारतीय दंड संहिता की धारा 471 की बात करें तो इसका इस्तेमाल तब किया जाता है जब किसी जाली दस्तावेज या इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को असली के रूप में उपयोग किया गया हो. इस मामले में अगर आरोपी के खिलाफ दोष सिद्ध होता है तो उसे अधिक से अधिक 2 साल की सजा का प्रावधान है. इसके साथ-साथ जुर्माना भी लगाया जा सकता है.

विकलांग व्यक्ति अधिकार अधिनियम की धारा 89 की बात करें तो उसे पहले उल्लंघन के लिए 10 हजार रुपए तक के जुर्माने से दंडित किया जा सकता है. दूसरे उल्लंघन के लिए कम से कम कम से कम 50,000 रुपए और अधिक से अधिक 5 लाख रुपए तक का जुर्माना लग सकता है.

विकलांग व्यक्ति अधिकार अधिनियम की धारा 91 में अगर आरोप साबित होते हैं तो दोषी को 2 साल तक की सजा या फिर 1 लाख तक का जुर्माना या फिर दोनों का प्रावधान है. इस धारा का इस्तेमाल तब किया जाता है जब कोई दिव्यांग व्यक्तियों के लिए किसी भी लाभ को धोखाधड़ी से हासिल करने का प्रयास करता है या फिर दिव्यांग व्यक्तियों को दिए जाने वाले किसी भी लाभ का लाभ उठाता है.

सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66डी की बात करें इसका इस्तेमाल तब किया जाता है जब कंप्यूटर के जरिए धोखाधड़ी की जाती है. इस मामले में दोष सिद्ध होने के बाद दोषी को अधिकतम 3 साल की कारावास या फिर एक लाख रुपए का जुर्माना या फिर दोनों का प्रावधान है.

जांच के समय भी पुलिस जोड़ सकती है और धारा

सीनियर वकील अमित शर्मा ने कहा कि इस तरह से देखें तो अगर पूजा खेडकर पर लगे आरोप कोर्ट में साबित होते हैं तो उन्हें अधिकतम 7 साल की सजा भी हो सकती है. फिलहाल पुलिस उनके खिलाफ दर्ज मामलों की जांच कर रही है. जांच में अगर पुलिस को लगता है कि पूजा के खिलाफ और भी मामले बनते हैं तो आगे चलकर वो उसे भी लगा सकती है. इसलिए पूजा खेडकर की मुश्किलें अब दिन पर दिन बढ़ने वाली है.

आदित्य ठाकरे के खिलाफ चुनाव लड़ सकती है मनसे

भतीजे को हराने के लिए राज ठाकरे ने बनाया ये खास प्लान

मुंबई, 4 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में अगले कुछ महीनों में विधानसभा के चुनाव हैं। राज्य में सभी पार्टियों ने सियासी गठजोड़ और चुनावी रणनीति पर चर्चा शुरू कर दी है। महाराष्ट्र के युवा नेता व पूर्व सीएम के बेटे आदित्य ठाकरे के खिलाफ उनके चाचा राज ठाकरे खेल बिगाड़ सकते हैं। आदित्य ठाकरे के खिलाफ राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) चुनाव लड़ सकती है। आदित्य ठाकरे अभी

वर्ली विधानसभा सीट से विधायक हैं। इसी सीट पर मनसे अपना उम्मदीवार उतार सकती है। 2024 के लोकसभा चुनाव में वर्ली में शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) उम्मीदवार की बढ़त 7,000 से भी कम रहने के मद्देनजर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अवसर का लाभ उठाकर आगामी विधानसभा चुनाव में इस सीट से संदीप देशपांडे को मैदान में उतार सकती है। वर्तमान में शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे इस सीट से विधायक हैं। दक्षिण लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा वर्ली विधानसभा सीट ऊंची इमारतों और संपन्न व्यापारिक संस्थानों का केंद्र माना जाता है। इस इलाके में पुलिस कॉलोनी और बीडीडी चॉल जैसी कई झुग्गी-बस्तियां भी हैं। जो पुनर्विकास का इंतजार कर रही हैं। इस इलाके में कई झुग्गी-बस्ती पुनर्वास परियोजनाएं काफी समय से रुकी हुई हैं।

सहारनपुर रेलवे स्टेशन के पास हादसा, पटरी से उतरी ट्रेन, मौके पर पहुंचे सांसद इमरान मसूद

सहारनपुर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में पैसेंजर ट्रेन का एक डिब्बा पटरी से उतर गया। सहारनपुर रेलवे स्टेशन के पास शारदा नगर रेल फाटक के पास यह हादसा हुआ। शंटिंग के दौरान ट्रेन का डिब्बा पटरी से उतरा। सहारनपुर-शामली के बीच चलने वाली ट्रेन डीएमयू का डिब्बा पटरी से उतरा। रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। दिल्ली से शामली ट्रेन संख्या- 01619 के दो डिब्बे वाशिंग के लिए जाते समय पटरी से उतरी है। कोई हताहत नहीं। सांसद इमरान मसूद घटना स्थल पर मौजूद हैं। इससे पहले आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम रेलवे स्टेशन पर बड़ा रेल हादसा हो गया। कोरबा एक्सप्रेस ट्रेन रविवार दोपहर प्लेटफार्म नंबर- 4 पर खड़ी थी, तभी उसकी कई बोगियों में आग पकड़ ली। इस हादसे में कोरबा एक्सप्रेस की एसी बोगी के एम-1, बी-7, बी-6 बोगी में आग लग गई। मौके पर पहुंचे रेलवे के दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। कोरबा एक्सप्रेस के बी-6, बी-7 के

खाली रेक से धुआं उठता हुआ दिखाई दिया। ये ट्रेन सुबह 6:30 बजे पहुंची थी। 9:45 बजे कोचिंग डिपो के लिए चलने वाली थी, तभी देखा गया कि देखा गया कि बी- 7 कोच से धुआं निकल रहा है। ट्रेन में आग लगने की जानकारी मिलते ही फायर बिगेड की टीम को बुलाया गया। तब तक बी-6, बी-7 और एम-1 कोच तक आग फैल गई थी। हालांकि, इस घटना में कोई को हताहत नहीं हुआ।

शादी डॉट कॉम पर मुलाकात, लड़की से निकलवाया लोन, फिर हड़प लिया पैसा; ठग की कहानी

मुंबई, 4 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कल्याण पश्चिम में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक जालसाज ने शादी डॉट कॉम पर एक युवती से दोस्ती की और फिर शादी का झांसा देकर उससे लाखों रुपये ऐंठ लिए। आरोपी के कहने पर युवती ने यह रकम बैंक से लोन लेकर दिया था। अगले महीने जब लोन की ईएमआई शुरू हुई तो युवती ने आरोपी से इस संबंध में बात किया, लेकिन आरोपी ने पैसे देने से इंकार कर दिया। इसके बाद पीड़ित युवती ने पुलिस में शिकायत दी। अब पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अरेस्ट कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कल्याण की खड़कपाड़ा पुलिस के मुताबिक पकड़े गए आरोपी की पहचान नासिक में रहने वाले सतीश पाटिल के रूप में हुई है। वह एक सीरियल क्रिमिनल है। वह पहले भी इसी प्रकार से कई लड़कियों के साथ शादी का झांसा देकर ठगी कर चुका है। पुलिस के मुताबिक इस बार आरोपी ने एक हाई प्रोफाइल सोसायटी में रहने वाली युवती को अपना शिकार बनाया। यह युवती एक प्राइवेट कंपनी में उच्च पद पर काम करती है। आरोपी ने कुछ महीने पहले शादी डॉट कॉम ऐप के जरिए इस युवती से परिचय किया, फिर दोनों की मुलाकात हुई। इस दौरान आरोपी सतीश ने भी खुद को एक प्रतिष्ठित कंपनी का मैनेजर बताया और युवती को शादी का झांसा देकर उसका भरोसा जीत लिया। कुछ ही दिन बाद आरोपी ने अपनी कुछ परेशानी बता कर युवती से कई लाख रुपये ऐंठ लिए। पीड़ित युवती ने भी आरोपी के भरोसे में आकर यह रकम बैंक से लोन लेकर दिया था।

पीड़ित युवती ने बताया कि अब इस लोन की ईएमआई शुरू हो चुकी है। पिछले महीने की किश्त तो उसने भर दी, लेकिन इस बार की भी किश्त जब आरोपी ने नहीं दिया तो उसने साफ मना कर दिया। पीड़िता ने बताया कि अपने साथ ठगी का एहसास होने पर उसने कल्याण के खडकपाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए आरोपी को नासिक से अरेस्ट किया है।

कर्नाटक में सब इंस्पेक्टर की रहस्यमयी मौत

पत्नी का आरोप- ट्रांसफर रोकने के लिए 30 लाख रुपये मांग रहे थे कांग्रेस नेता

बेंगलूरू, 4 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक में एक पुलिस सब इंस्पेक्टर की मौत से विवाद खड़ा हो गया है। मृतक पुलिसकर्मी की पत्नी ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस विधायक और उनके बेटे ने ट्रांसफर रोकने के लिए रिश्वत मांगकर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। सब इंस्पेक्टर की पत्नी की शिकायत पर विधायक और उनके बेटे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। कर्नाटक सरकार ने इस मामले की जांच को सीबीआई को सौंप दिया है। मामला कर्नाटक के यादगीर जिले का है।

यहां एक 34 वर्षीय पुलिस सब-इंस्पेक्टर की शुक्रवार को दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत हो गई। उनकी इस रहस्यमयी मौत ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। पीएसआई की पत्नी श्वेता ने अब कांग्रेस विधायक चेन्नारेड्डी पाटिल टुन्नूर और उनके बेटे पर अपने पति को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और ट्रांसफर रोकने के लिए 30 लाख रुपये मांगने का आरोप लगाया है।

34 वर्षीय परशुराम की मौत के बाद उनकी पत्नी श्वेता ने यादगीर टाउन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई और दलित संगठनों के साथ मिलकर एफआईआर और उनके पति की मौत की गहन जांच की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। यादगीर पुलिस ने बीएनएसएस की धारा 352,108,3(5) और एससी और एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(2)(वी),3(1)(आर)(एस) के तहत एफआईआर दर्ज की है।

दिल्ली-एनसीआर में अगले 3 दिनों तक बारिश का एलर्ट

यूपी, एमपी और महाराष्ट्र के इन जिलों में होगी झमाझम बारिश

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। देश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश का दौर जारी है। मैदानी क्षेत्रों में बारिश के चलते नदियां उफान पर हैं। पहाड़ी राज्यों और जिलों में भूस्खलन जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत कई राज्यों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र और गुजरात के कई जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश का अलर्ट

दिल्ली के कुछ हिस्सों में शनिवार को बारिश हुई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी का न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के लिए सामान्य है। आईएमडी ने दिल्ली में रविवार और सोमवार को आसमान में बादल छाए रहने और बारिश होने का अनुमान जताया है। साथ ही मंगलवार और बुधवार को भी तेज बारिश होने की संभावना जताई है। आईएमडी ने दिल्ली-एनसीआर के लिए 6 और 7 अगस्त को बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

यूपी के 30 जिलों में होगी बारिश

मौसम विभाग ने पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए रविवार से मंगलवार तक के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने बताया कि अगले तीन दिन तक यूपी के 30 जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है।

एमपी के इन जिलों में गरज के साथ बारिश

मध्य प्रदेश के कई जिलों में जमकर बारिश हो रही है। शनिवार को जबलपुर, बैतूल और रीवा जिलों में बारिश हुई। स्थानीय मौसम विभाग ने रविवार को 5 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। स्थानीय मौसम विभाग ने कहा कि रविवार को कटनी, उमरिया, बालाघाट, मैहर, शहडोल जिलों में गरज के साथ बारिश होगी।

ठाणे और रायगढ़ समेत कई जिलों में होगी जमकर बारिश

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई समेत कई शहरों में जमकर बारिश हो रही है। स्थानीय मौसम विभाग ने पालघर, ठाणे, रायगढ़, रत्नागिरी, नासिक, पुणे और सतारा में आज बारिश होने की संभावना जताई है। आईएमडी ने कहा कि मुंबई, सिंधुदुर्ग और धुले सहित शेष क्षेत्र येलो अलर्ट पर हैं, क्योंकि इन क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों के लिए अकोला, अमरावती, भंडारी, बुलढाणा और वाशिम जैसे जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में अलग-अलग इलाकों में गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने की संभावना है।

5 महिलाओं से शादी, 49 को दे रखा था प्रपोजल, ओडिशा के ठग की कहानी

भुवनेश्वर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। ओडिशा के भुवनेश्वर में एक युवक का एक के बाद एक बिना तलाक दिए 5 महिलाओं से शादी करने का मामला सामने आया है। आरोपी महिलाओं से प्यार करता और उनका भरोसा जीतकर कुछ समय बाद उनसे शादी भी कर लेता, ऐसा करते-करते युवक ने बिना किसी पत्नी को तलाक दिए कुल 5 महिलाओं से शादी कर ली। युवक अलग-अलग महिलाओं से शादी करके उनसे रुपयों की ठगी करता था। जब उसकी दो पत्नियों को युवक पर शक हुआ तो उन्होंने उसके खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज करा दी। जब पुलिस को एक ही युवक के नाम से दो पत्नियों की शिकायत मिली तो उन्हें इस मामले में झोल का शक हुआ, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरु कर दी। पुलिस ने युवक को पकड़ने के लिए खास तरह की प्लानिंग की, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। युवक को गिरफ्तार करने के बाद जो खुलासा हुआ वो हैरान करने वाला था। युवक का 5 शादी करने के बाद रुकने का कोई प्लान नहीं था। उसकी प्लानिंग में 49 और महिलाओं की लिस्ट शामिल थी। सत्यजीत सामल नाम के युवक ने शादी की अलग-अलग वेबसाइट्स के जरिए 49 और महिलाओं को शादी के लिए प्रपोजल भेज रखा था।

अलग-अलग राज्यों से युवक की 5 पत्नियां

सत्यजीत की पत्नियां अलग-अलग राज्यों से हैं। उसने दो शादियां ओडिशा की महिलाओं से की थी, जबकि तीसरी दिल्ली और चौथी कोलकाता से है। पुलिस आरोपी की पांचवीं पत्नी की तलाश कर रही है। आरोपी ने पुलिस से पूछताछ में स्वीकार किया है कि उसने अभी तक 5 शादियां की हैं।

टाटा या अंबानी नहीं, एचडीएफसी -एलआईसी बनी चैंपियन, टीसीएस को तगडा नुकसान

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। अगर आप सोच रहे हैं कि पिछले हफ्ते शेयर बाजार में देश की टॉप 10 कंपनियों में टाटा, मित्तल या फिर अंबानी की कंपनियों का नाम होगा तो आप भुलावे में है. खास बात तो ये है कि टॉप 10 में सिर्फ दो ही कंपनियों के मार्केट कैप में इजाफा हुआ है. जिसमें सबसे ज्यादा फायदा एचडीएफसी बैंक के मार्केट कैप में देखने को मिला है. आंकड़ों के अनुसार बैंक की वैल्यूएशन में 32 हजार करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिला है.

वहीं दूसरी ओर कंपनी कोई और नहीं बल्कि देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी एलआईसी है. अगर बात नुकसान वाली कंपनियों की बात करें तो सबसे ऊपर नाम रतन टाटा की फेवरेट कंपनी टीसीएस है. जिसे करीब 38 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है. उसके बाद नाम आईटीसी, इंफोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज का है. 8 कंपनियों को कुल 1,28,913.5 करोड़ रुपए का

नुकसान उठाना पड़ा है. अगर बात सेंसेक्स की करें तो बीते हफ्ते 0.76 फीसदी यानी 621.56 अंकों की गिरावट देखने को मिली है. जबकि शुक्रवार को सेंसेक्स 886 अंकों तक टूट गया था और सेंसेक्स 80,981.95 अंकों पर बंद हुआ था. जबकि गुरुवार को सेंसेक्स 82,129.49 अंकों के साथ लाइफ टाइम हाई पर पहुंच गया था.

इन कंपनियों के मार्केट कैप की स्थिति

टीसीएस का मूल्यांकन 37,971.83 करोड़ रुपए घटकर 15,49,626.88 करोड़ रुपए हो गया, जो टॉप 10 कंपनियों में सबसे अधिक है. देश की बड़ी आईटी कंपनियों में शुमार इंफोसिस का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 23,811.88 करोड़ रुपए घटकर 7,56,250.47 करोड़ रुपए हो गया. देश की बड़ी कंपनियों में शुमार आईटीसी का एमकैप 16,619.51 करोड़ रुपए घटकर 6,11,423.11 करोड़ रुपए पर देखने को मिल चुका है. देश का सबसे बड़ा सरकारी लेंडर भारतीय स्टेट बैंक का एमकैप 13,431.54 करोड़ रुपए घटकर 7,56,717.85 करोड़ रुपए रह गया. देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का मूल्यांकन 13,125.49 करोड़ रुपए घटकर 20,28,695.57 करोड़ रुपए हो गया. देश की सबसे बड़ी लिस्टिड टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 11,821.5 करोड़ रुपए कम होकर 8,50,389.88 करोड़ रुपए पर आ गया. देश का दूसरा सबसे बड़ा प्राइवेट लेंडर आईसीआईसीआई बैंक का 7,843.75 करोड़ रुपए घटकर 8,42,176.78 करोड़ रुपए रह गया. देश की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 4,288 करोड़ रुपए घटकर 6,32,862.41 करोड़ रुपए रह गया. दूसरी ओर देश का सबसे बड़ा प्राइवेट लेंडर एचडीएफसी बैंक का एमकैप 32,759.37 करोड़ रुपए बढ़कर 12,63,601.40 करोड़ रुपए हो गया. वहीं देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 1,075.25 करोड़ रुपए बढ़कर 7,47,677.98 करोड़ रुपए हो गया.

नौवीं बार रेपो दर स्थिर रख सकता है आरबीआई

मौद्रिक नीति समिति की बैठक 6 से, नतीजा 8 अगस्त को

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक लगातार नौवीं बार रेपो दर को यथावत रख सकता है। केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 6 अगस्त से शुरू होगी और 8 अगस्त को इसके निर्णय घोषित होंगे। विश्लेषकों का कहना है कि हाल के महीनों में खाद्य महंगाई के ऊंचे स्तर को लेकर आरबीआई की दिक्कत बढ़ गई है। ऐसे में दरों में कमी की कोई गुंजाइश फिलहाल अक्तूबर तक नहीं है। विश्लेषकों के मुताबिक, आर्थिक गतिविधियों में तेजी से आरबीआई की मौजूदा स्तर पर दरें बनाए रखने की गुंजाइश आगे भी जारी रहेगी। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के मुताबिक, रेपो दरों में कमी तभी होगी, जब आरबीआई को यह विश्वास हो जाएगा कि महंगाई का दबाव कम हो रहा है, या आगे कम हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, खाद्य मुद्रास्फीति लगातार ऊंची बनी हुई है। जून में खुदरा महंगाई चार महीने के उच्चतम स्तर 5.1% पर पहुंच गई थी। मई में यह 4.8% पर रही थी। इसके साथ ही महंगाई दर लगातार 57वें महीने आरबीआई के चार फीसदी के लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। पिछले कुछ महीनों में महंगाई दर में अधिकांश वृद्धि खाद्य मुद्रास्फीति के कारण हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सब्जियों और दालों की कीमतें पिछले 8 महीनों और 13 महीनों में 10% से ज्यादा बढ़ी है। ऐसे में मुख्य महंगाई में कमी की उम्मीद पर पानी फिर रहा है। इनके अलावा टमाटर, आलू और प्याज भी लगातार महंगाई पर दबाव बनाए हुए हैं। जुलाई में इनकी कीमतें 50% से ज्यादा तक बढ़ गई थीं। जिससे आने वाले समय में महंगाई से राहत मिलने की कम उम्मीद है।

दिसंबर में घट सकती है रेपो दर

रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर से पहले रेपो दर या आरबीआई के रुख में किसी बदलाव की उम्मीद नहीं है। आरबीआई आने वाले आंकड़ों पर नजर रखेगा। अगर उसमें कुछ सकारात्मक दिखता है तो रेपो दर में कटौती हो सकती है। फिर भी दिसंबर से पहले इसकी कोई संभावना नहीं है।

अगस्त आते ही पलट गए विदेशी निवेशक

इस कारण बेचने लगे भारतीय बाजार में शेयर

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। वैश्विक बाजारों में पिछले सप्ताह के अंत में शुरू हुई बिकवाली की लहर ने भारतीय बाजार को भी अपनी चपेट में ले लिया है. शुक्रवार 2 अगस्त को घरेलू बाजार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी. घरेलू बाजार को गिराने में एक योगदान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों यानी एफपीआई ने भी दिया, जो करीब डेढ़ महीने की लिवाली के बाद एक बार फिर से बिकवाली करने लग गए हैं.

वैश्विक बिकवाली से बदला ट्रेंड

भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की खरीदारी जुलाई महीने में टॉप गियर में चल रही थी. करीब डेढ़ महीने लिवाली करने के बाद अगस्त महीने में उनक रुख अब बदला हुआ नजर आ रहा है. इस महीने हुए अब तक के दो दिन के कारोबार में ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक 1 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के भारतीय शेयर बेच चुके हैं. इसका कारण दुनिया भर के शेयर बाजारों में गिरावट का दबाव बढ़ना है.

अगस्त के दो दिन में इतनी बिकवाली

नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त महीने के पहले दो दिन में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने कुल 1,027 करोड़ रुपये के भारतीय शेयरों की बिकवाली की.

इससे 2024 में भारतीय शेयरों में एफपीआई का अब तक का कुल निवेश कम होकर 34 हजार 539 करोड़ रुपये पर आ गया.

जुलाई में खूब हुई थी खरीदारी

इससे पहले जुलाई महीने में एफपीआई ने भारतीय शेयरों की ताबड़तोड़ खरीदारी की थी और कुल आंकड़ा 30 हजार करोड़ रुपये के पार निकल गया था. एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के द्वारा भारतीय शेयरों में 32 हजार 365 करोड़ रुपये डाले गए थे. उससे पहले जून में उन्होंने भारतीय शेयरों में 26,565 करोड़ रुपये का निवेश किया था.

जून से पहले हो रही थी बिकवाली

भारतीय बाजार में एफपीआई लंबी बिकवाली के बाद जून महीने से लिवाली की राह पर लौटे थे. जून से पहले मई महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 25,586 करोड़ रुपये के भारतीय शेयरों की बिकवाली की थी. वहीं वित्त वर्ष के पहले महीने यानी अप्रैल 2024 में एफपीआई ने 8,671 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी.

अब बैंक अकाउंट में बना सकेंगे 4 नॉमिनी

सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली,4 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को बैंकिंग कानून से जुड़े कई अहम संशोधनों को मंजूरी दी है। इनमें सबसे खास है बैंक खातों के लिए 4 नॉमिनी का ऑप्शन। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, बैंकिंग कानून में बदलाव के बाद बैंक खातों के भी एक से अधिक नॉमिनी हो सकेंगे। इससे अकाउंट होल्डर की मौत के बाद खाते के पैसे जॉइंट अकाउंट होल्डर या वारिस को आसानी से मिल सकेंगे।

क्यों पड़ी जरूरत?

मार्च के अंत तक वैसे अकाउंट की संख्या बढ़कर 78 हजार करोड़ हो गई, जिनके लिए कोई क्लेम करने वाला नहीं है। इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि अब तक अकाउंट में एक ही नॉमिनी का

ऑप्शन है।

ऐसे में यदि किसी दुर्घटना में नॉमिनी की भी मौत हो जाती है तो उसके बाद क्लेम में कई परेशानियां आती हैं। सरकार अनक्लेम्ड अकाउंट की संख्या कम करना चाहती है।

क्या फायदा होगा?

एक से अधिक नॉमिनी होने से अनक्लेम्ड अकाउंट की संख्या घटेगी और परिजन को उनके पैसे मिल सकेंगे। मान लीजिए कि पति ने पत्नी को और पत्नी ने पति को नॉमिनी बनाया, लेकिन किसी दुर्घटना में दोनों की मौत हो गई। लेकिन, यदि नॉमिनी नंबर 2, 3, 4... होंगे तो इस तरह के हादसों के बाद भी दावेदार बचे रहेंगे और अकाउंट होल्डर के नॉमिनी को पैसे मिल सकेंगे। इसलिए, हर अकाउंट के नॉमिनी की संख्या 4 करने पर विचार किया जा रहा है।

अभी क्या है नियम?

अभी आप जब बैंक अकाउंट खुलवाते हैं तो आपको नॉमिनी तय करने का ऑप्शन होता है। अकाउंट होल्डर की मौत के बाद खाते में जमा पैसे को नॉमिनी को देना होता है। अभी शेविंग अकाउंट और फिक्स्ड डिपॉजिट में एक ही नॉमिनी तय करने का ऑप्शन है। इंश्योरेंस और हिंदू अनडिवाइडेड फैमिली अकाउंट में अभी एक से अधिक नॉमिनी तय करने की सहूलियत है। 4 नॉमिनी का आइडिया सरकार को यहीं से मिला है। बदलाव को कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद अब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इस विधेयक को संसद में पेश करेंगी।

शेयर है या पैसों का पेड़? 6 महीने में दोगुनी तो 5 साल में 33 गुनी से ज्यादा कर दी रकम

नई दिल्ली,4 अगस्त (एजेंसियां)। शेयर मार्केट में एक शेयर इस समय धमाल मचा रहा है। यह निवेशकों की झोली भर रहा है। पिछले 6 महीने में ही इसने निवेशकों की रकम को लगभग दोगुना कर दिया है। वहीं अगर 5 साल की बात करें तो इसने छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। 5 साल में इसने निवेशकों की रकम को 33 गुने से ज्यादा कर दिया है। हालांकि यह अभी अपने 52 वीक के हाई से नीचे है। शुक्रवार को जब मार्केट धड़ाम हुई तो भी इसने निवेशकों को खुश कर दिया। उस दिन इसमें करीब 10 फीसदी की बढ़ोतरी आई थी। हम जिस कंपनी के शेयर की बात कर रहे हैं उसका नाम कम्फर्ट इंटेक लिमिटेड है। इसके एक शेयर की कीमत अभी 17.38 रुपये है। 6 महीने में इसने करीब 94 फीसदी रिटर्न दिया है। 6 महीने पहले इसके शेयर की कीमत 8.96 रुपये थी। अगर आपने इसमें 6 महीने पहले एक लाख रुपये निवेश किए होते तो यह रकम बढ़कर 1.94 लाख रुपये हो चुकी होती। यानी आपको एक साल में 94 हजार रुपये का फायदा हो चुका होता। एक शेयर ने एक साल में भी निवेशकों को बंपर रिटर्न दिया है। एक साल पहले इसके एक शेयर की कीमत 4.44 रुपये थी। इतने समय में इसने निवेशकों को करीब 292 फीसदी रिटर्न दिया है। अगर आपने एक साल पहले इसमें एक लाख रुपये निवेश किए होते तो यह रकम आज 3.92 लाख रुपये होती। यानी आपको 2.92 लाख रुपये का फायदा हो चुका होता। 5 साल में इसने निवेशकों की झोली भर दी है। इतने समय में इसने करीब 3308 फीसदी रिटर्न दिया है। 5 साल पहले इसके एक शेयर की कीमत मात्र 51 पैसे थी। अगर आपने इतने समय पहले इस कंपनी के एक लाख रुपये के शेयर खरीदे होते तो आज इनकी कीमत 33 लाख रुपये होती। यानी इसने 5 साल में एक लाख के 33 लाख रुपये बना दिए हैं।

जिन कंपनियों ने तोड़े थे मुनाफे के रिकॉर्ड, 90 दिनों में 90% कम हुआ उनका प्रॉफिट

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। पिछले वित्त वर्ष में देश की सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने मुनाफे के सारे रिकॉर्ड तोड़ डाले थे. इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (एचपीसीएल) का मुनाफा पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 31 हजार करोड़ रुपए से ऊपर चला गया था. लेकिन मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ही इन कंपनियों का मुनाफा सिर्फ 6,100 करोड़ रुपए से कुछ ही ज्यादा देखने को मिला है. इसका मतलब है कि बीते एक साल की समान अवधि के मुकाबले मौजूदा साल 80 फीसदी से ज्यादा कम हो गया. जिसकी प्रमुख वजह रसोई गैस (एलपीजी) की लागत से कम दाम पर सेल को माना जा रहा है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर तिमाही नतीजों किस तरह के आंकड़ें देखने को मिले हैं.

आईओसीएल के आंकड़ें

देश की सबसे बड़ी पेट्रोलियम कंपनी आईओसी का अप्रैल-जून तिमाही में एकल आधार पर शुद्ध लाभ 81 प्रतिशत घटा है. यह चालू वित्त वित्त की पहली तिमाही में 2,643.18 करोड़ रुपए रहा है, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी ने 13,750.44 करोड़ रुपए का लाभ कमाया था. तिमाही आधार पर भी कंपनी के मुनाफे में गिरावट आई है. इससे पिछली जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का मुनाफा 11,570.82 करोड़ रुपए रहा था.

एचपीसीएल और बीपीसीएल का भी घटा मुनाफा

तिमाही के दौरान एचपीसीएल का मुनाफा 90 प्रतिशत घटकर 633.94 करोड़ रुपए रह गया, जबकि अप्रैल-जून, 2023 में यह 6,765.50 करोड़ रुपए और पिछली मार्च तिमाही में 2,709.31 करोड़ रुपए था. बीपीसीएल का शुद्ध लाभ अप्रैल-जून में घटकर 2,841.55 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 10,644.30 करोड़ रुपए और जनवरी-मार्च तिमाही में 4,789.57 करोड़ रुपए था. खास बात तो ये है कि मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में पेट्रोलियम कंपनियों का कुल मुनाफा सिर्फ 6,118.67 करोड़ रुपए का देखने को मिला. जबकि पिछले साल की समान अवधि में कंपनियों का मुनाफा 31,160.24 करोड़ रुपए देखने को मिला था.

इसलिए कम हुआ प्रॉफिट

तीनों ईंधन खुदरा विक्रेताओं ने पिछले साल लागत में गिरावट के बावजूद पेट्रोल और डीजल की कीमतों को बरकरार रखकर अत्यधिक मुनाफा कमाया था. इन कंपनियों का तर्क था कि इससे पिछले साल लागत बढ़ने के बावजूद उन्होंने दाम नहीं बढ़ाए थे और नुकसान उठाया था. हालांकि, कीमतों को फ्रीज करने का लाभ आम चुनाव से पहले पेट्रोल और डीजल के दाम में दो-दो रुपए प्रति लीटर की कटौती से जाता रहा. इसके अलावा, तीनों पेट्रोलियम कंपनियों को एलपीजी की लागत से कम बिक्री पर सब्सिडी नहीं मिली है.

वॉरेन बफे ने एपल में अपनी आधी हिस्सेदारी बेची

कैश स्टॉक बढ़कर 23.20 लाख करोड़ हुआ, दुनिया के 7वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी अरबपति और निवेशक वॉरेन बफे की कंपनी बर्कशायर हैथवे आईएनसी ने आईफोन बनाने वाली एपल में अपनी करीब 50% हिस्सेदारी बेच दी है। इस बिकवाली के बाद वॉरेन बफे का कैश स्टॉक बढ़कर रिकॉर्ड 276.9 बिलियन डॉलर (करीब 23.20 लाख करोड़ रुपए) हो गया है। कंपनी ने कितने शेयर बेचे इसकी जानकारी नहीं है। लेकिन, अनुमान के मुताबिक दूसरी तिमाही में एपल में बर्कशायर का निवेश 84.2 बिलियन डॉलर (करीब 7.05 लाख करोड़ रुपए) बचा है। पहली तिमाही के अंत में बफे के पास एपल के 135.4 बिलियन डॉलर (करीब 11.34 लाख

करोड़ रुपए) के शेयर्स थे।

बर्कशायर ने टोटल 6.32 लाख करोड़ के शेयर बेचे

बफे की कंपनी ने कई अन्य कंपनियों में भी अपनी शेयर होल्डिंग कम की है। दूसरी तिमाही के दौरान कंपनी ने टोटल 75.5 बिलियन डॉलर (करीब 6.32 लाख करोड़ रुपए) वैल्यू के शेयर बेचे हैं।इससे उसकी ऑपरेटिंग कमाई पिछले साल के 10 बिलियन डॉलर (करीब 83,767 करोड़ रुपए) से बढ़कर 11.6 बिलियन डॉलर (करीब 97,170 करोड़ रुपए) रही। ओमाहा नेब्रास्का बेस्ड ग्रुप ने शनिवार को इस बात की जानकारी दी। बर्कशायर की इस रिकॉर्ड बिकवाली पर कई एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह अमेरिका में मंदी आने की आशंका के चलते हो सकता है। कंपनी ने पिछली तिमाही में कई कंपनियों में हिस्सेदारी घटाने और अपना कैश भंडार बढ़ाने पर फोकस किया। पिछले कुछ कारोबारी सेशन के दौरान अमेरिकी शेयर मार्केट में भारी गिरावट देखने को मिली है। फोर्ब्स की रियल टाइम बिलेनियर लिस्ट के मुताबिक वॉरेन बफे की पर्सनल नेटवर्थ 11.29 लाख करोड़ रुपए है। बफे 93 साल के हैं और दुनिया के सबसे बड़े निवेशकों में से एक हैं।

मुकेश अंबानी और सुनील मित्तल की बढ़ेगी टेंशन?

बीएसएनएल से बड़ी खबर, जियो-एयरटेल देख चुकी हैं नमूना!

नई दिल्ली,4 अगस्त (एजेंसियां)। सरकारी टेलीकॉम कंपनी बीएसएनएल जल्द ही 5जी सेवाएं शुरू करने वाली है। इससे जियो और एयरटेल जैसी दिग्गज कंपनियों को कड़ी टक्कर मिलने के आसार हैं। बीएसएनएल ने यह कदम ऐसे समय में उठाया है जब सोशल मीडिया पर लोगों को जियो और एयरटेल की महंगी सेवाओं को छोड़कर बीएसएनएल अपनाने के लिए बढ़ावा दिया जा रहा है। बीएसएनएल ने अपनी 5जी सेवाओं को शुरू करने के लिए कई स्टार्टअप और कंपनियों के साथ साझेदारी की है। इससे उपभोक्ताओं को सस्ते दामों पर 5जी सेवाएं मिलने की उम्मीद है। अभी तक देश में सिर्फ रिलायंस जियो और एयरटेल ही 5जी सेवाएं दे रही हैं। लेकिन, आने वाले दिनों में बीएसएनएल के इसकी पेशकश से इन दोनों कंपनियों को अपने ग्राहकों को खोने का डर सता रहा है। बीएसएनएल का टारगेट आने वाले महीनों में स्टार्टअप और कंपनियों के साथ मिलकर 5जी का ट्रायल शुरू करना है। इस ट्रायल में सबसे पहले प्राइवेट नेटवर्क स्थापित करने पर फोकस किया जाएगा।इस साझेदारी में बीएसएनएल स्पेक्ट्रम, इंफ्रास्ट्रक्चर और संसाधन उपलब्ध कराएगा, जबकि पार्टनर कंपनियां सेवाएं देने का काम संभालेंगी। बीएसएनएल को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज , लेखा वायरलेस और अमंत्य टेक्नोलॉजीज जैसी कई प्रमुख भारतीय कंपनियों से परीक्षण प्रस्ताव मिले हैं। ये कंपनियां वॉयस, वीडियो, डेटा, नेटवर्क स्लाइसिंग, प्राइवेट ऑटोमेटिक ब्रांच एक्सचेंज जैसी विभिन्न 5जी-आधारित सेवाओं का पता लगाएंगी। उधर, ग्वालियर में शनिवार को केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया कि बीएसएनएल के ग्राहकों की संख्या बढ़ रही है। कंपनी का घरेलू 4जी नेटवर्क भी तैयार है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	मे	कर्क-	04-36 बजे
चंद्र-	कर्क	मे	सिंह..	06-48 बजे
मंगल	वृष	मे	कन्या..	08-54 बजे
बुध-	सिंह	मे	तुला...	11-00 बजे
गुरु-	वृष	मे	वृश्चिक..	13-09 बजे
शुक्र-	सिंह	मे	धनु....	15-24 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मकर...	17-29 बजे
राहु-	मीन	मे	कुंभ...	19-20 बजे
केतु-	कन्या	मे	मीन-	20-58 बजे
			मेष---	22-34 बजे
			वृष--	00-19 बजे
			मिथुन-	02-19 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय -05-59 सूर्यास्त. 18-45
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- प्रतिपदा 18-03 तक उपरान्त द्वितीया
मास - श्रावण शुक्ल , सोमवार 05 August
नक्षत्र - आश्लेषा 15-21 तक उपरान्त मघा
योग - व्यतिपात 10-37 तक उप वरियान
करण- बव 18-03 तक उप बालव
विशेष:- व्रत -त्योहार - श्रावण सोमवार

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:34 से 09:10 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	05:59 - 07:34 शुभ	चंचल	18:45 - 20:10 शुभ
काल	07:34 - 09:10 अशुभ	रोग	20:10 - 21:34 अशुभ
शुभ	09:10 - 10:46 शुभ	काल	21:34 - 22:58 अशुभ
रोग	10:46 - 12:22 अशुभ	लाभ	22:58 - 00:22 शुभ
उत्पात	12:22 - 13:58 अशुभ	उत्पात	00:22 - 01:46 अशुभ
चंचल.	13:58 - 15:34 शुभ	शुभ	01:46 - 03:10 शुभ
लाभ	15:34 - 17:10 शुभ	अमृत	03:10 - 04:34 शुभ
अमृत	17:10 - 18:45 शुभ	चंचल	04:34 - 05:59 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज के दिन उधार दिए हुए पैसे आपको वापस मिल सकते है । आज के दिन आप एक ऐसे व्यक्ति से भी मिल सकते है जिसे आप पहले से जानते हो और वो आपकी काफी हद तक आपकी भविष्य में आय को बढाने में मदद कर सकता है और यहाँ तक की ये व्यक्ति आपको अच्छी आय वाली नौकरी दिलाने में भी मदद कर सकता है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आप पर अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों जीवन में भारी जिम्मेदारियों का भार है , इसलिए आपको अपने समय का प्रबंधन उचित तरीके से करना होगा हालाँकि आपके सहकर्मी आपकी मदद के लिए आगे आ सकते है अगर आप उनसे सहयोग की मांग करे , लेकिन अधिकता में कुछ न कहे क्योंकि एक बिंदु से आगे वे आपको न भी कह सकते है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज आप बहुत आत्मविश्वास महसूस नहीं कर रहे हैं, लेकिन यह महत्वपूर्ण है की आप अपनी अनिश्चितता को छुपाके रखे । भ्रम की अपनी भावनाओं को छुपाके रखे अन्यथा लोग आपकी क्षमता पर शक करेंगे और आप एक महत्वपूर्ण समझौते से हाथ धो सकते है । आपको एक सकारात्मक दृष्टिकोण को बनाए रखने की जरूरत है।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी मुखर और प्रेरक रहेंगे । आपको ऐसे कार्य क्षेत्र में कार्य करने के अवसर मिलेंगे जहा साझेदारी से कारोबार होता हो और एक दूसरे की सहायता करना प्रमुखता हो । आप प्रमुख परियोजना को पूरा करने के लिए दुसरो को संगठित करने के लिए प्रेरित करते है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आप अपने सभी लक्ष्यों को समय पर पूरा करेंगे और कार्य क्षेत्र में शांति का माहौल रहेगा , लेकिन व्यापार के मामलों में किसी भी समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श करें। धोखाधड़ी की संभावना है। यदि संभव हो तो अपनी व्यापारिक सौदों को दूसरे दिन पर ठाले और अपने सहयोगियों की विश्वसनीयता का मूल्यांकन करे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आज कुछ प्रमुख व्यय के लिए आप योजना बनाने के लिए जा रहे हैं लेकिन इस खर्चे पर आपकी नजर रहेगी । आज का दिन वित्तीय योजना बनाने के लिए एकदम सही है और कुछ कार्य जो की कुछ समय से अधूरे थे उन्हें पूरा करना का भी उचित समय है । आज आप अपनी बचत और परिसंपत्तियों की एक पूरी सूची के साथ बैठे और उन्हें व्यवस्थित करे क्यों की आज आपको शुभ समाचार मिल सकता है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आप पूर्ण रूप से स्वस्थ्य नहीं हैं इसलिए आप इस उत्पादक अवधि का लाभ नहीं उठा पा रहे है । आप अपने कार्यों की पूर्ति के लिए पहले से ही स्थापित कार्य योजना का पालन करे और आगे बढ़ें चाहे आपको कैसी भी परिस्थितियों का सामना करना पड़े । यह अपने काम को खत्म करने के लिए नए तरीके अपनाने के लिए एक अच्छा समय नहीं है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आपकी वित्तीय जरुरतो पर अनसोची ० अप्रत्याशित मांगों की वजह से दिन परेशानी में रह सकता हैं। आपने अपने सभी बकाया राशि का भुगतान कर दिया है यह सुनिश्चित करने के लिए अपने सभी बिलों और अन्य दायित्वों की जाँच करें । अनदेखी में निकट भविष्य में वह राशि बड़ी मात्रा में आपको परेशान कर सकती है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आपका व्यवहार आज याद रखने योग्य होगा । अपने लाभ के लिए इसका प्रयोग करें । लोगों से मिले एवं उनसे सकरात्मक बातचीत करे। । एक सकारात्मक शरीर की भाषा बनाए रखें। यहाँ से एक नया अवसर अंकुरित हो सकता है । यह एक नई परियोजना शुरू करने के लिए एक अच्छा सप्ताह है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

नए और अलग अलग कार्य करने के अवसर आज आपके रास्ते में आएंगे । आज नए ग्राहक और विभिन परियोजनाए आपके पास आ सकती है और कुछ में तो इतनी संभावना होगी की वो आपकी सपनो की या महत्वपूर्ण परियोजना बन सकती है । इस अवसर का फायदा उठाने के लिए, आपको आज अतिरिक्त मेहनत करनी होगी, और आप इसे करते हुए आनंद को महसूस करेंगे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज्ञाकारी होना अच्छा है, लेकिन दूसरों के मुताबिक कार्य करना सही नहीं है । आप और आपके विचार सब से अलग है ।आपको जो सही लगे वह करे और लोगो की बातो में आने से बचे । आप अपने व्यय योजना में अपने खर्चो को कम करने की कोशिश कर रहे है ताकि सकारात्मक वित्तीय बदलाव आये , इसलिए आगे बढे और योजना को अंजाम दे !

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आप ने हमेशा अपना कार्य भकूबी के साथ किया है और आज आप अपने वरिष्ठ अधिकारियों का समर्थन और अनुमोदन भी जीतेंगे। आपकी ईमानदारी, रचनात्मकता और काम के प्रति समर्पण देखा जायेगा और आपको इसका पुरस्कार ,फल या उपहार भी मिलेगा । आज का दिन अपने कार्य से संबंधित प्रतिबद्धताओं का पूरा करने में व्यस्त रहेगा।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

बिलासपुर पहुंचे केन्द्रीय मंत्री ने की बजट की तारीफ

बोले-सभी वर्गों को ध्यान में रखकर किया गया तैयार

बिलासपुर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय बजट पर चर्चा करने के लिए केंद्र स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रकाश राव जाधव आज बिलासपुर प्रवास पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने भाजपा जिला कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए बजट की संपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह बजट देश को सशक्त करने वाला है, इसमें सभी वर्गों को ध्यान दिया गया है, तो वहीं पिछले 10 वर्षों में कई परिवारों को गरीबी रेखा से बाहर लाने में अहम भूमिका हुई है।

इस बजट में युवा महिला किसान सभी पर ध्यान केंद्रित करते हुए उन्हें बेहतर सुविधा देने की कोशिश हुई है। खासतौर पर कृषि रोजगार युवा उद्यमी को रोजगार के साथ स्वरोजगार से जोड़ने की एक कोशिश इसमें हुई है।

यहीं नहीं महिलाओं के अधिकार को बढ़ाने के लिए बजट में काफी कुछ देने की कोशिश की गई है,जिससे सभी को फायदा होगा।

इसके अलावा मध्यम वर्ग के दृष्टिकोण से भी बजट में काफी कुछ दिया गया है। इसके बाद केंद्र राज्य मंत्री ने बिलासपुर और छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य सुविधाओं पर कहते हुए बताया कि इस बार स्वास्थ्य सुविधाओं के बजट में वृद्धि हुई है तो वही अस्पतालों में सीट वृद्धि के साथ नए मेडिकल भी खोलने के प्रस्ताव आए हैं। हालांकि शिक्षा और स्वास्थ्य के बजट में कमी के सवाल पर उन्होंने कहा कि एम्स को बिलासपुर में खोलने के प्रस्ताव पर जरूरत होने पर विचार किया जाएगा । इसके अलावा उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में उपकरण और दवा खरीदी पर कहा कि अगर कहीं भी गड़बड़ी हो रही होगी तो इस पर कड़ी कार्रवाई होगी।

1. युवाओं के लिए - - स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम्स का विस्तार। - स्टार्टअप्स के लिए विशेष फंड और टैक्स में छूट।

2. महिलाओं के लिए - महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए नई योजनाएं। - महिला सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए अतिरिक्त बजट आवंटन।

3. बुजुर्गों के लिए - पेंशन योजनाओं में वृद्धि। - बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार।

4. कृषि और ग्रामीण विकास - किसानों के लिए सब्सिडी और कर्ज में राहत। - ग्रामीण बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए विशेष पैकेज।

5. स्वास्थ्य और शिक्षा - स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और नए अस्पतालों का निर्माण। - शिक्षा के क्षेत्र में नई तकनीकियों का समावेश और बजट में वृद्धि।

6. आर्थिक सुधार - छोटे और मंझोले उद्योगों के लिए वित्तीय सहायता। - बुनियादी ढांचे के विकास के लिए विशेष पैकेज।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने झारखंड के लिए बनाई तीन सदस्यीय स्क्रीनिंग कमिटी

इस साल होना है विधानसभा चुनाव

रांची , 4 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चुनावी राज्य झारखंड के लिए तीन सदस्यीय स्क्रीनिंग कमिटी बनाई है. ये स्क्रीनिंग कमिटी उम्मीदवारों को स्क्रीन और शॉर्टलिस्ट करेगी, जो चुनाव में भाग्य आजमाना चाहते हैं. कमिटी राज्य के तमाम 81 विधानसभा सीटों पर दावेदारों के दावों में कितना दम है, इसकी स्क्रीनिंग करेगी. प्रदेश प्रवक्ता सोनाल शांति ने आजतक से बताया की तमाम दावेदारों से कमिटी मिलेगी. और उनके दावे को हर एंगल से खंगालने के बाद हर क्षेत्र के लिए कुछ नाम को शॉर्टलिस्ट कर केंद्रीय नेताओं के पास भेजेगी जो अंतिम मुहर लगाएंगे. चुनाव में लड़ने के लिए कई आधार की जांच कमिटी करेगी. शांति ने बताया की फैक्टर्स जैसे विनबैलिटी, संगठन के लिए बीते 5 साल में दावेदार की सक्रियता, बूथ मेंबर्स जो दावेदारों द्वारा बनाया गया उनका कास्ट इक्वेशन, जातीय आधार, जनाधार, अगर उन्होंने पहले चुनाव लड़ा है तो कितने नंबर पर थे या कैसा परफॉर्मेंस था, तमाम फैक्टर्स को देखकर कोई फैसला लिया जाएगा. इस स्क्रीनिंग कमिटी के चेयरमैन गिरीश, अध्यक्ष पूनम पासवान, सदस्य प्रकाश जोशी हैं.

हालांकि, चुनाव के नजदीक आने पर तमाम दावेदार रांची से लेकर दिल्ली तक अपने मजबूत दावेदारी के लिए दौड़ लगा रहे हैं और अपना दमखम बता रहे हैं. पिछले चुनाव में कांग्रेस ने 18 सीटें जीती थी और हेमंत सरकार बनाने में अपना योगदान दिया था.

झारखंड विधानसभा के सभी 81 सीटों पर नवंबर या दिसंबर 2024 में चुनाव होगा. झारखंड विधानसभा का कार्यकाल 5 जनवरी 2025 को समाप्त होने वाला है. पिछला विधानसभा चुनाव दिसंबर 2019 में हुआ था.

झारखंड में बीजेपी संथाल परगना में हुए डेमोग्राफी में चेंज को लेकर मुखर है. बांग्लादेशी घुसपैठ को बीजेपी आगामी विधानसभा चुनाव में एक बड़ा मुद्दा बनाने के मूड में है. पार्टी इसे लेकर लगातार हमलावर है. हाल ही में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा और कई विधानसभा क्षेत्रों में 123 फीसदी तक वोटर लिस्ट में वोटर कैसे बढ़े, इसकी जांच की मांग की है.

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक की मौत

इस मानसून अब तक 544.9 मिमी हो चुकी बारिश

कबीरधाम, 4 अगस्त (एजेंसियां)। कबीरधाम जिले में बीते एक हफ्ते से बारिश का दौर जारी है। इस मानसून कबीरधाम जिले में एक जून से आज चार अगस्त तक 544.9मिमी बारिश हो चुकी है। वहीं आज आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक की मौत हुई है।

कबीरधाम जिले में बीते एक हफ्ते से बारिश का दौर जारी है। इस मानसून कबीरधाम जिले में एक जून से आज चार अगस्त तक 544.9मिमी बारिश हो चुकी है। वहीं आज आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक की मौत हुई है। मामला चिल्फी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत जामुनपानी का है। जहां खेत में काम कर रहे अमृत सिंह उम्र 35 के ऊपर आकाशीय बिजली गिर गया। इससे उसकी मौत हो गई है। जिले के वनांचल क्षेत्र में भारी बारिश के चलते आम जीवन पर प्रभाव पड़ा है।

वनांचल में हो रहे भारी बारिश के कारण पोंड़ी-बिलासपुर नेशनल हाईवे स्थित पंडरिया के हरिनाला पुलिया के ऊपर से पानी बह रहा है। इसके बाद भी लोग जान जोखिम में डालकर आना-जाना कर रहे है। इस पुलिया में हर साल बारिश के दौरान बाढ़ का पानी आ जाता है। इस साल के बारिश में यहां पहली बार बाढ़ का पानी ऊपर से गुजर रहा है। क्षेत्र के लोगों ने कई बार इस पुलिया के ऊंचाई बढ़ाने की मांग भी किया। इसके बाद भी अब तक निर्माण नहीं किया जा सका है। हालांकि, वर्तमान में इस हाईवे सड़क में निर्माण कार्य जारी है। अब लोगों को उम्मीद है कि इस साल यहां पुल का निर्माण हो जाएगा।

'झारखंड में बदमाशों को छोड़कर कोई सुरक्षित नहीं'

पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी ने सोरेन सरकार पर साधा निशाना

रांची, 4 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य में बढ़ते अपराध की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की और राज्य सरकार को जिम्मेवार ठहराया. मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार में गुंडों और अपराधियों को छोड़कर कोई भी सुरक्षित नहीं है, यहां तक कि जनता को सुरक्षा देने वाली पुलिस भी सुरक्षित नहीं है. उन्होंने कहा कि स्पेशल ब्रांच में तैनात सब इंस्पेक्टर अनुपम कच्छप की गोली मारकर हत्या कर दी गई है. प्रदेश की राजधानी में आए दिन हो रही ऐसी घटना से राजधानी समेत पूरे प्रदेश में डर का माहौल है.

मरांडी ने कहा कि कल थाने से 500 मीटर की दूरी पर वकील की हत्या, आज युवा आदिवासी पुलिस इंस्पेक्टर की गोली मारकर हत्या कर दी गई है, जो अत्यंत दुखद है. हर रोज ऐसी अनेकों घटनाएं हो रही हैं, चूंकि सरकार संवेदनशील है, इसलिए चुपचाप बस तमाशा देख रही है. हेमंत सरकार ने राजधानी रांची तक को अयोग्य अफसरों के हवाले कर बारूद के ढेर पर बैठा दिया. जिस सरकार में वकीलों, पुलिस वालों तक की सरेआम हत्या हो रही है उस सरकार में आमलोगों के सुरक्षा की उम्मीद कैसे की जा सकती है? हेमंत सरकार में अपराधियों की हिम्मत जिस तरह से बढ़ी है, ऐसा लगता है सरकार को हेमंत सोरेन नहीं, बल्कि अपराधी और गुंडे ही संचालित कर रहे हैं.

बीजेपी विधायक अमर कुमार बाउरी ने कहा कि कानून व्यवस्था झारखंड सरकार के नियंत्रण से पूरी तरह बाहर हो चुकी है. उन्होंने कहा है कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो चुकी है. राज्य सरकार कानून व्यवस्था दुरुस्त करने की बजाय तुष्टिकरण की राजनीति को धार देने में जुटी है. सरकार ने पूरी कानून व्यवस्था को ताक पर रख दिया है. राज्य में आम से लेकर खास, कोई भी सुरक्षित नहीं है.

बाउरी ने कहा कि आज सुबह जैसे ही हम लोगों की नींद खुली सोशल मीडिया के माध्यम से हम सबको पता चला कि दारोगा अनुपम कच्छप को गोली मारकर हत्या कर दी गई है. कल जब विधानसभा का सत्र चल रहा था उसी समय सूचना आई कि अधिवक्ता गोपी कृष्णा को उनके मोहल्ले में चाकू गोदकर मार दिया गया है. आज थोड़ा दिन और गुजरा तो एक और दुखदाई खबर आई मिली कि धुर्वा के पूर्व पार्षद जिन्हें पूर्व में अपराधियों ने गोली मार दिया था उनका निधन दिल्ली में इलाज के दौरान हो गया. यह तीनों हत्याएं कोई आम और सामान्य नहीं है. जहां तक आम नागरिकों की बात है तो जेएमएम कांग्रेस सरकार में इनका तो कोई मोल ही नहीं है, यह सरकार आम आदमी को कीड़े मकोड़े से अधिक नहीं समझती.

बाउरी ने कहा कि जिन तीनों लोगों की हत्या हुई है यह अपने-अपने क्षेत्र के नामचीन हैं. एक सरकार का वर्दी पहना हुआ दारोगा, दूसरा कानून की रक्षा करने वाला अधिवक्ता और तीसरा एक जनप्रतिनिधि. लगातार इस प्रकार की घटना हो रही है और राज्य सरकार विधानसभा के फ्लोर पर झूठे वादों और घोषणाओं को साबित करने में केवल कसीदे पढ़ती रही लेकिन राज्य की लचर कानून व्यवस्था पर एक शब्द भी नहीं बोलना शर्मनाक है. मुख्यमंत्री द्वारा पांचवें विधानसभा के आखिरी सत्र में फिर कई झूठे वादों की झड़ी लगाई गई. लेकिन कानून व्यवस्था पर सरकार की चुप्पी साफ बतलाती है कि सारी घटनाएं राज्य सरकार के संरक्षण में घटित हो रही है.

काल भी लौट गया पीछे

बारिश से ढह गया मकान

पति-पत्नी की मौत, आठ घंटे मलबे में दबा रहा बच्चा; निकला सुरक्षित

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही , 4 अगस्त (एजेंसियां)। पेंड्रा में एक दर्दनाक हादसे में कच्चे मकान गिरने से पति-पत्नी की मलबे में दबकर मौत हो गई है। वहीं आठ साल के बच्चे को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बच्चा रात साढ़े 10 बजे से सुबह 6 बजे तक मलबे में दबा रहा। जिसके बाद बच्चे को सुरक्षित जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। जहां बच्चा सुरक्षित है।

यह पूरा मामला पेण्ड्रा थाना क्षेत्र के रामगढ़ गाव का है। जहां पर पिछले दो दिनों से रुक-रुककर हो रही बारिश से जन जीवन अस्त व्यस्त है। वहीं देर रात पेण्ड्रा के रामगढ़ गांव में एक कच्चा मकान ढह गया। जिसके चलते घर में सो रहे पति दिनेश सिंह, पत्नी शारदा सिंह और उनका आठ साल का बच्चा प्रिंस दबा रहा।

तीनों रात लगभग 10.30 बजे से लेकर सुबह 6 बजे तक दबे रहे घटना में पति-पत्नी की मौके पर मौत हो गई। जबकि 8 साल के प्रिंस को आस-पास के ग्रामीणों ने सुरक्षित मलबे से बाहर निकालकर जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

जहां पर उसकी हालत सामान्य है।।तो रामगढ़ गाव में हुए घटना की सूचना पर पेण्ड्रा पुलिस मौक़े पर पहुचकर शव का पंचनामा कार्यवाही के बाद अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंपने के साथ पीड़ित पक्ष को उचित मुआवजा देने की बात है साथ ही बच्चे के उचित इलाज की व्यवस्था भी करने को निर्देशित किया गया है।

गेल-किसानों के बीच समझौता

पूर्व सीएम भूपेश बघेल बने सूत्रधार

किसान नेता राकेश टिकैत भी कर चुके हैं पोस्ट

बेमेतरा , 4 अगस्त (एजेंसियां)। दुर्ग जिले के किसानों और भारत सरकार के गेल (इंडिया) लिमिटेड कंपनी के बीच पाइप लाइन बिछाने को लेकर विवाद चला आ रहा था। किसानों का कहना था उन्हें पर्याप्त मुआवजा नहीं दिया गया है। साथ ही खड़ी फसल के बीच खेत की खुदाई कर दी गई है। यह पाइप लाइन बेमेतरा जिले के बेरला तहसील क्षेत्र के विभिन्न गांव से 17 किमी व दुर्ग जिले के धमधा तहसील क्षेत्र से होकर गुजर रही है।

दुर्ग जिले के किसानों ने इस समस्या को लेकर पूर्व सीएम भूपेश बघेल के पास शिकायत की थी। भूपेश बघेल के भिलाई स्थित कार्यालय में गेल कंपनी व किसानों के बीच बैठक हुई। बैठक में पाइप लाइन बिछाने व किसानों की समस्या को लेकर कई निर्णय लिए गए। इसमें बारिश के तीन महीने यानी अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में पाइप लाइन बिछाने के लिए कोई खुदाई नहीं होगी, इस बीच मुआवजा दे दिया जाएगा।

चूंकि भूमि का अधिग्रहण नहीं हो रहा है, इसलिए पाइप लाइन बिछाए जाने वाली भूमि के लिए एक क्षतिपूर्ति मुआवजा दिया जाएगा। मुआवजा दर भूमि अधिग्रहण कानून में तय दर का 40 प्रतिशत होगा। किसानों को दो फसलों का मुआवजा दिया जाएगा। अगर गेल इन शर्तों का पालन नहीं करती है तो किसान किसी भी कीमत पर पाइप लाइन नहीं बिछने देंगे।

गौरतलब है कि गेल को मुंबई से नागपुर होते हुए झारसुगड़ा तक पाइप लाइन बिछानी है। यह पाइप लाइन छत्तीसगढ़ के 11 जिले से गुजरेगी। बेमेतरा-दुर्ग के किसानों के साथ जो आपसी चर्चा से जो समझौता हुआ है, वह सभी 11 जिले में लागू होने की उम्मीद जताई है। बता दे कि किसानों की इस समस्या को लेकर केंद्रीय स्तर पर किसान नेता राकेश टिकैत ने भी ट्वीट किया था।

'घिर गए हो, सरेंडर कर दो ', पुलिस के साथ रांची में अपराधियों की मुठभेड़, 1 अरेस्ट

रांची, 4 अगस्त (एजेंसियां)। "तुम लोग चारों तरफ से घर लिए गए हो सरेंडर कर दो "..... फिल्मों में पुलिसकर्मियों को घेराबंदी के दौरान अपराधियों से ऐसा कहते हुए सुना है, लेकिन झारखंड की राजधानी रांची में ऐसा ही देखने को मिला. अधिवक्ता गोपी कृष्ण हत्याकांड मामले में अपराधियों की धर पकड़ के लिए गई पुलिस का अपराधियों के साथ मुठभेड़ हो गया. यहां भी पुलिस ने घेराबंदी करते हुए अपराधियों को सरेंडर करने को कहा, लेकिन अपराधी फायरिंग करने लगे. इसके बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भी गोलियां चलाईं, जिसमें एक बदमाश को गोली लगी और वह घायल हो गया. इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया. वहीं दूसरा साथी मौके से फरार हो गया.

रांची पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि 2 अगस्त को दिनदहाड़े रांची के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सिविल कोर्ट अधिवक्ता गोपी कृष्ण की चाकू मारकर की गई बर्बरता पूर्वक हत्याकांड मामले में संलिप्त रोशन नमक , राजधानी रांची के अनगड़ा के पास महेशपुर के बगानटोली के एक घर में अपने सहयोगियों के साथ छुपा हुआ है.

पूरी टीम के साथ पहुंची पुलिस

सूचना के बाद पुलिस की टीम पूरी तैयारी के साथ रोशन को गिरफ्तार करने के लिए अनगड़ा के महेशपुर पहुंची थी और पुलिस की टीम पूरी तैयारी के साथ अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए अनगड़ा के महेशपुर पहुंची थी और उन्हें सरेंडर करने के लिए कहा, लेकिन अपराधी पुलिस को निशाना बनाते हुए गोलियां चलाने लगे. इसी बीच अपराधियों के द्वारा पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी गई. गनीमत रही कि अपराधियों की गई गोलीबारी की घटना में किसी भी पुलिस कर्मियों को गोली नहीं लगी. इसके बाद पुलिस की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई में अपराधी रोशन को एक गोली लग गई. घायल अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है.

झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता दिवंगत अधिवक्ता गोपी कृष्ण के घर सुखदेव नगर थाना के मधु कम पहुंचे थे, जहां उन्होंने अधिवक्ता के परिजनों से मुलाकात की थी और उन्हें यह अस्वस्थ किया था कि जल्द से जल्द अधिवक्ता के कातिल सलाखों के पीछे होंगे.

अभी नहीं थमने वाला है बारिश का दौर, आज इन जिलों में भारी वर्षा की संभावना

रांची , 4 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के विभिन्न इलाकों में बीते दो दिन जोरदार बारिश हुई. स्थिति ये रही है कि राज्य में शुक्रवार को सभी स्कूलों को बंद करना पड़ा. मौसम विभाग की मानें तो अभी बारिश का दौर नहीं थमने वाला है. 8 अगस्त तक बारिश की संभावना जतायी गयी है. इस दौरान कई इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी है. इसे लेकर कई इलाकों में येलो अलर्ट जारी किया गया है. हालांकि बारिश की संभावना लगभग राज्य के सभी जिलों में है.

इन जिलों में कल भारी बारिश के आसार

रांची के मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो सोमवार को पलामू, गढ़वा और चतरा में भारी बारिश की संभावना है. वहीं, 6 अगस्त को भी इन जिलों के अलावा लातेहार, दुमका, देवघर, पाकुड़, गोड्डा, साहिबगंज और पाकुड़ में जोरदार वर्षा के आसार हैं. 7 और 8 लोहरदगा, गुमला नऔर सिमडेगा में भारी वर्षा को लेकर अलर्ट जारी किया गया है.

केवल 19 फीसदी ही कम रह गयी वर्षा अनुपात

अगस्त की शुरूआत में हुई बारिश के कारण किसानों के चेहरे खिल गये हैं. वहीं, बारिश की कमी झेल रहे झारखंड के कई जिलों में सामान्य से अधिक बारिश हो गयी है. राज्य में अब तक जितनी बारिश होनी चाहिए थी, उससे सिर्फ 19 फीसदी कम रह गयी है. वहीं, मौसम केंद्र 20 फीसदी तक कम या अधिक बारिश को सामान्य श्रेणी में रखता है. राजधानी रांची सहित कई जिलों में सामान्य से अधिक बारिश हो गयी है.

राजधानी रांची में सामान्य से अधिक बारिश

मौसम केंद्र के अनुसार, राजधानी रांची में अब तक 606 मिमी बारिश हुई. यह सामान्य से करीब नौ फीसदी अधिक है. वहीं, धनबाद में भी सामान्य से अधिक बारिश हुई है. इसके अलावा बोकारो, दुमका, गढ़वा, जामताड़ा, खूंटी, कोडरमा, लातेहार, रामगढ़, साहेबगंज और सिमडेगा में सामान्य से 20 फीसदी से कम बारिश हुई है. वहीं, पाकुड़, चतरा, देवघर, पूर्वी सिंहभूम, गोड्डा, गुमला, लोहरदगा और प सिंहभूम में अब भी बारिश की कमी है.

लकड़ी लेने जंगल गए ग्रामीणों पर भालू ने किया हमला

एक की मौके पर मौत, दो गंभीर रूप से घायल

गौरेला पेंड्रा मरवाही , 4 अगस्त (एजेंसियां)। गौरेला पेण्ड्रा मरवाही में हरेली पर्व के लिए जंगल से लकड़ी लेने गए ग्रामीणों पर हुए भालू के हमले से एक ग्रामीण की मौके पर मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मामला मरवाही वन परिक्षेत्र के बदरौड़ी गाव से लगे जंगल का है।

वहीं गंभीर रूप से घायल संतराम और घासीराम को प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर रेफर कर दिया गया है।

मामला मरवाही वन मंडल के मरवाही वन परिक्षेत्र का है जहां पर एक भालू ने तीन लोगों पर हमला कर दिया ,तीनों ग्रामीण आज सुबह हरेली त्यौहार के लिए लकड़ी लेने जंगल गए हुए थे, सुबह जैसे ही ग्रामीण जंगल पहुंचे जंगल में भालू ने उन्हें देखकर उनपर हमला कर दिया, भालू ग्रामीणों को देखकर काफी आक्रोशित हों गया और सीधे ग्रामीणों के सिर पर हमला कर दिया भालू के हमले से ग्रामीणों के आंख ,सिर, जांघ में गंभीर चोटे आई है,भालू के हमले से श्याम लाल की मौके पर ही मौत हो गई।

गंभीर रूप से घायल संतराम और घासीराम को सीधे मरवाही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के लिए लाया गया जिसके बाद वहां से जिला अस्पताल रेफर किए गया जहां पर दोनो की गंभीर स्थिति को देखते हुए संतराम और घासी राम को तत्काल बिलासपुर के लिए रेफर कर दिया गया है, फिलहाल संतराम और घासीराम की स्थिति काफी नाजुक बनी हुई है।

अफगानिस्तान में भीषण रोड एक्सीडेंट, 9 की मौत तीन घायल

काबुल, 4 अगस्त (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के फरयाब प्रांत में एक भीषण सड़क दुर्घटना में नौ लोगों की मौत हो गई है। दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गए। प्रांतीय सूचना एवं संस्कृति निदेशक मावलवी शम्सुद्दीन मोहम्मदी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह दुर्घटना शनिवार दोपहर को हुई। यह हादसा खान-ए-चारबाग जिले में दो वाहनों की टक्कर होने से हुआ। अधिकारी दुर्घटना के कारणों की फिलहाल जांच कर रहे हैं। बता दें कि भीड़भाड़ वाली सड़कों पर लापरवाही से वाहन चलाना और टूटे-फूटे राजमार्गों पर ट्रैफिक संकेतों के अभाव अफगानिस्तान में सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों में से हैं।

'बेवकूफ बनाना बंद करिए'

जो बाइडेन ने बेंजामिन नेतन्याहू को डांटा ईरान से जंग की आशंका के बीच बहसबाजी

वॉशिंगटन, 4 अगस्त (एजेंसियां)। इजराइल और हमास के बीच पिछले साल से जंग छिड़ी हुई है, जिसमें कई लोगों की अब तक मौत हो गई और कई घायल हुए हैं। इसी युद्ध के चलते इजराइल की तरफ से लॉन्च किए गए हमलों में पूरा का पूरा फिलिस्तीन तबाह हो गया है। दोनों देशों के बीच इन हमलों को रोकने के लिए युद्धविराम के लिए अमेरिका समेत मित्र लगातार कोशिश कर रहा है। हमास और इजराइल के बीच युद्धविराम की बातचीत अपने शिखर पर थी, इसी बीच इजराइल ने हमास के मुखिया इस्माइल हानिया पर हमला कर दिया, जिसके बाद एक बार फिर दोनों देशों के बीच युद्धविराम की बातचीत रोकने की हलचल तेज हो गई है। हाल ही में इजराइल के लोगों ने इस्माइल हानिया की मौत के बाद एक आंदोलन भी सड़कों पर निकाला था जिसमें उन्होंने अपने राष्ट्रपति से मांग की थी कि इजराइल और हमास के बीच चल रहे युद्ध विराम को रोका जाए।

बाइडेन ने की सख्त टिप्पणी

इजराइल के राष्ट्रपति नेतन्याहू एक बार फिर युद्धविराम से पीछे हटते हुए नजर आ रहे हैं, जिस पर अमेरिका ने तीखी टिप्पणी की है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इजराइल की तरफ से युद्धविराम की बातचीत रोकने की हलचल के बीच नेतन्याहू से 1 अगस्त को फोन पर बातचीत की, जिस बीच वो नेतन्याहू पर भड़क गए, बाइडेन ने कहा, बकवास बंद करो, नेतन्याहू ऐसी बाते न करें, वो अपनी आंतरिक राजनीति को मजबूत करने के लिए ऐसा कर रहे हैं।

महीनों से चल रही युद्धविराम की बातचीत

इजराइल और हमास के बीच युद्ध विराम की बातचीत महीनों से चल रही है लेकिन अब तक कोई सफलता नहीं मिली है। हालांकि, बाइडेन के दबाव के बाद, एक उच्च स्तरीय इजरायली प्रतिनिधिमंडल ने युद्धविराम के समझौते पर पहुंचने के लिए अमेरिकी और मिस्र के साथ बातचीत के लिए काहिरा का दौरा किया था।

मिडिल ईस्ट में इजराइल के खिलाफ गुस्सा भड़क गया है, इजराइल ने पहले तेहरान में हमास के मुखिया इस्माइल हानिया पर हमला किया, जिसमें उन की मौत हो गई, जिसके बाद इजराइल ने हिजबुल्ला के कमांडर फुआद शुक्र की हत्या कर दी। इन दो लीडर की हत्याओं से कथित तौर पर इजराइल का नाम जोड़ा जा रहा है। हालांकि ईरान ने यह बात साफ कह दी है कि इस्माइल हानिया की हत्या का खामियाजा इजराइल को भुगतना पड़ेगा। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने कहा, हनिया के खून का बदला लेना ईरान का 'कर्तव्य' है।

अब ईरान का पलटवार

हिजबुल्लाह ने इजरायल पर दागे कई रॉकेट

हमले को हमास लीडर की मौत का प्रतिशोध बताया

बेरूत, 4 अगस्त (एजेंसियां)। हिजबुल्लाह ने इजरायल पर आज बड़े स्तर पर हमला बोला है। ईरान समर्थित आतंकी समूह हिजबुल्लाह ने हमास चीफ इस्माइल हानिया की हत्या के बाद ये हमला किया है। ईरान ने हानिया की हत्या में इजरायल को दोषी ठहराया है, जिससे मध्य पूर्व में युद्ध की आशंकाएं बढ़ गई हैं। हिजबुल्लाह ने लेबनान से इजरायल पर रॉकेटों की बौछार की है। वहीं, उसने इसे फलस्तीन के लोगों के समर्थन, हमास लीडर की हत्या और इजरायल के हमले में 17 वर्षीय बच्चे की मौत का बदला बताया है। हालांकि, हिजबुल्लाह के इस अटैक का इजरायल पर खासा असर नहीं हुआ, क्योंकि इजरायल के एयर डिफेंस सिस्टम आयरन डोम ने एक बार फिर कमाल किया है।

आयरन डोम ने गैलिली पैनहैंडल (इजरालय और लेबनान के बीच का क्षेत्र) के ऊपर हवा में ही कई रॉकेट को खत्म कर दिया। दूसरी ओर इजरायल के सहयोगी अमेरिका ने कहा है कि वह इस क्षेत्र में युद्धपोत और लड़ाकू विमान भेजेगा, जबकि पश्चिमी सरकारों ने अपने नागरिकों से लेबनान छोड़ने का आह्वान किया है।

बता दें कि सप्ताह की शुरुआत में तेहरान में हमास नेता इस्माइल हनीया की हत्या, बेरूत में हिजबुल्लाह के सैन्य प्रमुख की इजरायली हत्या के कुछ घंटों बाद, ईरान ने प्रतिशोध की कसम खाई थी। इजरायल ने शनिवार को फिर से हिजबुल्लाह पर हमला किया था, जिसमें कई लोग मारे गए थे।

कमला हैरिस के पति डग एमहॉफ ने स्वीकारी शादी के बाद भी संबंध की बात

बच्चों की स्कूल टीचर से चल रहा था अफेयर

वॉशिंगटन, 4 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के पति डग एमहॉफ ने अपनी पहली शादी के दौरान विवाहेत्तर संबंध की बात स्वीकार की है। उन्होंने बताया कि कमला हैरिस से मिलने और शादी से पहले उनका अपने बच्चों की स्कूल टीचर से अफेयर चल रहा था। वह गर्भवती भी हो गई थी और उसका गर्भपात हो गया था। हालांकि उन्होंने इस बारे में कमला हैरिस को बताया हुआ था। कमला हैरिस के पति डग एमहॉफ अपनी पहली पत्नी क्रिस्टीन एमहॉफ से विवाह के बाद एक महिला के साथ रिश्ते में थे। वह महिला उनके बच्चों की टीचर थी। बताया गया कि

क्रिस्टीन को जैसे ही संबंध के बारे में पता चला तो वह डग से अलग हो गईं थीं।

डग और परिवार पर मुझे गर्व: क्रिस्टीन

डग एमहॉफ के संबंध की बात पता चलने पर क्रिस्टीन ने 2009 में कोर्ट में तलाक के लिए अर्जी डाली थी। जिसे 2010 में मंजूर कर लिया गया। इसके बाद दोनों अलग हो गए। क्रिस्टीन ने बताया कि डग और मैनें अपनी शादी को खत्म करने का फैसला किया था। वह मेरे बच्चों के अच्छे पिता, मेरे अच्छे दोस्त हैं। मैनें, डग और कमला ने मिलकर एक बेहतरीन परिवार बनाया है। इस पर मुझे गर्व है।

कमला को थी जानकारी

रिपोर्ट के मुताबिक कमला हैरिस को शादी से पहले एमहॉफ ने अफेयर की बात बताई थी। यह जानकारी 2020 में उपराष्ट्रपति चुनाव के दौरान जांच आयोग को भी दी गई थी। बता दें कमला हैरिस और डग की शादी 2014 में हुई थी। उनको कोई बच्चा नहीं है। डग के बच्चे हैरिस को मामाला कहते हैं।

13 साल की नाबालिग गैंगरेप के बाद गर्भवती, पांच आरोपियों ने किया था दुष्कर्म, एक की उम्र 80 साल

विदिशा, 4 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के विदिशा जिले के पथरिया थाना क्षेत्र में 13 साल की नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। इससे पीड़िता गर्भवती भी हो गई। घटना को लेकर पीड़िता के परिजनों ने 21 जून केस दर्ज कराया था। पुलिस के अनुसार पीड़िता के परिजनों ने बताया कि करीब 7-8 महीने पहले उनकी बेटी स्कूल जा रही थी। रास्ते में वह कुछ सामान लेने के लिए रुकी तो कुछ आरोपियों ने उसे पकड़ लिया और उसके साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया। आरोपियों के डर से उसने घटना की जानकारी किसी को नहीं थी। लेकिन, उसके छह महीने के गर्भवती होने पर मामले की जानकारी लगी।

मिस्र में चीखने वाली ममी का खुला रहस्य, 3500 साल पहले हुई थी मौत, हैरत में पड़े वैज्ञानिक

काहिरा, 4 अगस्त (एजेंसियां)। दुनिया में कई रहस्य हैं, जिनके बारे में जानने के लिए वैज्ञानिक सालों से शोध कर रहे हैं। इस शोध के लिए वैज्ञानिक अलग-अलग जगहों पर खुदाई भी करते हैं। इस दौरान पुरातत्वविदों को 1935 में मिस्र के लक्सर के पास एक महिला के ममीकृत अवशेष मिले थे। महिला का मुंह खुला था और देखकर ऐसा लग रहा था कि वह चीख रही है। अब पुरातत्वविदों ने इस ममी से जुड़ी बेहद अहम खोज की है। इस रहस्यमयी महिला ने सालों से शोधकर्ताओं को अपनी तरफ आकर्षित किया है। वैज्ञानिकों ने हाल ही में महिला के रहस्य को जानने के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया। इससे उसकी जिंदगी और मौत को लेकर दिलचस्प खुलासा हुआ है। ममी

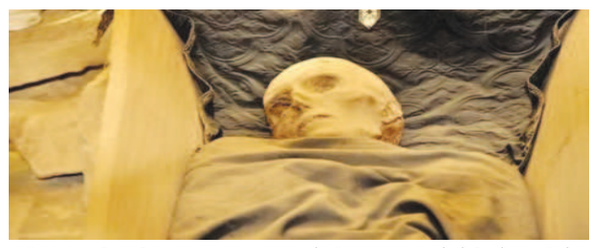

की आकृति विज्ञान, स्वास्थ्य स्थितियों और संरक्षण के बारे में अहम जानकारी मिली है। फ्रंटियर्स इन मेडिसिन जर्नल में शोधकर्ताओं के निष्कर्ष को प्रकाशित किया गया है। इसके मुताबिक, महिला की मौत 48 वर्ष की उम्र में हुई थी। महिला की मौत 3500 साल पहले हुई थी, लेकिन अभी भी असाधारण रूप से उसका शरीर सुरक्षित है। उसके पेल्विस जॉइंट के माध्यम से उम्र तय करने में मदद मिली। काहिरा विश्वविद्यालय के कासर अल ऐनी अस्पताल में रेडियोलॉजी के प्रोफेसर और अध्ययन के लेखक सहर सलीम ने बताया कि लोबान और जुनिपर राल जैसे महंगे पदार्थों के जरिए इसके शरीर को लेपित किया गया था। संभावना है कि इन चीजों को काफी दूर से लाया गया होगा, जिससे पता चलता है कि महिला काफी रुतबे वाली थी। शोधकर्ता को जांच में मिला कि शरीर पर किसी भी तरह की चीर-फाड़ नहीं की गई थी। महिला के आंतरिक अंगों को नहीं हटाया गया। यह समकालीन ममीकर पद्धति से अलग था। ममीकरण के लिए आमतौर पर हृदय को छोड़कर सभी आंतरिक अंगों को निकाल दिया जाता था। हालांकि, इस ममी के शरीर में मस्तिष्क, डायाफ्राम, हृदय, फेफड़े, यकृत, प्लीहा, गुर्दे और आंतें अभी भी हैं। शोधकर्ताओं को पता चला कि महिला रीढ़ की हड्डी के हल्के गठिया से पीड़ित थी।

यह चीज मिला गायब

शोधकर्ताओं को महिला के जबड़े से कई दांत गायब मिले। संभावना है कि दांत मौत से पहले टूट गए थे। लेकिन अध्ययन में महिला की मौत की असली वजह का पता नहीं चल पाया है। शोधकर्ता सलीम ने बताया कि महिला के शरीर पर महंगे इंपोर्टेड लेप लगाए गए थे। ममी अच्छी तरह संरक्षित थी और पारंपरिक धारणाओं को तोड़ती है।

कई महीने बाद इतना आक्रामक हुआ यूक्रेन

रूस के कई क्षेत्रों में एक साथ ड्रोन से हमला

मॉस्को, 4 अगस्त (एजेंसियां)। युद्ध के 2 वर्ष बीत जाने के कई महीने बाद यूक्रेन अचानक रूस पर बेहद आक्रामक हो गया है। यूक्रेन की सेना ने रात भर रूस के कई क्षेत्रों पर ड्रोन से हमला किया। इससे रूस के तमाम इलाकों में दहशत फैल गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित ठिकानों की ओर भागने लगे। रूसी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उसकी हवाई रक्षा प्रणाली ने अनेक क्षेत्रों में 75 ड्रोन को ''बीच में भी नष्ट'' कर दिया। ये ड्रोन बेलगोरोड, क्रास्नोडार, कुर्स्क, ओर्योल, रोस्तोव, वोरोनिश और रियाजान सहित कई क्षेत्रों में दागे गए जो यूक्रेन की सीमा से लगते इलाके हैं। बयान में कहा गया कि इनमें से एक ड्रोन को आजोव सागर पर मार गिराया गया।

मंत्रालय के अनुसार, रूस के रोस्तोव क्षेत्र में 36 ड्रोन को नष्ट कर दिया गया। रोस्तोव के गवर्नर वसीले गोलुबेव ने ऑनलाइन जारी कर एक बयान में कहा कि यूक्रेन ने इस क्षेत्र पर कुल 55 ड्रोन से हमला किया था। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया गया कि इनमें से कितने ड्रोन को मार गिराया गया और कितने अपने लक्ष्य तक पहुंचे।

कई मालगोदामों को हुआ नुकसान

गवर्नर ने बताया कि यूक्रेन के ड्रोन हमले में मोरोजोवस्क और कामेन्स्की जिलों में स्थित मालगोदामों को नुकसान पहुंचा है। वहीं यूक्रेन के 'जनरल स्टाफ' ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि यूक्रेनी सेना ने मोरोजोवस्क में एक हवाई अड्डे पर हमला किया। साथ ही बेलगोरोद, कुर्स्क और रोस्तोव क्षेत्रों में ईंधन डिपो को भी नष्ट कर दिया। इस बीच, यूक्रेन की वायु सेना ने शनिवार को कहा कि रूस ने रात में यूक्रेन पर 29 शाहीद ड्रोन और चार मिसाइलों से हमला किया।

कभी तो झुकोगे! चीन ने माना भारत का लोहा

ड्रैगन की गर्दन तक पहुंचे 'हाथ'

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। भारत दुनिया का मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की ओर अग्रसर है. इस सच्चाई से दुनिया वाकिफ है, लेकिन हमारा पड़ोसी भारत की विनिर्माण क्षमता पर अब तक उंगली उठाता रहा था. पर अब उसके सुर भी बदल गए हैं. ड्रैगन ने भी अब मान लिया है कि मैन्युफैक्चरिंग में भारत अब एक बड़ी ताकत बन रहा है. चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट में दुनिया के शीर्ष 10 देशों की सूची जारी है. इस सूची में भारत का पांचवां स्थान है. खास बात यह है कि ग्लोबल टाइम्स ने 'एक्स' पर शेयर की गई अपनी पोस्ट में खासतौर से भारत का उल्लेख किया है. ग्लोबल टाइम्स ने अपनी

पोस्ट में लिखा, 'चीन दुनिया का मैन्युफैक्चरिंग पावरहाउस बना हुआ है.' इसी पोस्ट में भारत के बारे में लिखा गया, 'भारत 456 बिलियन डॉलर के विनिर्माण मूल्य के साथ शीर्ष 5 में जगह बना चुका है.' ग्लोबल टाइम्स ने यह सूची वर्ल्ड बैंक के आंकड़ों के आधार पर तैयार की है. हमेशा ही भारत की आलोचना करने वाले ग्लोबल टाइम्स के सुर कुछ समय से भारत के प्रति नरम पड़े हैं और धीरे-धीरे ही सही, पर अब चीन भारत को दुनिया की एक ताकत मानना शुरू कर दिया है.

मैन्युफैक्चरिंग में चीन शीर्ष पर

ग्लोबल टाइम्स की सूची में मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट में चीन 4659 बिलियन डॉलर के साथ शीर्ष पर है. 2497 बिलियन डॉलर मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट के साथ अमेरिका दूसरे स्थान पर है. 845 बिलियन डॉलर के साथ जर्मनी तीसरे, जापान 818 बिलियन डॉलर के साथ चौथे और 456 बिलियन डॉलर के साथ भारत पांचवे स्थान पर है. साउथ कोरिया का इस सूची में छठा, मैक्सिको का सातवां, इटली का आठवां, फ्रांस का नौवां और ब्राजील का दसवां स्थान है.

बता चुका है दुनिया की तेजी से बढती शक्ति

गलवान में भारत और चीन की सेना में हुई झड़प और उसके बाद चीन के प्रति भारत के कड़े रुख ने चीन को 'नरम'होने पर मजबूर कर दिया है. जनवरी, 2024 में भी चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने भारत और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खुलकर तारीफ की थी. ग्लोबल टाइम्स के एक लेख में कहा गया था कि भारत दुनिया की तेजी से बढती शक्ति है. लेख में भारत की चार साल की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि, शहरी शासन में सुधार और अंतरराष्ट्रीय संबंधों, खासकर चीन के साथ दृष्टिकोण में आए बदलाव के बारे में बताया गया था.

बच्चों को बर्बाद कर रहा था टिकटॉक, अमेरिका ने कंपनी के खिलाफ दर्ज कर दिया मुकदमा

वाशिंगटन, 4 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका में टिकटॉक की वजह से हजारों बच्चे बर्बादी की कगार पर पहुंच रहे हैं। रोजाना टिकटॉक की वजह से बच्चों का भविष्य खराब होने की खबरें सामने आती रही हैं। ऐसे में अमेरिकी न्याय विभाग ने टिकटॉक के खिलाफ बड़ा कदम उठाते हुए मुकदमा दायर कर दिया है। इससे कंपनी हरकत में आ गई है। अमेरिका की ओर से कंपनी पर बच्चों के ऑनलाइन गोपनीयता कानून का उल्लंघन करने और एक अन्य संघीय एजेंसी के साथ हुए समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है। कैलिफोर्निया की एक संघीय अदालत में संघीय व्यापार आयोग के साथ मिलकर यह शिकायत ऐसे समय में दर्ज की गई है, जब अमेरिका तथा प्रमुख सोशल मीडिया कंपनी एक और कानूनी लड़ाई में उलझे हुए हैं, जो यह निर्धारित करेगी कि टिकटॉक देश में काम करना जारी रख सकेगा या नहीं। हालिया मुकदमा युवा उपयोगकर्ताओं के बीच लोकप्रिय मंच टिकटॉक और इसकी चीन स्थित मूल कंपनी बाइटडांस के एक संघीय कानून के उल्लंघन को लेकर है।

क्या है अमेरिका में कानून

अमेरिका ने जिस कानून के तहत टिकटॉक कंपनी के खिलाफ मुकदमा दायर किया है उसके मुताबिक, बच्चों से संबंधित ऐप और वेबसाइट को 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की व्यक्तिगत जानकारी एकत्र करने से पहले उनके माता-पिता की सहमति लेना आवश्यक है। मगर आरोप है कि कंपनी की ओर से इसका पालन नहीं किया जा रहा था। इसलिए अमेरिका ने कंपनी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया है। मगर टिकटॉक की ओर से इस मामले में अब तक प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

चेहरे पर नकाब, अल्लाहु अकबर का नारा

क्यों जल रहा ब्रिटेन, मुस्लिम और अवैध प्रवासियों के खिलाफ भड़की हिंसा

लंदन, 4 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर-पश्चिमी इंग्लैंड में चाकू से हुए हमले में तीन लड़कियों की मौत हो गई थी। इसके बाद यूके में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हो रहे हैं। आने वाले दिनों में और भी प्रदर्शन की उम्मीद है। धुर दक्षिणपंथियों की ओर से प्रदर्शन तेज हो गया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़प देखी गई। शनिवार को दर्जनों लोगों को गिरफ्तार किया गया। हिंसक भीड़ और जलती हुई दुकानों की तस्वीरें अब पूरी दुनिया में शेयर की जा रही है। साउथपोर्ट में टेलर स्विफ्ट-थीम वाली योग क्लास के दौरान चाकूबाजी की घटना के बाद तीन बच्चियों की मौत हो गई। इस घटना के बाद सभी शहरों में तनाव बढ़ गया है। इस पूरे बवाल का कारण आरोपी से जुड़ी एक खबर है। सोशल मीडिया पर दावा किया गया कि साउथपोर्ट का हमलावर एक अप्रवासी मुस्लिम था जो अवैध रूप से ब्रिटेन में आया था। इसके बाद अप्रवासियों के खिलाफ विरोध की लहर देखी गई। कार्डिफ में जन्मे 17 साल के एक्सल रुदाकुबाना पर हत्या और हत्या के प्रयास का आरोप लगाया गया है। आम तौर बार बालिग आरोपी का ही नाम पब्लिक किया जाता है। इस सप्ताह इंग्लैंड के अलग-अलग इलाकों में विरोध प्रदर्शन से निपटने के लिए दंगा पुलिस को स्टैंडबाय पर रखा गया है। वहीं धार्मिक नेताओं ने साउथपोर्ट की हत्या के बाद नफरत फैलाने के प्रयासों की निंदा करते हुए इसे शर्मनाक बताया। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक हिंसा की संभावित चेतावनी

के बीच किसी भी प्रदर्शन में शांति का आह्वान करने वालों में मुस्लिम, यहूदी, हिंदू और ईसाई धर्मगुरु शामिल थे।

बॉर्डर बंद करने को लेकर प्रदर्शन

ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस अशांति पर चर्चा करने के लिए शनिवार को अपने कैबिनेट के वरिष्ठ मंत्रियों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सड़कों पर चरमपंथियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पुलिस को पूरा समर्थन है। मैनचेस्टर, बेलफ़ास्ट, लिवरपूल और अन्य शहरों में विरोध प्रदर्शन हुआ। सोशल मीडिया पर आए वीडियो में आप्रवासी-विरोधी प्रदर्शनकारियों की भीड़ लिवरपूल की नदी के किनारे इकट्ठा होकर 'नावों को रोको' जैसे नारे लगाते हुए दिखे। दरअसल अफ्रीका और खाड़ी के अन्य देशों से भाग कर लोग यूरोप पहुंच रहे हैं। यह समुद्री रास्तों से नावों में बैठ कर आते हैं। पिछले कुछ वर्षों में बड़ी संख्या में अप्रवासी आए हैं।

ब्रिटेन में मुस्लिम निशाने पर

धुर दक्षिणपंथियों की ओर से किए गए प्रदर्शन के खिलाफ भी प्रदर्शन हो रहा है। स्वीडिश पत्रकार पीटर स्वीडन ने एक वीडियो शेयर कर दावा किया कि बॉर्डर बंद करने की मांग के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। उन्होंने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, 'खुली सीमा विरोधी प्रदर्शनों के जवाब में नकाबपोश लोगों के बड़े सशस्त्र गिरोह ब्रिटेन की सड़कों पर 'अल्लाहु अकबर' चिल्लाते हुए घूम रहे हैं।' ब्रिटेन के मैनचेस्टर में प्रदर्शनकारियों की भीड़ ने हमारे बच्चों को बचाओ जैसे नारे लिखी तख्तियां लेकर मार्च किया। उनके प्रदर्शन के खिलाफ एक गुट ने प्रदर्शन किया जिनके हाथों में नारे लिखे थे, 'फासीवाद और नस्लवाद को न कहो।'

अमेरिका के विवि में प्रवेश और स्कॉलरशिप पाने के लिए छात्र ने बनाए फर्जी दस्तावेज, अब भारत लौटना होगा

न्यूयॉर्क, 4 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के विवि में प्रवेश और स्कॉलरशिप पाने के लिए 19 साल के एक छात्र ने फर्जी दस्तावेज बनाए। छात्र ने स्कूल प्रिंसिपल की फर्जी मेल आईडी बनाकर विवि में आवेदन किया। इसके अलावा इंटरमीडिएट की मार्कशीट से छेड़छाड़ कर झूठा सर्टिफिकेट बनाया। वहीं स्कॉलरशिप पाने के लिए पिता का फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र तक बना दिया। मामले की जांच के बाद पुलिस ने छात्र को गिरफ्तार किया। अब छात्र को अमेरिकी अधिकारियों के साथ किए गए समझौते के तहत भारत वापस लौटना होगा। पेंसिलवेनिया के एक निजी अनुसंधान विवि लेहाई विवि में सत्र 2023-24 में प्रवेश के लिए भारतीय छात्र आर्यन आनंद ने फर्जी दस्तावेज जमा किए थे। आनंद का फर्जीवाड़ा तब सामने आया जब उन्होंने सोशल मीडिया साइट रेडिट पर मैनें अपना जीवन और कॅरिअर झूठ पर बनाया शीर्षक से एक पोस्ट साझा की। इसमें आनंद ने धोखाधड़ी की पूरी कहानी बताई। कुछ देर बाद उसने पोस्ट को हटा दिया। इसके बाद जांच शुरू हुई तो रेडिट टीम ने लेहाई विवि के प्रवेश विभाग को पोस्ट की जानकारी दी। जांच में सामने आया कि विवि के किसी आनंद नाम के छात्र रेडिट पर पोस्ट किया था। आनंद ने पोस्ट में लिखा कि मैनें विवि में आवेदन के लिए प्रिंसिपल@स्कूलनाम। कॉम की फर्जी ईमेल बनाई। इसके बाद सीनियर सेकेंडरी स्कूल के वर्ष में बदलाव किया। फिर सीनियर स्कूल में खुद को सफल दिखाने के लिए एक झूठा प्रमाण पत्र बनाया।

गाजा में तबाही मचा रही इजरायली सेना

स्कूल पर हुए हमले में 15 फलस्तीनियों की मौत; वेस्ट बैंक में नौ आतंकवादी ढेर

गाजा पट्टी, 4 अगस्त (एजेंसियां)। इजरायल अब कई मोर्चे पर लड़ाई लड़ रहा है। हमले हमास और अब हिजबुल्ला के साथ ईरान। लेकिन इजरायली सेना आतंकियों के खात्मे करने से पीछे नहीं हट रही है। रॉयटर के मुताबिक, गाजा में एक स्कूल पर हुए इजरायली हमले में 15 फलस्तीनी मारे गए। इसके कुछ घंटे बाद वेस्ट बैंक में दो हमलों में एक स्थानीय हमास कमांडर सहित नौ आतंकवादी मारे गए। हमास ने कहा कि गाजा शहर में विस्थापितों को आश्रय देने वाले एक स्कूल पर इजरायली ने हवाई हमले किए। वहीं, इजरायली सेना ने कहा कि वेस्ट बैंक के दो हवाई हमलों में से पहले हमले में तुल्कर्म शहर के पास एक शहर में एक वाहन पर हमला किया गया, जिसमें एक आतंकवादी सेल को निशाना बनाया गया था, जिसके बारे में उसने कहा था कि वह हमला करने की फिराक में था।

हमास ने लगाए आरोप

हमास द्वारा संचालित सरकारी मीडिया कार्यालय ने कहा कि गाजा पट्टी में, गाजा शहर के शेख राडवान पड़ोस में विस्थापित लोगों को आश्रय देने वाले एक स्कूल पर इजरायली हमले में कम से कम 15 लोग मारे गए। हमास ने कहा कि गाजा शहर में विस्थापितों को आश्रय देने वाले एक स्कूल पर इजरायली हवाई हमले में शनिवार को कम से कम 15 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई, इसके कुछ घंटे बाद कब्जे वाले वेस्ट बैंक में दो हमलों में एक स्थानीय हमास कमांडर सहित नौ आतंकवादी मारे गए।

इजरायली सेना ने कही ये बात

इजरायली सेना ने कहा कि स्कूल का इस्तेमाल हमास के लिए आतंकवादियों को छिपाने और हथियार बनाने के लिए कमांड सेंटर के रूप में किया जा रहा था। हमास ने इजरायल के इन आरोपों से इनकार किया है कि वह स्कूलों और अस्पतालों जैसी नागरिक सुविधाओं से संचालित होता है। इजरायली सेना ने कहा कि वेस्ट बैंक के दो हवाई हमलों में से पहले हमले में तुल्कर्म शहर के पास एक शहर में एक वाहन पर हमला किया गया, जिसमें एक आतंकवादी सेल को निशाना बनाया गया था,

सीएम की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

ऊर्जा क्षेत्र में संयुक्त उपक्रमों की स्थापना को मंजूरी

जयपुर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित राज्य मंत्रिमण्डल की बैठक में प्रदेश में मेट्रो रेल परियोजनाओं के विकास एवं संचालन के लिए संयुक्त उपक्रम, अक्षय एवं ताप विद्युत परियोजनाओं तथा विद्युत प्रसारण परियोजनाओं के लिए संयुक्त उपक्रम, इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट, संस्कृत शिक्षा विभाग में पदनाम परिवर्तन एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में सूपर स्पेशियलिटी शिक्षकों की कमी दूर करने से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय किए गए। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए मंत्रिमंडल में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी।

मेट्रो रेल परियोजनाओं के लिए संयुक्त उद्यम

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा ने बताया कि मेट्रो रेल नीति 2017 के अनुसार केंद्र सरकार और राज्य के बीच संयुक्त उद्यम (जेवी) कंपनी के गठन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। यह संयुक्त उद्यम राजस्थान में वर्तमान में चल रही एवं भविष्य की मेट्रो रेल परियोजनाओं के विकास, परिचालन एवं क्रियान्वयन के लिए होगा। दिल्ली मेट्रो, कोच्चि मेट्रो, बैंगलुरू मेट्रो, उत्तर प्रदेश मेट्रो, नोएडा मेट्रो, मध्य प्रदेश मेट्रो, नागपुर मेट्रो आदि लगभग सभी राज्यों में भी सफलता पूर्वक जेवी का यही मॉडल अपनाया गया है। मेट्रो रेल नीति-2017 के अनुसार इस जेवी को भारत सरकार से मेट्रो परियोजना लागत में वित्तीय सहयोग (अंशपूंजी एवं ऋण के रूप में) प्राप्त हो सकेगा। साथ ही, राज्य की मेट्रो परियोजनाओं के लिए तकनीकी एवं प्रशासनिक सहयोग प्राप्त हो सकेगा।

कोल इंडिया लिमिटेड और आरवीयूएनएल के बीच संयुक्त उपक्रम

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड ने बताया कि कोल इंडिया लिमिटेड और आरवीयूएनएल के बीच दो अलग अलग जेवी की स्थापना की जाएगी। इसमें एक तापीय परियोजना एवं

दूसरी अक्षय ऊर्जा परियोजना होगी। इन जेवी से बिजली की बेस लोड और पीक लोड डिमांड पूरी होगी। साथ ही बिजली उत्पादन में प्रदेश के वित्तीय भार में कमी आएगी। पहली परियोजना के अंतर्गत कालीसिंध तापीय परियोजना झालावाड़ परिसर में 800 मेगावाट की इकाई या किसी अन्य पीटहैड ग्रीनफील्ड कोयला परियोजना की स्थापना की जाएगी। दूसरी जेवी के तहत दो हजार से ढाई हजार मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना, पंप स्टोरेज परियोजना और पवन ऊर्जा परियोजना की स्थापना की जाएगी। इन परियोजनाओं से 17 हजार 200 से 24 हजार 400 करोड़ रूपये का प्रदेश में निवेश होगा।

इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट बनाया जाएगा

संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2024-25 के लेखानुदान में प्रसारण निगम में केन्द्र सरकार के ऊर्जा मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट इनविट लाने की घोषणा की गई है। इसकी अनुपालना में राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड इनविट का गठन करेगा तथा इसे सेबी में पंजीकृत किया जाएगा। आरवीपीएन को इनविट के माध्यम से अपनी परिचालन ट्रांसमिशन परिसंपति के मुद्रीकरण के लिए अधिकृत करने का प्रस्ताव आज अनुमोदित किया गया है।

आरजीएचएस में क्लेम सेटलमेंट में आएगी स्पष्टता

कर्नल राठौड़ ने बताया कि जिन राज्य कर्मचारी एवं पेंशनरों ने आरजीएचएस के अलावा निजी मेडिकल इंश्योरेंस भी ले रखा है, उन्हें अब केन्द्र सरकार/सीजीएचएस के प्रावधानों से क्लेम का भुगतान किया जाएगा। पहले क्लेम का सेटलमेंट मेडिकल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा किया जाएगा तथा इसके उपरांत शेष राशि का क्लेम आरजीएचएस के पेटे से सेटल किया जाएगा। इस निर्णय से आरजीएचएस और निजी मेडिकल इंश्योरेंस दोनों में पंजीकृत कर्मचारियों एवं पेंशनरों के क्लेम सेटलमेंट के संदर्भ में स्पष्टता आएगी।

चिकित्सा शिक्षा में सुपर स्पेशियलिटी शिक्षकों की कमी होगी दूर

उन्होंने बताया कि चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत राजस्थान चिकित्सा सेवा (कॉलेज शिक्षा) नियम 1962 के नियम 7 के उपनियम 1 में संशोधन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। इसके अंतर्गत राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में 1 अप्रेल 2020 या इसके पश्चात सुपर स्पेशियलिटी एवं सब स्पेशियलिटी में नये शुरू होने वाले विभाग में राजस्थान चिकित्सा सेवा (कॉलेज शिक्षा) नियम 1962 के नियम 24 के उपनियम 1 में वर्णित प्रक्रिया के बाद भी आचार्य, सह आचार्य के पद रिक्त रहते हैं तो इन्हें विशेष भर्ती से भरा जा सकेगा। इस निर्णय से राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग द्वारा निर्धारित मापदण्डों की पूर्ति हेतु चिकित्सा शिक्षकों की कमी दूर होगी और सुपर स्पेशियलिटी में स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा मिलेगा।

राहुल पर शेखावत का तंज

बोले- चोर की दाढ़ी में तिनका

जयपुर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि ' चोर की दाढ़ी में तिनका' है। वहीं नए प्रदेश अध्यक्ष को लेकर शेखावत ने कहा कि मदन राठौड़ जी जमीन से जुड़े हुए कार्यकर्ता हैं।

केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राहुल गांधी पर तीखा तंज कसा। नए प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के पदभार ग्रहण समारोह में पहुंचे शेखावत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ईडी को लेकर किए ट्वीट पर कहा कि हिंदी में सामान्य एक कहावत है।

मैं राहुल गांधी की बात नहीं कर रहा हूं, लेकिन कहा जाता है कि चोर की दाढ़ी में तिनका।

नए प्रदेश अध्यक्ष को लेकर शेखावत ने कहा कि मदन राठौड़ जी जमीन से जुड़े हुए कार्यकर्ता हैं। लगभग 30 साल से मेरा और उनका संबंध है। जब मैं छात्र राजनीति में था, तब से लेकर आज तक मैं पूरे भरोसे और विश्वास के साथ एक बात कह सकता हूं कि मदन जी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा, नए उत्साह और नए जोश का संचार होगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का कुनबा और अधिक मजबूत होकर उभरेगा। आने वाले पंचायती राज, विधानसभा के उप चुनाव और स्थानीय निकाय चुनाव में जनता एक बार फिर भाजपा को आशीर्वाद देगी।

हम सब लोग मिलकर भाजपा का कमल हर गांव तक खिले, इसके लिए संकल्पबद्ध होकर काम करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट के आरक्षण के फैसले पर दौसा सांसद नाखुश

दौसा, 4 अगस्त (एजेंसियां)। दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा ने आगे कहा कि इसमें सरकार ने कहीं ना कहीं सही रूप से आरक्षण की पैरवी नहीं की, जिसका नुकसान पूरे समाज को उठाना पड़ेगा। मुरारी लाल ने कहा कि एसटी को आरक्षण उसकी जाति की वजह से नहीं, बल्कि उसके सामाजिक परिवेश से उसकी संस्कृति से मिला हुआ है। आरक्षण के लिए एसटी और एससी दोनों के पैरामीटर अलग-अलग हैं।

दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा ने पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि ऐसा लगता है जैसे एसटी एससी के आरक्षण को खत्म करके ईडब्ल्यूएस और ओबीसी को आरक्षण देने की इच्छा हो। सांसद ने आगे कहा कि आज देश में आरक्षित वर्ग की संख्या 25% के आसपास है और सरकारी नौकरियों में मात्र 15% के आसपास ही पद भरे हुए हैं।

सांसद ने आगे कहा कि मुझे खुशी है कि राष्ट्रपति भी इस बात की पक्षधर है जो बात मैंने 8 दिन पहले बताई थी कि जैसे सिविल सेवा की परीक्षाएं जैसे होती है वैसे न्यायिक सेवा में भी परीक्षाएं लागू होना चाहिए। सांसद मुरारी लाल ने कहा कि हम लोग पहले ही कह रहे थे कि यदि मोदी फिर से सत्ता में आ गई तो आरक्षण खत्म करेगी।

हनुमान बेनीवाल के लिए युवक की ऐसी दीवानगी

करने चला था ऐसा काम कि खुद बेनीवाल को फोन कर रोकना पड़ा

बाड़मेर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। हनुमान बेनीवाल राजस्थान ही नहीं अपितु देश में चर्चित है। अपने बयानों के चलते सुर्खियों में रहने वाले बेनीवाल के प्रति दीवानगी का एक मामला सामने आया है। जहां एक युवक ने बेनीवाल के दोबारा सासंद बनने पर बाबा रामदेव की मन्नत ली थी कि जीतने पर वह रामदेव जी के घुटने के बल धोक लगाते हुए जाएगा। जिसकी सूचना मिलने के बाद हनुमान बेनीवाल ने फोन कर उसे रोका। युवक बाड़मेर जिले के ग्राम पूनियों का तला निवासी भगत सिंह जाखड़ है। जो कि आरएलपी पार्टी से जुड़ा हुआ है।

सांवरा सेठ के भंडार में चढ़ावे की गिनती पहले दिन इतने करोड़ रुपए के पार, गत माह जमा हुए थे रिकार्ड 19 करोड़ रुपए

आरएलपी संस्थापक हनुमान बेनीवाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि 'बाड़मेर जिले की बायतू विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पूनियों का तला निवासी, आरएलपी परिवार के सदस्य भगत सिंह जाखड़ घुटनों के बल लोक देवता बाबा रामदेव जी की धोक लगाने रामदेवरा जा रहे है, भगत सिंह ने मेरे दुबारा सांसद बनने की मन्नत बाबा से मांगी थी! मेरी जानकारी में आते ही मैंने फोन करके भगत सिंह को समझाया की घुटनों के बल रामदेवरा नही जाएं क्योंकि पुनियों का तला से रामदेवरा की दूरी बहुत अधिक है और इस स्थिति में घुटने खराब होने की संभावना रहती है।'

'किसी वाहन से रामदेवरा जाए'- बेनीवाल

'मैं पुनः भगत सिंह से अपील करता हूं की वो घुटनों के बल न जाकर किसी वाहन से रामदेवरा जाए क्योंकि मुझे तुम्हारे स्वास्थ्य की चिंता है! मेरी जानकारी में जब यह बात आई तो वो क्षण अत्यंत भावुक करने वाला था , राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को मजबूत करने के लिए और मुझे मजबूत करने के लिए भगत सिंह जैसे भाई मेरे साथ है जिनका दिल से जुड़ाव आरएलपी के साथ है।'

'पार्टी मजबूती से लड़ेगी'

'कई बार मौकापरस्त लोग जिन्होंने अपनी पहचान आरएलपी से बनाई और अपना स्वार्थ साधने के लिए पार्टी का दामन छोड़कर गए, तब -तब इनके जैसे मजबूत साथियों की आवाज ने यह व्यक्त कर दिया की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी लाखों लोगो के भरोसे के साथ जनहित के लिए संघर्ष कर रही है और मजबूती से जनता के हितों के लिए लड़ेगी।'

जल्द लागू होगी तबादला नीति

भजनलाल सरकार के मंत्री ने दिए ये संकेत

झुंझुनू, 4 अगस्त (एजेंसियां)। गुढ़ागौड़जी। राजस्थान में जल्द ही तबादला नीति लागू हो सकती है। भजनलाल सरकार के मंत्री ने कुछ ऐसे ही संकेत दिए है। झुंझुनूं जिले में गुढ़ा गौड़जी कस्बे के केड गांव में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने तबादला नीति को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में माना कि अभी यह महसूस नहीं हुआ कि सरकार बदल चुकी है लेकिन आने वाले दो-तीन महीने में यह भी महसूस हो जाएगा। केड गांव में आयोजित कार्यक्रम के बाद पत्रकारों ने सवाल किया था कि तबादला नीति शुरू नहीं होने से अभी तक लोगों को सरकार बदलने जैसा अहसास नहीं हो रहा। इस पर यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि हां, यह थोड़ा सा सही है कि अभी यह महसूस नहीं हुआ लेकिन जल्द ही यह महसूस हो जाएगा।

खराब फसल का मुआवजा दिलाने का दिया आश्वासन

कार्यक्रम में मौजूद किसानों ने खराब फसल का मुआवजा दिलाने की मांग की। इस पर खर्रा ने कहा कि सोमवार को वह आपदा प्रबंधन मंत्री से मिलेंगे। जिन किसानों की रिपोर्ट तैयार है, उन्हें मुआवजा दिलवाने का पूरा प्रयास करेंगे।

विदेश से एमबीबीएस करने वाले छात्रों के लिए बड़ी खबर, इस देश की डिग्री भारत में नहीं होगी मान्य!

जयपुर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। देश के मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश नहीं मिलने के बाद प्रति वर्ष हजारों स्टूडेंट चीन और रूस सहित विभिन्न देशों में जाकर एमबीबीएस करने के लिए वहां के मेडिकल कॉलेजों में दाखिला लेते हें। लेकिन रूस में यह पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को कोर्स पूरा करने के बाद इंटर्नशिप नियमों की जानकारी नहीं मिल पा रही है।

चीन के शिक्षा मंत्रालय की ओर से नियमों व गाइडलाइन की जानकारी भारतीय दूतावास और भारतीय विद्यार्थियों को दी जा चुकी है लेकिन रूस के किसी भी सरकारी विभाग ने 6 वर्ष के बाद की इंटर्नशिप के बारे में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं करवाई है।

प्रभावित विद्यार्थियों के अनुसार

6 वर्ष यानी 12 सेमेस्टर के दौरान इंटर्नशिप तकनीकी रूप से मान्य नहीं हो सकती। इंटर्नशिप से पहले मेडिकल की पूरी पढ़ाई हो जाना अनिवार्य होता है। इंटर्नशिप के दौरान स्टूडेंट वरिष्ठ चिकित्सक के मार्गदर्शन में अस्पताल में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं।

रूस की सरकार की ओर से इस तरह का कोई दस्तावेज भारत सरकार, नेशनल मेडिकल कमीशन या भारतीय दूतावास को नहीं दिया गया है, जिसमें यह लिखा हो कि 6 वर्ष के बाद वहां के विश्वविद्यालय भारतीय विद्यार्थियों को इंटर्नशिप कैसे करवाएंगे, इंटर्नशिप अवधि की फीस क्या होगी या इंटर्नशिप का पृथक सर्टिफिकेट किस तरह मिलेगा।

क्या फर्क पड़ेगा

रूस में इंटर्नशिप नहीं होगी तो डिग्री भारत में मान्य नहीं होगी क्योंकि भारत सरकार के अनुसार जिस देश से एमबीबीएस कर रहे हैं, उसी देश के उसी विश्वविद्यालय से 12 महीने की इंटर्नशिप करनी जरूरी है, जो कोर्स समाप्त होने के बाद होनी चाहिए। यह इंटर्नशिप पूरी नहीं होने के कारण स्टूडेंट्स फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जाम या नेशनल एक्जिट टेस्ट (नेक्सट) नहीं दे पाएंगे।

ना शराब पीता ना बेचता था

आबकारी अधिकारी ने ठेले वाले को गाड़ी में बैठा दिया, ग्रामीण आगबबूला

दौसा, 4 अगस्त (एजेंसियां)। मामला बीते देर शाम का है, जब आबकारी अधिकारी घनश्याम वैष्णव कार्रवाई करने के लिए अलूदा क्षेत्र में पहुंचे थे, जहां घनश्याम वैष्णव की मानें तो उन्हें सूचना मिली थी कि आलूदा गांव में अंडे का ठेला लगाने वाला रोशन अपने ठेले पर शराब बेचता है। जिसकी कार्रवाई के लिए मौके पर जाकर पूछताछ के लिए उन्होंने रोशन को गाड़ी में बिठाया था। रोशन को जैसे ही गाड़ी में घनश्याम वैष्णव ने बिठाया वहां मौके पर मौजूद लोगों का हुजूम रोशन के पक्ष में उमड़ पड़ा।

इधर मामला गरमाते देख मौके पर पापडदा थाना पुलिस को भी बुलाया गया। उसके बाद भी काफी देर तक बहसबाजी चलती रही। फिर दोनों को थाने पर ले जाकर आसपास दोनों पक्षों को समझाइश कर मामला शांत करवाया गया।

अस्पताल से घर लौट रहा था मरीज, रास्ते में पता चला किडनी हो गई है गायब, सदमे से मौत

पाली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। सुमेरपुर शहर में संचालित एक निजी हॉस्पिटल में मरीज के ऑपरेशन के दौरान किडनी गायब करने का आरोप मृतक के परिजनों ने लगाया है। मामले को लेकर मृतक के परिजनों और समाजबंधुओं ने थाने के बाहर प्रदर्शन कर डॉक्टर की गिरफ्तारी की मांग की। मृतक का पाली जिला मुख्यालय पर मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दोनों किडनियां मिली। मामले में मृतक के दामाद ने मामला दर्ज करवाया। अस्पताल ने जांच रिपोर्ट को त्रुटिपूर्ण बताते हुए आरोप को गलत बताया है।

सुमेरपुर निवासी मुकेश कुमार पुत्र कानाराम सरगरा ने रिपोर्ट दी कि उसके ससुर रमेशकुमार पुत्र नाथूराम सरगरा के पेट में दर्द होने पर 3 जुलाई को शंकुस अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने जांच के बाद बताया कि मरीज में पेट में पथरी और पित्त की थैली में कैंसर है। मरीज को भर्ती किया गया तथा तीन दिन के उपचार के बाद धीरे धीरे ठीक होने का बताकर छुट्टी दे दी। दर्द कम नहीं होने पर 8 जुलाई को वापस अस्पताल लाए चिकित्सकों ने मरीज को भर्ती कर इलाज शुरू किया। दूसरे दिन बताया कि रोग शरीर में फैल गया है और पित्त की थैली से कैंसर की गांठ निकालने के लिए ऑपरेशन करना पड़ेगा। परिजनों की सहमति देने पर 9 जुलाई को डॉ. एसएस दास ने ऑपरेशन किया। इस बीच 15 जुलाई को डॉ. दास ने कहा कि कैंसर शरीर में फैला है इन्हें घर लेकर जाओ और सेवा करो।

मामले की जानकारी पर समाजबंधु और रिश्तेदार सुमेरपुर थाने के बाहर एकत्रित होने लगे। उन्होंने नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। उन्होंने डॉक्टर की गिरफ्तारी और कार्रवाई की मांग की। थानाधिकारी भारतसिंह रावत की समझाइश के बाद प्रदर्शनकारी शांत हुए।

बांगड अस्पताल के चिकित्सकों की सलाह पर करवाई सोनोग्राफी

मरीज की घर पर तबीयत ज्यादा खराब होने पर दो अगस्त को बांगड़ अस्पताल पाली लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने पेट की जांच करवाने को कहा। जांच रिपोर्ट देखकर चिकित्सकों ने बताया कि मरीज के शरीर में बाई किडनी नहीं है। पाली से सुमेरपुर घर लौटते समय जब मरीज को शरीर में किडनी नहीं होने की बात पता चली तो सदमे से उसकी बीच रास्ते में मौत हो गई।

रिपोर्ट में नहीं लिखा किडनी है ही नहीं

बांगड़ हॉस्पिटल में मरीज की सोनोग्राफी करने वाले डॉ. एके मौर्य ने कहा उन्होंने रिपोर्ट में यह लिखा कि मरीज की एक किडनी दिख नहीं रही है। है ही नहीं, यह नहीं लिखा। मरीज का ऑपरेशन हो रखा था। उसकी आंतों में सूजन, पेट में गैस थी। वह करवट भी नहीं ले पा रहा था। ऐसे में किडनी दिख नहीं पाई।

प्रार्थी की रिपोर्ट पर शंकुस हॉस्पिटल सुमेरपुर के डॉक्टर एस दास और हॉस्पिटल प्रबंधक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। हालांकि मेडिकल बोर्ड से मृतक की बॉडी का पोस्टमॉर्टम करवाने पर मरीज की बॉडी में दोनों किडनियां मिली। इसकी जानकारी मरीज के परिजनों को दे दी गई।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर बड़ा हादसा

ऋषिकेश से आ रहे चार लोगों की दर्दनाक मौत

सवाईमाधोपुर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के सवाईमाधोपुर जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे की बनास नदी पुलिया पर एक बार फिर बड़ा हादसा हो गया। रविवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, कार चालक सहित 5 लोग बुरी तरह घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया।

पुलिस के मुताबिक दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हादसा रविवार सुबह करीब 7 बजे हुआ। हादसे का शिकार लोग कार में सवार होकर ऋषिकेश से वापस घर लौट रहे थे। तभी बनास नदी पुलिया पर ट्रक और कार में भिड़ंत हो गई। इस हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मरने वाले सभी लोग मध्य प्रदेश के विक्रमगढ़ के रहने वाले हैं।

पुलिस के मुताबिक हादसे के शिकार सभी लोग ऋषिकेश में परिवार की एक महिला का अंतिम संस्कार करके वापस अपने गांव मध्य प्रदेश के विक्रमगढ़ लौट रहे थे। तभी बनास नदी पुलिया पर कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रक में घुस गई।हादसे के बाद भी ट्रक चालक करीब एक किलोमीटर तक कार को घसीटता हुआ ले गया। इसके बाद चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से ट्रक चालक की तलाश कर रही है।

मृतकों की पहचान मोनिका पुत्री चरणलाल प्रजापत, रेखा पत्नी ईश्वर लाल प्रजापत, धामू पत्नी बाली और राजन पुत्र चरणलाल प्रजापत के रूप में हुई है। वहीं, गंभीर घायल पायल पत्नी कमलेश प्रजापत, कृष्णा पत्नी कपरनलाल प्रजापत, बुलबुल पुत्री कपरनलाल प्रजापत, ज्योति पत्नी अर्जुन प्रजापत, अनिता और शकील खान का सवाई माधोपुर के जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

हादसा इतना जबर्दस्त था कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार में सवार लोगों शव बुरी तरह चिपक गए। ऐसे में पुलिस को भी शवों को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

चोरी से पहले जंगल में करते थे पार्टी, पुलिस के हत्थे चढ़े जालोर में दहशत मचाने वाले गमेती गैंग के 6 चोर

जालोर, 4 अगस्त (एजेंसियां)। जालोर जिले के जालोर सर्कल में पिछले कई दिनों से हो रही चोरियों का पुलिस ने पर्दाफाश कर गमेती गैंग के छह चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव के निर्देशन में एएसपी रामेश्वरलाल व सीओ गौतम जैन के पर्यवेक्षण में बिशनगढ़ पुलिस थाना की टीम एवं जिला डीएसटी टीम ने सूने मकानों, मन्दिरों व अन्य स्थानों पर हुईं चोरियों की वारदातों का पर्दाफाश कर 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह सभी चोर गमेती गैंग से जुड़े है। इनका सरगना पिण्डवाड़ा थाने का हिस्ट्रीशीटर और हार्डकोर अपराधी भारमाराम गमेती है, जिसके विरूद्ध 12 अपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

डीएसटी टीम प्रभारी बलदेवाराम एवं साइबर एक्सपर्ट त्रिलोकसिंह मय जाब्ता के साथ संदिग्धों की तलाश के लिए जिला पाली के नाणा, सिरोही के पिण्डवाड़ा, रेवदर एवं उदयपुर साइड में कैप करवाया जाकर संदिग्धों की पहचान शुरू करवाई गई। सर्वप्रथम संदिग्ध मुलजिम भारमाराम पुत्र सोपाराम जाति गमेती निवासी भोगिया फली मोरस थाना पिण्डवाडा जिला सिरोही को 10 किमी पैदल पीछा कर पकड़ा, जो पिण्डवाड़ा थाने का हिस्ट्रीशीट एवं हार्डकोर अपराधी होना पाया गया। उसने सहयोगियों के नाम पता बताए, जिन्हें उक्त टीम द्वारा कड़ी मेहनत से पहाड़ियों से घिरे हुए स्थानों से गिरतार किया। पुलिस ने चोरी की वारदातों को लेकर गमेती गैंग के सरगना भारमाराम पुत्र सोपाराम जाति गमेती, निवासी भोगिया फली मोरस, पुलिस थाना पिण्डवाडा, राजु उर्फ दादिया पुत्र अजाराम उर्फ अर्जुन जाति गमेती निवासी मालेरा थाना पिण्डवाडा जिला सिरोही, रामाराम पुत्र सिंगाराम गरासिया निवासी कालाबोर उपरला भीमाणा थाना नाणा जिला पाली, शभु पुत्र जगाराम जाति गमेती निवासी खिला पीएस बेकरिया जिला उदयपुर, साहिबाराम पुत्र मोहन जाति गमेती निवासी भोगिया फली मोरस थाना पिण्डवाडा जिला सिरोही व शेराराम पुत्र रणछाराम जाति गमेती निवासी क्यारी थाना बेकरिया जिला उदयपुर को गिरफ्तार किया।

वंचित वर्गों के समर्थन हेतु विभिन्न चैरिटी प्रोगाम आयोजित करने में एसबीआई की अग्रणी भूमिका : रश्मि सिन्हा

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। स्टेट बैंक आफ इण्डिया लेडीज क्लब हैदराबाद (एसबीआई एलसी) अध्यक्षा श्रीमती रश्मि सिन्हा ने कहा कि, महिलाओं, लड़कियों और वरिष्ठ नागरिकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, समाज के वंचित वर्गों की भलाई व समर्थन हेतु नियमित आधार पर विभिन्न चैरिटी प्रोग्राम्स अथवा दान गतिविधियाँ आयोजित करने में एसबीआई की अग्रणी भूमिका रही है।

इस संदर्भ में, ग्रेटर हैदराबाद एसबीआई लेडीज क्लब अध्यक्षा श्रीमती रश्मि सिन्हा ने हैदराबाद के मियापुर स्थित विवेकानंद सेवा संघम एनजीओ में चैरिटी प्रोग्राम का आयोजन किया। जिसमें उन्होने कहा कि, ग्रेटर हैदराबाद स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया लेडीज क्लब जो महिलाओं, लड़कियों और वरिष्ठ नागरिकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, समाज के वंचित वर्ग का समर्थन करने के लिए नियमित आधार पर विभिन्न चैरिटी या दान गतिविधियाँ आयोजित करता है। इस दौरान अध्यक्षा श्रीमती रश्मि सिन्हा ने विवेकानंद सेवा संघम को किराना सामग्री, होजरी की वस्तुएं, स्वच्छता देखभाल, बच्चों के लिए टी-शर्ट, वरिष्ठ नागरिकों के लिए पोशाक, भस्मक और अन्य आवश्यक वस्तुएं सौंपी।

इस मामले में वरिष्ठ नागरिकों के लिए चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया और उन्हें दवाइयां, टॉनिक और स्वास्थ्य की खुराक प्रदान की गई।

साथही एसबीआई लेडीज क्लब हैदराबाद अध्यक्षा श्रीमती रश्मि सिन्हा ने स्थिरता पहल के एक भाग के रूप में, एनजीओ परिसर में पेड लगाकर, वृक्षारोपण गतिविधि भी की। जिसमें उन्होंने इस चैरिटी गतिविधि का हिस्सा बनने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होने कहा कि, एनजीओ 38 वंचित अनाथ लड़कियों को बेहतर आवास, पौष्टिक भोजन प्रदान करने और साथ ही उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए शिक्षित करके तत्संबंधितों का समर्थन करता है। उन्होने आगे बताया कि, एसबीआई के इस लेडीज क्लब द्वारा 4% वरिष्ठ नागरिकों को भी अच्छा आवास, स्वस्थ भोजन, भावनात्मक समर्थन, नर्सिंग सहायता आदि प्रदान करके अतुलनीय सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। साथ ही उन्होने कहा कि, इस क्लब के सदस्य बहुत उत्साही हैं और इस क्लब के सदस्य, किसी भी जाति के जरूरतमंदों, दलितों, निराश्रित और शारीरिक रूप से विकलांग लोगों की सेवा करने में रत योग्य संगठनों तक पहुंचने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

मुख्यमंत्री के बयान की निंदा : जगदीश सोबले

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अपने भाषण में सरकारी शिक्षण संस्थानों और निजी शिक्षण संस्थानों में कार्यरत प्राध्यापकों की तुलना करते हुए निजी रूप से जिस तरह हमला बोला वह बेहद निंदनीय है। उक्त आरोप लगाते हुए हिंदी प्राध्यापक जगदीश सोबले ने कहा कि सीएम रेड्डी ने जिस तरह से निजी रूप से कार्यरत प्राध्यापकों का अपमान किया है उसकी शिकायत हाईकमाम को दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आज निजी कालेजों में दसवीं पास इंटरमीडिएट तक पढ़े लिखे लोग भी पढ़ा रहे हैं। उनके मुकाबले सरकारी कालेजों के प्राध्यापक ज्यादा उच्च शिक्षा प्राप्त हैं। सोबले ने कहा कि ऐसे बयान देकर मुख्यमंत्री ने सभी निजी संस्थानों में कार्यरत प्राध्यापकों का अपमान किया है और हम बहुत जल्दी उन पर मानहानि का मुकदमा दर्ज कराएंगे। उन्होंने कहा कि सीएम ने अपने बयान से सिद्ध कर दिया कि उन्हें विश्वविद्यालय में पढ़ाने वाली प्रक्रिया का ज्ञान नहीं है और उन्होंने बिना सोचे समझे एक साधारण अशिक्षित व्यक्ति की तरह भाषण में सभी निजी शिक्षकों को अपमानित किया है। कम से कम अपने साथ राज्य के शिक्षा मंत्री से विचार-विमर्श कर बयानबाजी करते तो समस्त शिक्षामित्रों का अपमान नहीं होता।

आज पवित्र गंगाजल द्वारा ब्रह्म मुहूर्त में भोले बाबा के चरणों में अभिषेक प्रारंभ : मांगेराम तायल

पवित्र श्रावण मास के संदर्भ में भाग्यनगर में 27वीं भव्य कांवड यात्रा हुई आयोजित

हैदराबाद, 4 अगस्त(स्वतंत्र वार्ता)। यात्रा संयोजक पुरुषोत्तम अग्रवाल ने बताया कि, पवित्र श्रावण मास के संदर्भ में भाग्यनगर में 2%वीं भव्य कांवड यात्रा आयोजित हुई।

इस संदर्भ में, भाग्यनगर कांवड संघ, हैदराबाद-सिकंदराबाद के प्रमुखों ने विस्तार से बताया कि, पवित्र श्रावण मास के चलते कल रविवार रात्रि 8 बजे से, स्थान - एन.के.एन. आर. एस. वेदिका, कुकटपल्ली हैदराबाद पर, शिव भण्डारा एवं शिव महा-जागरण का आयोजन किया गया। इस शुभावसर पर, महा -जागरण में जय भवानी कीर्तन मण्डल हैदराबाद की ओर से प्रसिध्द भजन गायक श्री विजय जाजू ने सुमधुर भजन प्रस्तुत किए। जिससे वातावरण आध्यात्मिकता व पवित्रता से भर उठा। इस कांवड यात्रा में उपस्थित हजारों भक्तों ने उपरोक्त भजन गायक द्वारा प्रस्तुत सुमधुर भजनों का आनंद लिया। इस अवसर पर विशेष आकर्षण के रूप में श्री माण्टी चैनी ग्रूप दिल्ली द्वारा धार्मिक नृत्य -नाटिकाओं का आयोजन हुआ। जिसमें उपस्थित सभी श्रध्दालुओं ने सराहा।

इस शुभावसर पर तत्संबंधित कार्यक्रम अध्यक्ष मांगेराम तायल ने बताया कि, इस पवित्र श्रावण मास के शुभावसर पर कल अर्थात् सोमवार 5 अगस्त को द्वादश ज्योतिर्लिंग शिवालय, श्रीश्री पुल्लुरू नारायणदास आश्रम ट्रस्ट पिल्लर नं.818 कुकटपल्ली स्थान पर कांवडियों द्वारा हर-की पौडी हरिव्दार से लाए पवित्र गंगाजल द्वारा ब्रह्म मुहूर्त में भोले बाबा के चरणों मे अभिषेक प्रारंभ किया जायेगा।

इस शुभावसर पर जिन गणमान्य व्यक्तियों ने उपरोक्त पवित्र गंगाजल कांवड यात्रा को अपना पूरा समर्थन देकर सभी का उत्साह बढाया उनमें, अध्यक्ष मांगेराम तायल, उपाध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल, सुनिल कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष चंपालाल बैद, कमल किशोर मालाणी, सह-मंत्री ललित कडेल, महिला अध्यक्षा रूबी मिश्रा, महिला उपाध्यक्षा मिनू गुप्ता, यात्रा संयोजक पुरुषोत्तम अग्रवाल, सुरेश जगनानी, विजयकुमार अग्रवाल शामिल हैं। साथ ही इस कांवड यात्रा के संयोजक पुरुषोत्तम अग्रवाल ने बताया कि, गंगाजल कावंड यात्रा मार्ग से गुजरनेवाले सभी ऐतिहासिक 1151 कांवडधारियों तथा शिवभक्तों का धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं सहित सभी शिवभक्त परिवारों ने पवित्र रंगबिरंगे पुष्पों से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

कांवड़ यात्रा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया

मेडचल, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कुशाईगुडा स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कांवड यात्रा का आयोजन किया गया। कांवड यात्रा प्रातः 10 बजे कुशाईगुडा वेंकटेश्वर स्वामी मन्दिर से शंकर भगवान के उद्घोष के साथ किशरगुट्टा शिवालयम के लिए प्रस्थान किया। जहा किशरगुट्टा कल्याण मण्डपम में भगवान भोले को भजननों से रिझाने शिवभक्त राजेश शर्मा, मदन सिंह, मुरारी शर्मा अपनी प्रस्तुति दी। इस अवसर पर मेडचल भारतीय जनता पार्टी प्रवक्ता राम प्रदीप, दामोदर शर्मा, जयप्रकाश शर्मा, आनंद शर्मा, कैलाश शर्मा, दुलीचन्द शर्मा, किशोर शर्मा, विकास शर्मा, मुरारी शर्मा, गोपाल चौधरी, गुमान सिंह राजपूत, शुभम शर्मा, महिला मंडल कमला देवी शर्मा, रेखा शर्मा, ममता शर्मा, मुनि शर्मा, प्रेमलता शर्मा, किरण शर्मा, मुनि बाई, विजयलक्ष्मी शर्मा, कमला शर्मा, सुशील शर्मा, कमला ललिता शर्मा व समस्त शिव भक्त उपस्थित रहे।

तीन और पीजी पाठ्यक्रमों की अनुमति

सिद्दीपेट, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद (एनएमसी) ने सिद्दीपेट सरकारी मेडिकल कॉलेज को तीन और पीजी पाठ्यक्रमों की अनुमति दे दी है।

मौजूदा 13 पीजी पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त, कॉलेज में बाल रोग, एनेस्थीसिया और त्वचा विज्ञान में भी पीजी पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। एनेस्थीसिया में 6 सीटें होंगी, जबकि पीडियाट्रिक्स और डर्मेटोलॉजी में 4-4 सीटें होंगी। पहले 13 पीजी कोर्स में कुल मिलाकर 58 सीटें थीं। इन तीन कोर्स में 14 सीटें और जुड़ गई हैं। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि उन्हें खुशी है कि कॉलेज में अब 16 पाठ्यक्रम हैं, हालांकि यह अपेक्षाकृत नया कॉलेज है।

अग्रवाल समाज शिवरमपल्ली शाखा द्वारा अमावस्या के उपलक्ष में अन्न प्रसाद कार्यक्रम का आयोजन आरामगढ़ स्थित हनुमान मंदिर के पास किया गया। शाखा के अध्यक्ष श्याम सुन्दर अग्रवाल, उपाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, मानद मंत्री ललित अग्रवाल, सह मंत्री सुशील अग्रवाल कोषाध्यक्ष अनिल बंसल एवं केंद्रीय समिति सदस्य राजेश जालिय, राकेश जालान, बजरंग अग्रवाल, तरुण अग्रवाल, अनिल बंसल, विजय अग्रवाल, पंकज गुप्ता, मोहित अग्रवाल, सुरेश जैन, नवरतन, रवि शर्मा, अनिल गोयल एवं शाखा के सामान्य सदस्य उपस्थित थे।

धमाका सेल जारी शिवराज लक्ष्मीचंद ज्वैलर्स द्वारा

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शिवराज लक्ष्मीचंद ज्वैलर्स या एसएलजे द्वारा वार्षिक 100% धमाका सेल जोरशोर से जारी है। ग्रेटर हैदराबाद के सोमाजीगुडा स्थित एसएलजे आकर्षक स्वर्णाभूषणों का भंडार है, जिसमें वार्षिक 100% धमाका सेल जोरशोर से जारी है।

हरियाली अमावस्या पर मूसलिंग जंगपुर बेगम बाजार स्थित कामधेनु गोशाला में गायों को चारा खिलाते सिकंदराबाद बोइनपल्ली मार्केट यार्ड व्यापारी संघ के अध्यक्ष गौतम जैन लोढ़ा, राजेंद्र यादव, मणिलाल शाह, गजानन चौधरी रघुनंदन गोप आदि।

गोसेवा मित्र मंडल द्वारा श्री समर्थ कामधेनु गौशाला जियागुडा में हरियाली अमावस्या पर गोसेवा करते मनोज अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, यश अग्रवाल, अजय गुप्ता, विनोद राठी व अन्य।

हरियाली अमावस्या पर बजरंग सेना के अध्यक्ष एनआर लक्ष्मण राव, रजनी श्रीरामोजू, यर्रम श्रीनिवास, सुनील अग्रवाल, अरुण सिंह, काजल कुशवाह, करन नरेश आशीष अस्मित अग्रवाल आदि ने गोसेवा का लाभ लिया।

विश्व मंगल गौशाला में श्रावण मास की अमावस्या के पावन अवसर पर सभी को भक्तों ने तन मन धन से सेवा दी सुंदर-सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी। शेरू दास, मुकेश नाथ, जयराम सीरवी और सेवा के लाभार्थी बने डूंगाराम सीरवी, जसराज सीए साहब, पुखराज सीरवी, खेमाराम, दिलाराम प्रजापत, मूलाराम सीरवी, प्रमोद जांगिड, लक्ष्मण सिंह राजपुरोजित, दिनेश भाई, हरीश, चौधरी मार्केटिंग, शेष राम सीरवी, अमराराम, बाबूलाल, विजय सिंह भालोतिया, धर्माराज सुथार, सुगंध, विश्वकर्मा महिला मित्र मंडल सुचित्र, श्री स्टील फतेहनगर, बालाजी पावर, टूल्स विकास इंस्पेक्टर एंड टूल्स, माजीसा स्टील, गोनाराम मुलेवा, सोहनलाल, मुकेश जाट, अमरनाथ, जसराज सुथार, रूपाराम, राजूराम प्रजापत, चंपालाल, करना घर रेडी, धन्यवाद प्रकट करते हुए शांतिलाल सुथार व दुर्गा रेड्डी गोगाराम सीरवी।

अवैध रूप से रेत परिवहन करते पकड़ा गया

आसिफाबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद जिला में श्रीनिवास राव आईपीएस के आदेश के तहत अवैध गतिविधियों के तहत अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए डीसीएम को आज वांकिडी मंडल में खमाना एक्स रोड और टोल प्लाजा के पास अवैध पकड़ा गया। वाहन चालक को पकड़ने के बाद उसकी पहचान महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के जीवथी गांव के कपुल श्याम राव जांडेकर के रूप में हुई। वह ओरियन सीमेंट फैक्ट्री में लॉरी ड्राइवर के रूप में कार्यरत है। टास्क फोर्स सीआई राणा प्रताप ने बताया कि वानखिड़ी मंडल के कनारगाम से महाराष्ट्र तक रेत के अवैध परिवहन के आरोप में उसे गिरफ्तार किया कर वानखिड़ी पुलिस स्टेशन में सौंप दिया गया।

हरियाली अमावस्या के उपलक्ष्य पर नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के बाहर अन्नदानम करती अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबीता गर्ग, संगीता जजोदीया, संतोष अग्रवाल, भर्ती बाई, शीला, अंकिता, नीतीश, कृष्णा, भीम, बबीता आदि।

ईसीआईएल स्थित श्रावण मास के पावन अवसर पर कुशाईगुड़ा से कीसरा शिवालयम तक भोले बाबा की पैदल कावड़ यात्रा मे उपस्थित राजस्थानी प्रवासी मित्र मंडल समाज बन्धु।

भाग्यनगर कांवड़ सेवा संघ की 27वीं विशाल कावड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों का घांसी बाजार में पुष्प वर्षा से स्वागत करते हुए श्री वीर हनुमान भक्त मंडल भाग्यनगर के सदस्य एवं अन्य शिव भक्त।

छात्रवृत्ति वितरण कल

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल मानव सेवा मंच के प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल ने विज्ञप्ति जारी करके जानकारी दी है कि जिन छात्रों ने आवेदन पत्र जमा करवाए थे और जो छात्र छात्रावृत्ति के लिए उपयुक्त पाए गए हैं, उनको फोन के माध्यम या फोन पर मैसेज के माध्यम से इसकी सूचना दी जा रही है। छात्रावृत्ति वितरण मंगलवार को सांय 4 बजे से 6 के बीच में धानुका एग्रो टेक लि. बंजारा हिल्स पर की जाएगी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

चैंपियंस ट्रॉफी- आईसीसी ने 544 करोड़ का बजट तय किया

इसमें पाकिस्तान के बाहर वेन्यू के लिए लागतें भी शामिल; अगले साल खेला जाएगा टूर्नामेंट

मुंबई, 4 अगस्त (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने चैंपियन ट्रॉफी 2025 के लिए बजट तय कर दिया है। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, आईसीसी ने हाल ही में कोलंबो में अपनी एनुअल जनरल मीटिंग में करीब 544 करोड़ रुपए (65 मिलियन डॉलर) के बजट को मंजूरी दी है।

इस बजट में पाकिस्तान के बाहर कुछ खेलों के आयोजन से जुड़ी लागतें भी शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय टीम पाकिस्तान खेलने के लिए नहीं जाती है तो उसके मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत पाकिस्तान से बाहर आयोजित कराए जा सकते हैं। ये मैच यूएई या श्रीलंका में आयोजित हो सकता है। इसलिए बजट राशि को इतना बढ़ाया गया है। हाल ही में आई रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने पाकिस्तान में

नहीं खेलने का फैसला किया है। हालांकि अब तक बीसीसीआई ने इस पर कोई बयान नहीं दिया है।

दो ग्रुप में आठ टीमें

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी पाकिस्तान को दी गई है। पीसीबी ने टूर्नामेंट के वेन्यू का ड्राफ्ट आईसीसी को सौंप दिया है। टूर्नामेंट का आयोजन अगले साल फरवरी-मार्च में होना है। ड्राफ्ट के मुताबिक, भारत को ग्रुप ए में पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और अफगानिस्तान शामिल हैं। वनडे वर्ल्ड कप 1996 के बाद यह पहला मौका है जब पाकिस्तान को किसी आईसीसी इवेंट की मेजबानी दी गई है।

चैंपियन ट्रॉफी को लेकर भारत-पाकिस्तान में कोई बात नहीं

आईसीसी मीटिंग में यह उम्मीद जताई जा रही थी कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चेयरमैन मोहसिन नकवी पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर बीसीसीआई सचिव जय शाह से बात कर सकते हैं। मगर इसको लेकर दोनों बोर्ड के बीच कोई बातचीत नहीं हुई।

पाकिस्तान में अगले साल चैम्पियंस ट्रॉफी होनी है, जिसके लिए 6 टीमों ने तो पाकिस्तान जाने के लिए सहमति दे दी है, लेकिन भारतीय टीम के जाने को लेकर स्थिति अभी साफ नहीं है। ऐसे में टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में हो सकता है। आईसीसी मीटिंग में इस मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं हुई। इसमें सिर्फ चैंपियन ट्रॉफी 2025 का बजट पास हुआ।

गौतम गंभीर ज्यादा समय टिक नहीं पाएंगे टीम इंडिया को वर्ल्ड कप जिताने वाले खिलाड़ी ने 3 वजहें बताकर चौंकाया

नई दिल्ली, 4 अगस्त (एजेंसियां)। गौतम गंभीर अब टीम इंडिया के नए हेड कोच हैं. श्रीलंका दौरे से उन्होंने टीम की कमान संभाल ली है. T20 सीरीज में भारत के श्रीलंका के खिलाफ क्लीन स्वीप करते ही गौतम गंभीर ने अपनी कोचिंग में पहली सीरीज जीत का स्वाद भी चख लिया है. लेकिन, इन सबके बीच टीम इंडिया की वर्ल्ड कप जीत के हीरो रहे एक खिलाड़ी का चौंकाने वाला बयान वायरल हो रहा है. उनके मुताबिक गौतम गंभीर टीम इंडिया को संभाल तो सकते हैं पर यहां ज्यादा दिन टिकने नहीं वाले.

गौतम गंभीर ज्यादा समय टिक नहीं पाएंगे- जोगिंदर शर्मा

गौतम गंभीर को लेकर इस तरह का बयान देने वाले हैं जोगिंदर शर्मा, जो कि 2007 में टी20 वर्ल्ड कप का पहला खिताब जीतने वाली

टीम इंडिया के हीरो रहे थे. गौतम गंभीर भी उस आईसीसी टूर्नामेंट को जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे थे. जोगिंदर शर्मा का कहना है कि जितना वो गंभीर को जानते हैं, उसके मुताबिक वो ज्यादा दिन भारतीय टीम में नहीं टिकेंगे.

गंभीर पर दिए बयान के पीछे हैं 3 वजहें

जोगिंदर शर्मा का ये हैरतअंगेज बयान सोशल मीडिया पर तेजी से जोर पकड़ रहा है, जिसके पीछे उन्होंने 3 वजहें बताई हैं.

उन्होंने पहली बात ये कही कि कई दफा गौतम गंभीर के कुछ फैसले ऐसे हो जाते हैं, जो ज्यादा लोगों को पसंद नहीं आते. ऐसा इसलिए क्योंकि वो सीधी बात करते हैं. जोगिंदर शर्मा के मुताबिक दूसरी बात ये है कि, गंभीर किसी के पास जाने वाले नहीं हैं. चापलूसी करना उनकी आदत नहीं रही है.

तीसरी और आखिरी वजह उन्होंने बताई कि गंभीर अपना काम करने में यकीन रखते हैं और कभी ये भी नहीं चाहते कि उन्हें उसका क्रेडिट मिले.

राहुल द्रविड़ की जगह हेड कोच बने गौतम गंभीर

टीम इंडिया में गौतम गंभीर ने राहुल द्रविड़ की जगह ली है. टी20 वर्ल्ड कप 2024 में जीत के साथ ही टीम इंडिया के साथ राहुल द्रविड़ का कार्यकाल भी खत्म हो गया, जिसके बाद गौतम गंभीर को जिम्मेदारी मिली. फिलहाल, गौतम गंभीर की कोचिंग में भारतीय टीम श्रीलंका दौरे पर है, जहां वनडे सीरीज खेली जा रही है. टी20 सीरीज जीतने के बाद गंभीर की नजर वनडे सीरीज में भी जीत का पताका फहराने पर है.

भारतीय शूटर्स को पेरिस में होटल 'ताज महल' और 'बॉम्बे' का सहारा, एथलीट को परोस रहे भारतीय खाना

पेरिस, 4 अगस्त (एजेंसियां)। फ्रांस के शहर शेटराउ की सड़कें आजकल भारत में होने का अहसास दिलाती हैं क्योंकि यहां 'ताज महल' और 'बॉम्बे' जैसे रेस्तरां के दस्तरखान से भारतीय पकवानों की खुशबू हवाओं को महका रही है। पेरिस ओलंपिक में निशानेबाजी स्पर्धा के केंद्र इस शहर में दोहरी पदक विजेता मनु भाकर समेत कई भारतीय निशानेबाज खेलगांव के औसत खाने से बचते हुए यहां भारतीय व्यंजनों का स्वाद चख चुके हैं। निशानेबाजों को यह कहते सुना जा चुका है कि खेलगांव का खाना बहुत ही खराब है।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के आतिफ नोमान ' ताजमहल' रेस्त्रां के सह मालिक हैं। उन्होंने कहा,

'मैंने मनु भाकर को टीवी पर देखा जिन्होंने भारत के लिये दो पदक जीते हैं । मैं तुरंत पहचान गया क्योंकि वह यहां खाना खाने आई थी।' रेस्त्रां में बजते बॉलीवुड गानों के बीच उन्होंने कहा, 'भारतीय खिलाड़ी मटर पनीर, दाल मखनी, पालक पनीर, सादा नान ही आर्डर करते हैं । वे सभी समूह में आते हैं और शाकाहारी ही खाते हैं।'

यह रेस्त्रां बांग्लादेश के सिलहट के रहने वाले नाजिमुद्दीन ने चार साल पहले खोला था जो भारतीयों के बीच काफी लोकप्रिय है। इससे 300 मीटर की दूरी पर दूसरा रेस्त्रां 'बॉम्बे' है जो 38 साल पुराना है। रेस्त्रां के मैनेजर अफगानिस्तान के मोहम्मद हमजा ने कहा, 'पहली बार इतने सारे भारतीय यहां खाने आ रहे हैं और उन्हें पसंद आ रहा है। हम उनके अनुभव को और अच्छा बनाने के लिये एक व्यंजन मुफ्त दे रहे हैं।'

उन्होंने कहा , 'भारतीय दाल, रोटी, सब्जी जैसी बिना मसाले की शाकाहारी चीजें आर्डर करते हैं। उन्होंने हमें ओलंपिक पिन जैसे मोमेंटो दिए हैं। हम इन यादों को सहेजकर रखेंगे।'

भारत ने ब्रिटेन को पेनल्टी शूटआउट में हराया

सेमीफाइनल में बनाई जगह

पेरिस, 4 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय हॉकी टीम ने इतिहास रचते हुए ब्रिटेन को पेनल्टी शूटआउट में हराकर लगातार दूसरी बार ओलंपिक के सेमीफाइनल में जगह बनाई। चार क्वार्टर की समाप्ति के बाद दोनों टीमों का स्कोर 1-1 से बराबर चल रहा था। दोनों ही टीमों ने निर्धारित समय तक बढ़त लेने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सकीं। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया जिसमे भारत ने 4-2 से ब्रिटेन को मात दी। भारत इस मैच में 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहा था क्योंकि दूसरे ही क्वार्टर में अमित रोहिदास को रेड कार्ड दे दिया गया था जिस कारण वह पूरे मैच से बाहर हो गए थे। हालांकि, भारतीय टीम ने हार नहीं मानी और अंत तक ब्रिटेन को कड़ी टक्कर दी। भारतीय टीम ने इस तरह पदक के लिए एक और कदम बढ़ा दिया है। अगर भारत सेमीफाइनल में जीत हासिल करने में सफल रहा तो कम से कम रजत पदक पक्का कर लेगा। भारत का सेमीफाइनल मुकाबला छह अगस्त यानी मंगलवार को खेला जाएगा।

इंग्लैंड चौथे प्रयास में भी गोल करने में विफल रहा और श्रीजेश ब्रिटेन के खिलाड़ी के सामने डटे रहे और गोल नहीं करने दिया

भारत के लिए चौथे प्रयास में राजकुमार ने गोल किया। इस तरह भारत ने इंग्लैंड को पेनल्टी शूटआउट में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

भारत और ब्रिटेन के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबले के तीसरे क्वार्टर तक स्कोर 1-1 की बराबरी पर रहा था। दोनों टीमों ने काउंटर अटैक किए, लेकिन गोल प्राप्त नहीं कर सके। इससे पहले हाफ टाइम तक दोनों टीमों का स्कोर 1-1 की बराबरी पर चल रहा था।

हॉफ टाइम के बाद दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर था। दूसरे क्वार्टर में भारत के अमित रोहिदास को रेड कार्ड मिला जिस कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। इसका मतलब है कि भारतीय टीम अब शेष मैच 10 खिलाड़ियों के साथ खेली। भारत ने हालांकि, इसे पीछे छोड़ते हुए हरमनप्रीत सिंह के शानदार गोल के दम पर बढ़त हासिल की, लेकिन ब्रिटेन के लिए ली मोर्टन ने जल्द ही बराबरी का गोल दागा। ब्रिटेन के लिए ली मोर्टन ने काउंटर अटैक पर गोल किया था, जबकि हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर में गोल कर 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही भारतीय टीम को 22वें मिनट में 1-0 की बढ़त दिलाई थी। हरमनप्रीत का यह पेरिस ओलंपिक में सातवां गोल रहा। मैच रेफरी ने रोहिदास को ब्रिटेन के एक खिलाड़ी को हॉकी स्टिक से जानबूझकर सिर में चोट पहुंचाने का दोषी माना था और उन्हें रेड कार्ड देकर बाहर कर दिया था। पेरिस ओलंपिक में पहली बार है जब किसी खिलाड़ी को रेड कार्ड दिया गया है। रो

पहले क्वार्टर में दोनों टीमों को पेनाल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन कोई इसे गोल में नहीं बदल सका। इस दौरान भारत के गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने दमदार प्रदर्शन किया और ब्रिटेन के हर आक्रमण को रोकने में सफल रहे।

इमाने खेलीफ का पदक पक्का, क्वार्टर फाइनल जीतते ही रो पड़ीं; जानें अब उनकी प्रतिद्वंद्वी ने क्या कहा

पेरिस, 4 अगस्त (एजेंसियां)। पिछले साल लैंगिक जांच में जैविक रूप से पुरुष बताकर विश्व चैंपियनशिप में अयोग्य घोषित कर दी गई अल्जीरिया की महिला मुक्केबाज इमाने खेलीफ सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रही हैं। ओलंपिक में उनकी भागीदारी को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। इमाने के खिलाफ पहले मुकाबले में प्रतिद्वंद्वी एंजिला कैरिनी नाक पर पंच पड़ने के बाद 46 सेकंड में मुकाबले में हट गई थीं। इमाने के अलावा ताइवान की लिन यू-टिंग के भी महिला वर्ग में भाग लेने पर पिछले कुछ दिनों से विवाद चल रहा है। तमाम विवाद और सुर्खियों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) का कहना है कि इमाने और लिन खेलने के लिए योग्यता रखती हैं।

हालांकि, अब इमाने ने महिला मुक्केबाजी के 66 भारवर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है और अपने देश के लिए एक पदक (कम से कम कांस्य) पक्का कर लिया है। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में हंगरी की अना लुका हैमोरी को 5-0 से हरा दिया। सेमीफाइनल में प्रवेश के साथ वह अल्जीरिया की सातवीं पदक विजेता मुक्केबाज बन गई हैं। महिला मुक्केबाजी में अल्जीरिया का यह पहला ओलंपिक पदक है। खलीफ और लिन ने 2021 में टोक्यो

ओलंपिक में भी प्रतिस्पर्धा की थी लेकिन पदक नहीं जीता था। जीत और पदक पक्का करने के बाद इमाने रिंग में ही रोने लगीं।

विपक्षी मुक्केबाज ने क्या कहा?

वहीं, अना लुका ने मैच के बाद कहा- यह एक कठिन मैच था, लेकिन मुझे लगता है कि मैं वह सब कुछ कर सकती थी जो मैं लड़ाई से पहले चाहती थी। मुझे लगता है कि यह एक अच्छी लड़ाई थी। मुझे खुद पर बहुत गर्व है और मैं यहां आने के लिए बहुत आभारी हूं। मैं हर बाउट का आनंद लेने में सक्षम थी और मैं एक पल के लिए भी निराश नहीं हुई। अभी तो यही स्थिति है, लेकिन कौन जानता है कि भविष्य में क्या होगा। मैंने खिलाड़ी की तरह व्यवहार करने की कोशिश की, ताकि मेरा प्रतिद्वंद्वी कुछ भी मेरे बारे में बुरा न कह सके।

'नफरत की भाषा' अस्वीकार्य : बाक

इससे पहले आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बाक ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में मुक्केबाज इमाने खेलीफ और लिन यू-टिंग के खिलाफ 'नफरत की भाषा' पूरी तरह से अस्वीकार है। उन्होंने कहा- 'हम राजनीति से प्रेरित...सांस्कृतिक युद्ध का हिस्सा नहीं बनेंगे। हमारे पास दो मुक्केबाज हैं जो महिलाओं के रूप में पैदा हुए हैं, जिनका पालन-पोषण महिलाओं के रूप में हुआ है, जिनके पास महिला के रूप में पासपोर्ट है और उन्होंने कई वर्षों तक महिलाओं के रूप में प्रतिस्पर्धा की है। कुछ लोग यह परिभाषित करना चाहते हैं कि कौन महिला है।'

हारने वाली एंजेला को मिलेंगे 42 लाख

इस बीच रिपोर्टों के अनुसार प्रतिबंधित अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) इटली की एंजेला कैरिनी को 42 लाख रुपये की उतनी राशि प्रदान करेगी जितनी ओलंपिक चैंपियन को मिलती है। इमाने के खिलाफ एंजेला पहले दौर में 46 सेकंड में मुकाबले से हट गई थीं और रोते हुए रिंग से रवाना हुई थी। आईबीए के अध्यक्ष उमर क्रेमलेव ने कहा कि एंजेला के अलावा इटली की फेडरेशन और कोच को 21-21 लाख रुपये की इनामी राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कैरिनी मैच से हटी थीं। हमें हर मुक्केबाज के बारे में सोचना होगा। मुझे नहीं पता कि वह महिला मुक्केबाजी को क्यों खत्म करने पर तुले हैं। इस बीच ताइवान की लिन ने उज्बेकिस्तान की सितोरा तुरदिबेकोवा को हराकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया। आईबीए ने कहा है कि वह सितोरा का भी समर्थन करेगा।

एक्सेलसन से सेमीफाइनल मुकाबला हारे लक्ष्य सेन, अब कांस्य पदक के लिए खेलेंगे

पेरिस, 4 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबला हार गए हैं और फाइनल में पहुंचने से चूक गए। लक्ष्य अब सोमवार को कांस्य पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे।

लक्ष्य ने मुकाबला हारने के बाद कहा, यह बड़ा मैच था, लेकिन मुझे थोड़ा संभलकर खेलना था। मैंने दूसरे गेम में अच्छी शुरुआत की और बढ़त बनाई, लेकिन इसे बरकरार नहीं रख सका। शुरुआत से ही जैसा गेम चल रहा था एक्सेलसन आक्रमक होकर खेल रहे थे और मैं डिफेंस खेल रहा था। मुझे लगता है कि मुझे अटैकिंग होकर खेलना चाहिए था। मैं अब कांस्य पदक के लिए पूरा जोर लगाऊंगा। मुझे इस मैच से काफी उम्मीद है। दर्शकों ने मेरा काफी हौसला बढ़ाया और मेरे माता-पिता भी यहां हैं तो मुझे हिम्मत मिलती है। मुझे उम्मीद है कि जैसा सपोर्ट मुझे आज मिला वैसा ही दर्शकों से कल भी मिलेगा जब मैं कांस्य पदक के लिए उतरूंगा।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन के खिलाफ पुरुष एकल वर्ग का सेमीफाइनल मुकाबला गंवा बैठे हैं। लक्ष्य ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की थी, लेकिन एक्सेलसन दोनों ही गेम में इस भारतीय खिलाड़ी पर भारी पड़े और उन्होंने 22-20, 21-14 से लक्ष्य को हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। लक्ष्य भले ही सेमीफाइनल से बाहर हो गए फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर सके, लेकिन उनके पास अभी भी कांस्य पदक जीतने का मौका है। लक्ष्य पहले भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी हैं जिन्होंने ओलंपिक का सेमीफाइनल मैच खेला है। उनके पास इस मैच को जीतकर भारत के

लिए पदक पक्का करने का मौका था, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सके। अब लक्ष्य कांस्य पदक के लिए खेलेंगे। लक्ष्य का कांस्य पदक के लिए मलेशिया के सातवीं वरीयता प्राप्त जिया जी ली से सामना होगा। दोनों खिलाड़ियों के बीच कांस्य के लिए सोमवार को मुकाबला होगा।

विक्टर एक्सेलन ने दूसरे गेम में भी लक्ष्य सेन पर बढ़त बना ली है। एक समय 7-0 से आगे चल रहे लक्ष्य अब 14-19 से पीछे चल रहे हैं। लक्ष्य को मैच गंवाने के लिए जल्द ही वापसी करनी होगी।

एक्सेलसन और लक्ष्य सेन के बीच दूसरे गेम में कड़ा मुकाबला चल रहा है। एक समय 7-0 की बढ़त बना चुके लक्ष्य अब 12-13 से पीछे चल रहे हैं।

दूसरे गेम में लक्ष्य ने ब्रेक तक एक्सेलसन पर 11-10 की मामूली बढ़त हासिल की हुई है। पहला गेम गंवाने के बाद लक्ष्य ने दूसरे गेम में शानदार वापसी की थी और एक स्कोर स्कोर 7-0 कर दिया था, लेकिन एक्सेलसन ने गियर बदला और वापसी करने में ज्यादा देर नहीं लगाई।

एक्सेलसन ने वापसी करते हुए स्कोर 8-7 किया, लेकिन लक्ष्य ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए स्कोर 10-7 करने में ज्यादा देर नहीं लगाई।

मोहम्मद शमी का बड़ा ऐलान : भारत से पहले ईस्ट बंगाल क्लब टीम के लिए खेलते हुए आएंगे नजर

मुंबई, 3 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी वर्ल्ड कप 2023 के बाद से ही मैदान से दूर हैं. वह पिछले साल नवंबर 2023 में खेले गए वनडे वर्ल्ड कप के दौरान पैर की चोट से परेशान थे. जिसके बाद फरवरी 2024 में उन्होंने एंकल की चोट की सफल सर्जरी करवाई थी. वह फिलहाल नेशनल क्रिकेट एकेडमी में मैदान पर वापसी करने के लिए मेहनत कर रहे हैं. टीम इंडिया में उनकी वापसी कब होगी ये अभी साफ नहीं है. इसी बीच मोहम्मद शमी ने खुद अपनी वापसी पर बड़ा बयान दिया है.

मोहम्मद शमी ने वापसी पर दिया बड़ा अपडेट

मोहम्मद शमी इस समय बंगाल में हैं. हाल ही में शमी को कोलकाता में ईस्ट बंगाल क्लब ने सम्मानित किया. इस दौरान उन्होंने अपनी वापसी पर बात करते हुए बताया टीम इंडिया में लौटने से पहले वह घरेलू क्रिकेट खेल सकते हैं. इसी सम्मान समारोह में बात करते हुए शमी ने कहा, 'यह कहना मुश्किल है कि मैं कब वापसी करूंगा. मैं बहुत मेहनत कर रहा हूं

लेकिन दोबारा भारतीय जर्सी पहनने से पहले आप मुझे बंगाल के जर्सी में देखेंगे. मैं बंगाल के लिए 2-3 मैच खेलने आऊंगा और पूरी तैयारी से आऊंगा. इसका मतलब है कि शमी आगामी घरेलू सीजन में बंगाल की टीम के लिए खेलते हुए नजर आ सकते हैं. शमी ने अपनी चोट पर बात करते हुए कहा, 'कभी नहीं सोचा था कि चोट इतनी ज्यादा होगी. हमारा प्लान इसको टी20 वर्ल्ड कप के बाद देखने का था. लेकिन यह वनडे वर्ल्ड कप के दौरान और गंभीर हो गई और मैंने इसके साथ खेलने का रिस्क नहीं लिया. यहां तक डॉक्टर्स भी नहीं सोचा था कि चोट इतनी गंभीर हो जाएगी और इसको ठीक होने में इतना टाइम लगेगा.' बता दें, शमी 2023 वनडे वर्ल्ड कप के सबसे सफल गेंदबाज थे. उन्होंने 7 मैचों में 24 विकेट अपने नाम किए थे और टीम इंडिया को फाइनल तक पहुंचाया था.

इंटरनेशनल क्रिकेट में शानदार आंकड़े

मोहम्मद शमी ने टीम इंडिया के लिए अभी तक 64 टेस्ट, 101 वनडे और 23 टी20 मैच खेले हैं. टेस्ट में वह 229 विकेट, वनडे में 195 विकेट और टी20 में 24 विकेट अपने नाम कर चुके हैं. इस दौरान उन्होंने 11 बार पारी में 5 विकेट लेने का कारनामा किया है. शमी इंटरनेशनल क्रिकेट में 970 रन भी बना चुके हैं, जिसमें 2 अर्धशतक शामिल हैं.

वंदे भारत एक्सप्रेस से होगी सुविधाजनक यात्रा : सोमन्ना

रेल राज्य मंत्री ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाई

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने 3 अगस्त, 2024 को (बेंगलुरू मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय से रिमोट वीडियो लिंक के माध्यम से) यादगीर रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव के साथ ट्रेन नंबर 22232 एसएमवीटी बेंगलुरू-कलबुर्गी वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। साथ ही यादगीर रेलवे स्टेशन पर एक क्षेत्रीय समारोह आयोजित किया गया, जिसमें गुरमितकल के विधायक शरणगौड़ा कंदाकुर, एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक आर. धनंजयलु, गुंटकल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक एम. विजय कुमार और अन्य रेलवे अधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर बोलते हुए सोमन्ना ने कहा कि क्षेत्र के लोगों के पास पहली वंदे भारत एक्सप्रेस है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी रूप से विकसित ट्रेन में कई विश्व स्तरीय विशेषताएं हैं जो बेहतर सवारी आराम और अधिक सुरक्षा सुविधाएं प्रदान करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रेन को कवच-स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली जैसी उन्नत सुरक्षा सुविधाओं से लैस किया गया है। मंत्री ने यह भी कहा कि यह ट्रेन यादगीर के लोगों को कलबुर्गी, रायचूर, मंत्रालयम, गुंतकल जैसी छोटी दूरी की यात्रा करने और सुविधाजनक दिन की यात्रा के समय के साथ वापस आने के लिए सुविधाजनक यात्रा सुविधा भी प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में पहले ही 90 प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा हो चुका है। पिछले 10 वर्षों में भारत में 31,000 किलोमीटर रेलवे लाइन बिछाई गई है। 2014-15 में औसतन प्रतिदिन चार किलोमीटर रेलवे ट्रैक बिछाए गए, जबकि 2023-24 में औसतन प्रतिदिन 14.5 किलोमीटर रेलवे ट्रैक बिछाए जाएंगे। कर्नाटक में सभी मानवरहित लेवल क्रॉसिंग गेट समाप्त कर दिए गए हैं। 2014 से अब तक सुचारू यातायात की सुविधा के लिए 534 आरओबी/आरयूबी का निर्माण किया गया है। इससे पहले, शरणगौड़ा कंडकुर ने बात की और प्रतिष्ठित कलबुर्गी-एसएमवीटी बेंगलुरू-कलबुर्गी वंदे भारत एक्सप्रेस के लिए यादगीर स्टेशन पर ठहराव प्रदान करने के लिए रेल राज्य मंत्री को धन्यवाद दिया, जो यादगीर के लोगों की लंबे समय से अभिलाषा थी। एक्सप्रेस बेंगलुरू के लिए सुविधाजनक और आरामदायक दिन की यात्रा प्रदान करेगी। यादगीर में वंदे भारत एक्सप्रेस के लिए ठहराव के प्रावधान की विशेषताएं यादगीर स्टेशन से बेंगलुरू जाने वाली पहली वंदे भारत एक्सप्रेस, ट्रेन सुबह 05.55 बजे बेंगलुरू की ओर खुलती है और वापसी की यात्रा में यह 9.45 बजे कलबुर्गी की ओर पहुंचती है, ट्रेन शुक्रवार को छोड़कर कलबुर्गी से और गुरुवार को छोड़कर बेंगलुरू से सप्ताह में छह दिन चलती है। ट्रेन एसी चेयर कार और एक्जीक्यूटिव क्लास के डिब्बों में पूरी तरह से एसी बैठने की सुविधा के साथ एक दिन की यात्रा प्रदान करती है। यादगीर रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव है।

क्या तेलंगाना कांग्रेस की सोशल मीडिया शाखा में बदलाव होगा?

विधानसभा सत्र में 'कुछ खास' न कर पाने पर चर्चाएं तेज

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। क्या तेलंगाना में कांग्रेस अपने सोशल मीडिया विंग में बदलाव की योजना बना रही है, क्योंकि विधानसभा सत्र के दौरान यह विंग पार्टी की मदद करने में विफल रही थी। पार्टी में चल रही चर्चा के अनुसार इस दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। हाल के दिनों में कुछ नेताओं द्वारा दिए गए विवादास्पद बयानों के कारण पार्टी को हुई आलोचना को देखते हुए, ऐसी चर्चा है कि पार्टी का सोशल मीडिया आलोचना का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने में विफल रहा।

गांधी भवन के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि बीआरएस सोशल मीडिया विंग कांग्रेस की विफलताओं को उजागर करने में सफल रही है। पिछले सप्ताह संपन्न विधानसभा सत्र में उन्होंने हमारे नेताओं द्वारा दिए गए विवादास्पद बयानों को प्रभावी ढंग से उजागर किया। ऐसे में अगर पार्टी राज्य में सोशल मीडिया की जिम्मेदारी किसी नए हाथ में सौंप दे तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। राजनीतिक रणनीतिकार सुनील कनुगोलू के नाम पर विचार किया जा रहा है।

महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध बर्दाश्त नहीं : डॉ. जितेंद्र

तेलंगाना पुलिस का अपराधियों को अदालत में सजा दिलाने का बेहतर प्रयास

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य पुलिस न्याय के बुनियादी सिद्धांतों को बनाए रखना और पीड़ितों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों के साथ खड़े रहना अपनी प्राथमिकता मानती है। गंभीर अपराधों के मामले में जांच और सजा की निगरानी की एक मजबूत प्रणाली का पालन करना। इस प्रकार के अपराधों के अपराधियों को सजा सुनाने में इस दृष्टिकोण से अच्छे परिणाम मिले हैं। मौजूदा साल 2024 में अपराधियों को सजा दिलाने के लिए तेलंगाना पुलिस ने कड़ी मेहनत की है। इसमें रंगा रेड्डी जिला एमएसजे कोर्ट द्वारा दी गई नवीनतम मौत की सजा भी शामिल है। यह सजा नरसिंघी पुलिस स्टेशन (सीआर नंबर: 818/2017, धारा 363, 366, 376 (ए), 302 आईपीसी और धारा 5 आर/डब्ल्यू 6 पोक्सो अधिनियम - 2012) में एक बच्चे के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में सुनाई गई थी। साल 2024 में तेलंगाना रेप और पास्को मामलों में कुल 28 लोगों को 20 साल, 15 से 20 साल, दो को 25 साल और 11 को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। इस प्रकार के अपराधियों के लिए सबसे अधिक सज़ाएँ हैदराबाद और राचाकोंडा कमिश्नरियों में पाँच-पाँच की दर से दी गईं। जांच अधिकारियों और निगरानी अधिकारियों के प्रयास से यह संभव हो सका. एक सशस्त्र जांच से अपराधियों को सजा मिलेगी। भरोसा केंद्रों के माध्यम से पीड़ितों को सहायता से पीड़ितों को सशक्त बनाने में मदद मिली है। आश्वासन केंद्र पीड़ितों के लिए एक सहायक वातावरण प्रदान करते हैं और मामलों की सुनवाई के दौरान उनका समर्थन करते हैं। महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराधों का एक बड़ा प्रतिशत (लगभग 95%) परिचितों द्वारा किया जाता है। इससे कई मामलों में पीड़ित या परिवार के सदस्य मुकदमे के दौरान विपरीत साक्ष्य देते हैं। आश्वासन केंद्रों और स्थानीय पुलिस का निरंतर समर्थन मामलों में अभियोजन पक्ष ने सबूतों के साथ मामले का अच्छी तरह से समर्थन किया। राज्य के पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेंद्र ने हाल ही में स्टाफ अधिकारियों और यूनिट अधिकारियों के साथ एक बैठक में दोहराया कि अधिकारियों को अपराधियों को दंडित करने के लिए जांच की गुणवत्ता को प्राथमिकता देनी चाहिए। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध बर्दाश्त नहीं किये जायेंगे. उन्होंने इन महत्वपूर्ण अपराधियों को सजा दिलाने में आश्वासन केंद्रों, जांच अधिकारियों, अदालत ड्यूटी अधिकारियों और अभियोजकों की भूमिका की सराहना की। ये सज़ाएँ ऐसे अपराधों को रोक सकती हैं।

पिछले कुछ महीनों में कई महत्वपूर्ण मामलों में सजा

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में 8 बच्चों के पिता को अपनी बेटी से बार-बार बलात्कार करने पर आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। इसी तरह आदिलाबाद में एक नाबालिग लड़के के साथ अप्राकृतिक यौन कृत्य करने के आरोपी को 20 साल के कठोर कारावास और 10 हजार रूपए का जुर्माना लगाया गया। कचरा चुनने वाली अपनी बेटी से बलात्कार करने वाले पिता को 25 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है।

ज्योतिर्लिंग ट्रेन के साथ दिव्य दक्षिण यात्रा सिकंदराबाद से शुरू

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिणी राज्यों के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों को कवर करने वाली 22वीं भारत गौरव ट्रेन की यात्रा रविवार को एक रेल यात्री 77 वर्षीय बाल रेड्डी द्वारा आईआरसीटीसी के समूह महाप्रबंधक पी. राजकुमार की उपस्थिति में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर हरी झंडी दिखाकर शुरू की गई। 'ज्योतिर्लिंग के साथ दिव्य दक्षिण यात्रा' की नौ दिवसीय यात्रा तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के रेल यात्रियों/तीर्थयात्रियों को तिरुवन्नामलाई, रामेश्वरम, मदुरै, कन्याकुमारी, त्रिवेंद्रम, त्रिची और तंजावुर जैसे महत्वपूर्ण स्थलों की यात्रा करने का एक शानदार अवसर प्रदान करती है। एससीआर ने दो पैकेजों में आगामी आईआरसीटीसी टूर कार्यक्रमों की घोषणा की। सप्त (7) ज्योतिर्लिंग दर्शन यात्रा में उज्जैन में महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर, द्वारका में नागेश्वर, सोमनाथ, पुणे में भीमाशंकर, नासिक में त्रयंबकेश्वर और औरंगाबाद में ग्रिशनेश्वर शामिल हैं। यह यात्रा 17 से 28 अगस्त तक चलेगी। दूसरा पैकेज 'अयोध्या-काशी: पुण्य क्षेत्र यात्रा' जिसमें पुरी में भगवान जगन्नाथ मंदिर और कोणार्क सूर्य मंदिर, गया में विष्णुपद मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर और गलियारा, काशी विशालाक्षी और अन्नपूर्णा देवी मंदिर के साथ-साथ वाराणसी में शाम की गंगा आरती, राम जन्म शामिल है। अयोध्या में सरयू नदी पर भूमि, हनुमानगढ़ी और आरती और प्रयागराज में त्रिवेणी संगम 1 से 10 सितंबर तक होगा।

नशे में वाहन चलाने वालों की जांच

दो सौ आरोपियों के खिलाफ हुई कार्रवाई

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। इस सप्ताहांत, 3 अगस्त को नशे में वाहन चलाने वालों की व्यापक जांच की गई, जिसके परिणामस्वरूप 200 अपराधियों को पकड़ा गया।अभियान के दौरान, कुल 153 दोपहिया वाहन, 11 तिपहिया वाहन, 31 चार पहिया वाहन और 5 भारी वाहन चालकों को शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पकड़ा गया। उल्लेखनीय है कि 28 अपराधियों के रक्त में अल्कोहल सांद्रता (बीएसी) 200 मिलीग्राम/100 मिली और 550 मिलीग्राम/100 मिली के बीच पाई गई। पकड़े गए सभी व्यक्तियों को आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

"यदि कोई व्यक्ति शराब के नशे में वाहन चलाता है और दुर्घटना का कारण बनता है, जिसके परिणामस्वरूप मृत्यु होती है, तो ऐसे व्यक्तियों को भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (हत्या के बराबर नहीं होने वाली गैर इरादतन हत्या) के तहत गिरफ्तार किया जाएगा और उन पर मुकदमा चलाया जाएगा। इस अपराध के लिए अधिकतम सजा 10 साल की कैद और जुर्माना है।" साइबराबाद पुलिस सभी नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सड़कों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह करती है।

गैरकानूनी गतिविधियों के लोगों को नहीं बख्शेंगे : सुधीर बाबू

पुलिस ने बार, रेस्तरां और होटल बंद कराया

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा सीपी सुधीर बाबू ने चेतावनी दी है कि जो लोग जनता को असुविधा पहुंचाते हैं, जो असामाजिक गतिविधियों और अवैध गतिविधियों में लिप्त हैं, जो होटल, बार और रेस्तरां और अन्य परिसरों में असामाजिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करते हैं, उन्हें किसी भी परिस्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। उन्होंने रंगारेड्डी जिले के सरूर नगर मंडल में सागर रोड के पास बैरमलागुडा में श्रीरस्तु बार और रेस्तरां और होटल परिसर को बंद करने के अवसर पर एक बयान जारी किया।उच्च अधिकारियों के आदेश के अनुसार श्रीरस्तु बार और रेस्तरां और होटल परिसर को बंद कर दिया गया है। सुधीर बाबू ने अपने बयान में कहा कि बार को बंद कर दिया गया था क्योंकि यह ग्राहकों को अंधाधुंध तरीके से शराब पीने और दिन-रात कमरों में रहने की अनुमति देकर स्थानीय लोगों को परेशानी पैदा कर रहा था। अपने बयान में कमिश्नर ने कहा कि राचकोंडा कमिश्नरेट की पुलिस राचकोंडा कमिश्नरेट के क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने और आम लोगों को किसी भी तरह की परेशानी से बचाने के लिए अथक प्रयास कर रही है।

अमेरिका में एमएस करेगी करीमनगर की छात्रा

राज्य फेलोशिप मिलने पर परिवार में छाई खुशियां

55.50 लाख रुपये का खर्च वहन करेगा कृषि विभाग

4 छात्रों का हुआ था चयन

करीमनगर, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वीणावंका मंडल के ममीडालपल्ली की छात्रा मूला पवनी को राज्य सरकार की फेलोशिप पर अमेरिका में मास्टर डिग्री के लिए चुना गया है। कोंडा लक्ष्मण बागवानी विश्वविद्यालय से बीएससी करने वाली पावनी ने अमेरिका के अलबामा में ऑबर्न विश्वविद्यालय में एमएस की सीट हासिल की। कृषि विभाग फेलोशिप देकर छात्रा की दो वर्षीय मास्टर डिग्री का खर्च (55.50 लाख रुपये) वहन करने के लिए आगे आया है।

प्रतिभाशाली छात्रों को विदेश में शिक्षा प्राप्त करने के लिए फेलोशिप प्रदान करने के लिए, कृषि विभाग ने राज्य सरकार की फेलोशिप के लिए 4 छात्रों का चयन किया था, जिनमें प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय और श्री कोंडा

लक्ष्मण तेलंगाना राज्य बागवानी विश्वविद्यालय से दो-दो छात्र शामिल थे। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में बीएससी पूरा करने वाले छात्रों को फेलोशिप के लिए चुना गया है। सरकार 2.22 करोड़ रुपये खर्च करेगी क्योंकि प्रत्येक छात्र को दो साल के मास्टर डिग्री कोर्स के लिए 55.50 लाख रुपये की आवश्यकता होती है। पवनी उन 4 छात्रों में से एक हैं जिन्हें फेलोशिप के लिए चुना गया है।

कृषि परिवार से ताल्लुक रखने वाली पवनी ने बीएससी एग्रीकल्चर करने के लिए इंटरमीडिएट में बीआईपीसी को चुना। हालांकि, उन्हें बागवानी में शामिल होना पड़ा। इसलिए, पाठ्यक्रम को समझने और इसे तलाशने में उन्हें एक साल लग गया। सरकारी संस्थानों में पढ़ाई करने वाली पवनी ने सभी चरणों में अव्वल स्थान प्राप्त किया। पवनी एमएस की पढ़ाई पूरी करने के बाद, पीएचडी करना चाहती हैं और अपने ज्ञान को लागू करने और कृषि समुदाय में योगदान देने के लिए भारत लौटना चाहती हैं। माता-पिता संपत रेड्डी और रमा अपनी बेटी की सफलता को देखकर खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं।

श्रीधर बाबू ने वायनाड भूस्खलन को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने केंद्र सरकार से मांग की है कि केरल में वायनाड भूस्खलन को राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाए। रविवार को यहां एक विज्ञप्ति में, मंत्री ने कहा कि वायनाड भूस्खलन की त्रासदी, जिसमें 350 से अधिक लोगों की जान चली गई, को अलग तरह से देखा जाना चाहिए और चेतावनी दी कि अगर त्रासदी को सिर्फ एक राज्य की समस्या माना गया तो लोग माफ नहीं करेंगे। श्रीधर बाबू ने कहा, "दक्षिण भारत में ऐसी घटना कभी नहीं हुई। केंद्र को वायनाड को राजनीतिक नजरिए से नहीं, बल्कि मानवीय नजरिए से देखना चाहिए।" उन्होंने कहा कि भारी बारिश, बादल फटने और

भूस्खलन, बारिश के पानी के साथ कीचड़ बहने की स्थिति में पूर्व चेतावनी से निपटने के लिए एक व्यापक कार्य योजना तैयार की जानी चाहिए। मंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि भूस्खलन की आशंका वाले क्षेत्रों का मानचित्रण करने के लिए आधुनिक वैज्ञानिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाना चाहिए और उपग्रह चित्रों के जरिए सटीक चेतावनी जारी करने की व्यवस्था स्थापित की जानी चाहिए, क्योंकि मौसम विभाग द्वारा दिए जाने वाले नारंगी और लाल अलर्ट खतरों का अनुमान नहीं लगा सकते। उन्होंने कहा कि जिस तरह भूकंप वाले क्षेत्रों को जोन में बांटा गया है, उसी तरह भूस्खलन की आशंका वाले क्षेत्रों को भी श्रेणियों में पहचाना जाना चाहिए। मंत्री ने आगे सुझाव दिया कि ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए कि मानसून के दौरान भूस्खलन की आशंका वाले क्षेत्रों में सहायता दल लगातार उपलब्ध रहें।

रमण रेड्डी ने स्पेशल ऑपरेशन टीम के डीसीपी का पदभार संभाला

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में हाल ही में हुए सामान्य तबादलों के तहत डीसीपी रमण रेड्डी को कमांड कंट्रोल से मलकाजगिरी जोन स्पेशल ऑपरेशन टीम के डीसीपी के पद पर स्थानांतरित किया गया। इस अधिकारी को टास्क फोर्स में पहले भी कई महत्वपूर्ण मामलों को संभालने का अनुभव है। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए रमण रेड्डी ने कहा कि वे नशे के कारोबार पर कड़ी नजर रखेंगे और कानून व्यवस्था को महत्व देंगे।

टीटीडी वरिष्ठ नागरिक दर्शन कोटे में कोई बदलाव नहीं

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने तीर्थयात्रियों से अपील की है कि वे बुजुर्गों और विकलांगों के दर्शन के संबंध में कुछ सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर फैलाई जा रही फर्जी और भ्रामक खबरों पर विश्वास न करें।

टीटीडी हर महीने 23 तारीख को दोपहर 3 बजे 1000 वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों के लिए तीन महीने पहले ऑनलाइन कोटा जारी कर रहा है। टिकट धारक को 50 रुपये का लड्डू मुफ्त मिलेगा। टीटीडी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि उन्हें प्रतिदिन अपराह्न 3 बजे वरिष्ठ नागरिक/पीएचसी लाइन के माध्यम से तिरुमाला में तिरुमाला नंबी मंदिर के निकट दर्शन की अनुमति दी जाएगी।

गांजा तस्करी के आरोप में 5 गिरफ्तार

803 किलोग्राम प्रतिबंधित पदार्थ जब्त

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद स्पेशल ऑपरेशन टीम ने एक गिरोह के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है जो कथित तौर पर गांजा की तस्करी और बिक्री में शामिल थे। पुलिस ने उनके कब्जे से 803 किलोग्राम प्रतिबंधित पदार्थ, एक डीसीएम कंटेनर और एक कार जब्त की।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान मलकागिरी के 34 वर्षीय सोमनाथ खारा, हराडे बीदर के 48 वर्षीय संजीव कुमार होल्ल्याप्पा ओकारे, कर्नाटक बीदर के 35 वर्षीय संजीव विट्ठल रेड्डी, ओडिशा के 26 वर्षीय सुनील खोसला और 26 वर्षीय जग सुना के रूप में हुई है। दो अन्य अरकू के रामू और नवी मुंबई, महाराष्ट्र के सुरेश मारुति पाटिल फरार हैं। डीसीपी एसओटी साइबराबाद डी श्रीनिवास के अनुसार, सात सदस्यों वाला यह गिरोह गांजा की बिक्री, परिवहन और ग्राहकों को इसकी आपूर्ति में शामिल था।

रामू डीसीएम और ट्रकों के जरिए देश के अलग-अलग हिस्सों में अपने ग्राहकों को गांजा सप्लाई करता था। हाल ही में सोमनाथ खरे ने संजीव विट्ठल से नवी मुंबई में गांजा सप्लाई करने का सौदा किया था। डी. श्रीनिवास ने बताया कि 1 अगस्त को संजीव एक कंपनी से रासायनिक सॉल्वेंट्स के बैरल की डिलीवरी लेने और उसे महाराष्ट्र ले जाने के लिए डीसीएम में विजाग आया था। उसने सोमनाथ से गांजा भी लिया था, जिसे वह नवी मुंबई ले जाना चाहता था। गांजे की खेप को डीसीएम में छिपाकर रासायनिक सॉल्वेंट्स की आड़ में ले जाया जा रहा था। सूचना मिलने पर एसओटी टीम ने उन्हें शमशाबाद में पकड़ लिया। अधिकारी ने बताया कि बाजार में एक किलो गांजा की कीमत 35,000 रुपये है। फरार सुरेश और रामू को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

सरकारी स्कूलों में मध्याह्न भोजन की स्थिति दयनीय

बीआरएस एमएलए हरीश राव ने की राज्य सरकार की आलोचना

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद जिले के कोटागिरी मंडल के कोठापल्ली में सरकारी स्कूल के छात्रों को कथित तौर पर केवल मिर्च पाउडर और तेल के साथ चावल खाने की तस्वीर वायरल हो गई। इस मामले में राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए बीआरएस के वरिष्ठ नेता टी हरीश राव ने इस चिंताजनक स्थिति के लिए राज्य सरकार द्वारा मध्याह्न भोजन योजना के लिए आपूर्ति के लंबित बिलों का भुगतान करने में विफलता और रसोइया-सह-सहायकों को लंबित वेतन का भुगतान करने में विफलता को जिम्मेदार ठहराया।

बीआरएस के वरिष्ठ नेता टी हरीश राव ने छात्रों की पीड़ा साझा करते हुए कांग्रेस सरकार के लापरवाह रवैये की निंदा की। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद है कि सरकार भारत के भावी नागरिकों के प्रति गैरजिम्मेदाराना व्यवहार कर रही है। उन्होंने कहा कि गरीब छात्रों को पोषण प्रदान करने के लिए शुरू की गई मुख्यमंत्री नाश्ता योजना को बंद करने वाली राज्य सरकार अब सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को उचित भोजन उपलब्ध कराने में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने छात्रों की खराब स्थिति के लिए सरकार की घोर लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया, क्योंकि वे आवश्यक पोषण से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि मैं उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क से तत्काल कार्रवाई करने, लंबित बिलों और कर्मचारियों के वेतन का भुगतान करने का अनुरोध करता हूं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों का पेट भरा रहे।

एनएसपी जलाशय पूर्ण स्तर के करीब

नागार्जुन सागर, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कृष्णा नदी पर निर्मित नागार्जुन सागर परियोजना (एनएसपी) ऊपरी धारा से भारी मात्रा में पानी आने के कारण अपने पूर्ण जलाशय स्तर (एफआरएल) के करीब पहुंच रही है। नागार्जुन सागर परियोजना को वर्तमान में ऊपरी धारा श्रीशैलम जलाशय से 5 लाख क्यूसेक से अधिक बाढ़ का पानी मिल रहा है। सागर की जल संग्रहण क्षमता 312.505 टीएमसी फीट है। वर्तमान में 266.358 टीएमसी फीट पानी संग्रहित है। जबकि परियोजना का पूर्ण जल स्तर 590 फीट है, वर्तमान जल स्तर 573.90 फीट तक पहुंच गया है। बाढ़ जारी रहने के कारण परियोजना के सोमवार सुबह तक भर जाने की संभावना है। इस बीच, अधिकारी सोमवार सुबह 8 बजे तक परियोजना के गेट खोलने की व्यवस्था कर रहे हैं। करीब 2 लाख क्यूसेक पानी नीचे की ओर छोड़ा जाएगा।

जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूल में जांच की

हैदराबाद, 4 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। निज़ामाबाद जिले के कोटागिरी मंडल के कोठापल्ली सरकारी स्कूल में छात्रों को मिर्च, तेल के साथ भोजन परोसे जाने के मामले को लेकर आज निज़ामाबाद जिला शिक्षा अधिकारी ने जांच की। संबंधित रसोइयों व प्रधानाध्यापक व शिक्षकों को पर्याप्त निर्देश दिये गये। कल से छात्रों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए गए हैं। मध्याह्न भोजन कर्मियों को दिए जाने वाले बकाया भुगतान के लिए अब तक जिला शिक्षा विभाग के अधिकारियों को 58.69 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। कल यानी 5 अगस्त को 18 करोड़ और जारी किए जाएंगे। कक्षा 1 से 8 तक खाना पकाने का खर्च और रसोइयों को 1000 रुपये का वेतन जून माह तक दिया जा चुका है। भुगतान के लिए हर माह धनराशि जारी की जा रही है रसोइयों को 2,000 वेतन से संबंधित बिल कल जारी किये जायेंगे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.